निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

भारत में अलनीनो और कमजोर मानसून की आशंका के बीच राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक करते केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान

• बोकारो, बुधवार 24 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 38 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

आज 262 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे सीएम हेमंत सोरेन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज बुधवार को 151 विशेषज्ञ चिकित्सक सहित कुल 262 पदों पर अनुशंसित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इसे लेकर प्रोजेक्ट भवन सभागार में पूर्वाह्न 11 बजे नियुक्त पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एवं अन्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। जिन पदों के लिए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा उनमें खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के 56, वरीय अस्पताल प्रबंधक के 29 तथा वित्त प्रबंधक के 26 पद भी सम्मिलित हैं। इनमें खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों की नियुक्ति झारखंड लोक सेवा आयोग के माध्यम से हुई है। राज्य में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों के पद लंबे समय से रिक्त था। इस पद पर नियमित नियुक्ति हुई है। अब इन पदों पर नियुक्ति होने से राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर शिकंजा कसेगा। वहीं विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत अनुबंध पर टेंडर के माध्यम से हुई है। चयनित चिकित्सकों को उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए विकल्प के अनुसार पदस्थापन भी कर दिया है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अभ्यर्थी वहां योगदान देंगे। इन सभी चिकित्सकों को उनके द्वारा कोट की गई मानदेय राशि मिलेगी जो अधिकतम तीन लाख रुपये मासिक होगी। इनके अलावा वरीय अस्पताल प्रबंधक तथा वित्त प्रबंधक के पदों पर भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत अनुबंध पर हुई है। इन्हें निर्धारित मानदेय देय होगा।

दिशोम गुरु को मरणोपरांत मिला पद्म भूषण

व्हीलचेयर पर बैठी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से ग्रहण किया पुरस्कार, परिवार के कई लोग रहे मौजूद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/रांची। झारखंड के कद्दावर नेता और दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन को लोक कार्य के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए मरणोपरांत देश के प्रतिष्ठित 'पद्म भूषण' सम्मान से नवाजा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में यह सम्मान प्रदान किया। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की ओर से यह सम्मान उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने ग्रहण किया। वे व्हीलचेयर पर बैठकर मंच तक पहुंचीं जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सौंपा। यह क्षण पूरे झारखंड और सोरेन परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरवपूर्ण रहा। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली पल का गवाह बनने के लिए सोरेन परिवार के सदस्य भी राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान झारखंड की प्रमुख नेता और विधायक कल्पना सोरेन के साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। शिबू सोरेन को यह सम्मान उनके जीवनकाल में समाज के वंचितों, आदिवासियों के हक-अधिकार की लड़ाई लड़ने और लोक कार्य के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक व ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए दिया गया है। झारखंड की राजनीति और समाज में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें इस उच्च नागरिक सम्मान के लिए चुना था। इस सम्मान के बाद पूरे राज्य में हर्ष का माहौल है। बता दें कि शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को वर्तमान रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था। बचपन में उनका नाम शिवलाल था लेकिन बाद में वे शिबू सोरेन के नाम से देशभर में पहचान बनाने लगे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा नेमरा गांव के स्कूल और बाद में गोला हाई स्कूल से प्राप्त की। उनके पिता सोबरन सोरेन शिक्षक होने के साथ गांधीवादी विचारधारा के समर्थक थे। 27 नवंबर 1957 को महाजनों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई। जमीन कब्जे और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के कारण हुई इस घटना ने किशोरावस्था में ही शिबू सोरेन के जीवन की दिशा बदल दी। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का रास्ता चुना। युवा अवस्था में उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित करने का काम शुरू किया। उन्होंने संताल नवयुवक संघ और सोनोत संताल समाज का गठन किया। इसके बाद धनकटनी आंदोलन चलाकर आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। गोला, बोकारो, जैनामोड़ और टुंडी क्षेत्र में आंदोलन को मजबूत करने के दौरान उनकी मुलाकात विनोद बिहारी महतो से हुई। बाद में पारसनाथ की पहाड़ियों और टुंडी क्षेत्र को उन्होंने अपने आंदोलन का केंद्र बनाया। टुंडी और आसपास के इलाकों में शिबू सोरेन ने सामूहिक खेती, पशुपालन और रात्रि पाठशालाओं की शुरुआत कर ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया। उस समय क्षेत्र में उनकी एक तरह की समानांतर सामाजिक व्यवस्था भी चलती थी, जहां स्थानीय विवादों का निपटारा किया जाता था। इन्हीं प्रयासों के कारण आदिवासी और मूलवासी समाज में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और वे दिशोम गुरु के नाम से पहचाने जाने लगे।

संक्षिप्त समाचार

नवविवाहिता ने की आत्महत्या

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जयनगर थाना अंतर्गत लतबेधवा गांव में एक नवविवाहिता ने फंदे से झूल अपनी जीवनलीला खत्म कर ली। मृतका की पहचान अमर सिंह की पत्नी 23 वर्षीय संजना कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संजना का विवाह चार माह पहले मरकच्चो निवासी अमर सिंह के साथ लव मैरिज हुई थी। यह शादी दोनों परिवारों की सहमति से हुआ था। शादी के बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था। पांच दिन पूर्व संजना अपने मायके लतबेधवा आई हुई थी।

अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। महेशपुर थाना क्षेत्र में हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा दुमका-डंगाल चौक स्थित मुख्य सड़क पर हुआ जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के तुरंत बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

सांप काटने से महिला की मौत

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम के मंझारी थाना अंतर्गत अंगारडीहा गांव में सर्पदंश से 49 वर्षीय बेलमाई सुंडी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात बेलमाई सुंडी अपने घर में सो रही थी तभी किसी विषैले सांप ने उन्हें काट लिया। घटना के कुछ ही देर बाद उनके पैर में तेज जलन और असहनीय दर्द शुरू हो गया। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल उपचार के लिए चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां मंगलवार तड़के करीब तीन बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रेन से गिरकर मजदूर की मौत

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र स्थित तुरियो पंचायत अंतर्गत लुपसाडीह गांव निवासी प्रवासी मजदूर विजय मुर्मू (38 वर्ष) की सोमवार रात मुरी रेलवे थाना क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पुलिस ने शव को रांची स्थित रिम्स के मोर्चरी हाउस में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को पैतृक गांव लाया जाएगा।

बच्चों और महिलाओं के लिए विकसित होंगे आधुनिक पार्क

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में वर्षों से अतिक्रमण और अवैध कब्जे की वजह से विकास की राह में बाधा बन रही सरकारी जमीनों को अब नई पहचान मिलने जा रही है। रांची नगर निगम ने पिछले कुछ महीनों में व्यापक अभियान चलाकर शहर के विभिन्न इलाकों में अपनी संपत्तियों की पहचान की है और बड़ी मात्रा में जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया है। निगम का दावा है कि इस कार्रवाई के दौरान कई एकड़ मूल्यवान सरकारी भूमि की रिकवरी की गई है जिस पर अब जनहित से जुड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। नगर निगम की ओर से लगभग 61 स्थलों को चिन्हित किया गया है जिनमें निगम की स्वामित्व वाली भूमि के अलावा गिफ्ट डीड के माध्यम से प्राप्त जमीनें भी शामिल हैं। इन जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के बाद निगम ने तेजी से बाउंड्री वॉल निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की संभावना समाप्त हो सके। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि जमीनों की पहचान और संरक्षण केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है बल्कि शहर के भविष्य को ध्यान में रखकर उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि खाली कराई गई जमीनों का उपयोग नागरिक सुविधाओं के विस्तार और बेहतर शहरी विकास के लिए किया जाएगा। नगर निगम की योजना के तहत कई खाली कराई गई जमीनों को आधुनिक पार्कों में बदला जाएगा। इन पार्कों को स्थानीय आबादी की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। बच्चों के लिए झूले, ओपन प्ले एरिया और खेल गतिविधियों की व्यवस्था होगी जबकि महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित वॉकिंग ट्रैक, बैठने की जगह और हरित क्षेत्र तैयार किए जाएंगे। निगम का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच लोगों को खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराना जरूरी है। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का अवसर भी मिलेगा। राजधानी की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित फुटपाथ कारोबार को ध्यान में रखते हुए निगम ने कई स्थानों पर वेंडर्स मार्केट विकसित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए मेन रोड, डोरंडा और दीपाटोली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में जमीन चिन्हित कर योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। मेन रोड क्षेत्र में आधुनिक मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रस्तावित है जबकि डोरंडा और दीपाटोली में व्यवस्थित वेंडर्स मार्केट विकसित किए जाएंगे। इन बाजारों के तैयार होने के बाद फुटपाथ दुकानदारों को स्थायी स्थान उपलब्ध कराया जाएगा जिससे सड़कों और फुटपाथों पर अनियंत्रित अतिक्रमण कम होगा और यातायात व्यवस्था भी सुचारू बनेगी।

वृद्ध की पीट-पीटकर हत्या

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले में एक वृद्ध की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। मृतक की पहचान 60 वर्षीय वासुदेव मंडल के रूप में हुई है। घटना डुमरी थाना इलाके के बड़कीबेरगी पंचायत अंतर्गत जन्मबेडा गांव की है जबकि मृतक डुमरी थाना इलाके के ससारखो पंचायत अंतर्गत बसगोहरा गांव का रहने वाला था। घटना मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे की बतायी जा रही है। मृतक के गांव के लोगों और परिजनों के अनुसार बासुदेव का ट्रैक्टर है। वह ट्रैक्टर चलवाने का काम करता था। हर सुबह लगभग 3 बजे वह घर से निकलता था और ड्राइवर लेकर आता था। मंगलवार की सुबह भी वह अपनी बाइक लेकर घर से निकला। कुछ घंटे के बाद यह सूचना मिली की बासुदेव की लाश जन्मबेडा में पड़ी हुई है। सूचना मिलने के बाद संबंधित थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच में जुट गयी है।

मनोहरपुर के खेत में किसान को मिला पुराना बम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोंपोखरी गांव स्थित मुंडा टोला में मंगलवार सुबह खेत की जुताई करने के दौरान भारी-भरकम पुराना विस्फोटक मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। बरामद किया गया विस्फोटक कोई साधारण बम नहीं बल्कि लगभग 2 फीट लंबा और करीब 30 किलोग्राम वजनी एक शक्तिशाली मोर्टार शेल है। इस सैन्य ग्रेड के गोले के मिलने से स्थानीय ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे शिवचरण महतो नामक एक ट्रैक्टर चालक गांव के ही विजय हैम्बरम के खेत में जुताई कर रहा था। इसी दौरान हल की कल्टीवेटर से टकराकर मिट्टी में दबा हुआ एक भारी और संदिग्ध लोहा बाहर निकल आया। ट्रैक्टर चालक ने अज्ञानता और नासमझी के कारण उसे कोई सामान्य वस्तु समझ लिया। उसने वहां मौजूद एक अन्य लड़के की मदद से उस भारी विस्फोटक गोले को उठाया और खेत के पास बने एक मकान के किनारे लाकर रख दिया। बाद में जब अन्य ग्रामीणों की नजर उस अजीबोगरीब वस्तु पर पड़ी तो उन्होंने उसे पहचान लिया कि यह एक शक्तिशाली बम का गोला है। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना मनोहरपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल फौरन मौके पर पहुंचा और संभावित खतरे को देखते हुए पूरे प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित कर दिया। इसके साथ ही बम को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को सूचित कर दिया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया सीधा संवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार के देवघर आगमन पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का स्वागत करते हुए जिले में निर्वाचन संबंधी तैयारियों की जानकारी भी साझा की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर जरूरी तैयारियां की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को देवघर जिले के मधुपुर प्रखंड में बूथ लेवल अधिकारियों एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए आयोजित विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने फील्ड स्तर के अधिकारियों से सीधा संवाद कर मतदाता सूची पुनरीक्षण और फॉर्म प्रोसेसिंग से जुड़ी उनकी सभी शंकाओं और तकनीकी समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट निपटारा किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम को वे दुमका में एसआईआर को लेकर आयोजित प्रमंडलीय बैठक में शामिल हुए और निर्वाचन कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भरत तिवारी मुठभेड़ मामले में दोषी पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। बिहार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी मंगलवार को झारखंड के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिके मंदिर, रजरप्पा पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने नारियल बलि अर्पित की और रक्षा सूत्र बंधवाकर मां का आशीर्वाद लिया। पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मां छिन्नमस्तिका के प्रति उनकी गहरी आस्था है। उनके पिता वर्ष 1984-85 में मंत्री थे तभी से उनका परिवार यहां आता रहा है। उन्होंने बताया कि मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद से वह प्रत्येक वर्ष एक-दो बार मां के दर्शन के लिए रजरप्पा आते रहे हैं। बिहार के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर

मामले पर अशोक चौधरी ने खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यह पूरे पुलिस विभाग की नहीं बल्कि एक-दो पुलिस अधिकारियों की गलती है। बिहार सरकार और पुलिस विभाग अपराध नियंत्रण के लिए बेहतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। बावजूद भरत तिवारी मामले में कई गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी को मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है लेकिन उसके सामाजिक कार्यों और गतिविधियों को देखने पर वह सामान्य व्यक्ति की तरह सक्रिय था। यदि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था तो पुलिस को उसे गिरफ्तार कर मेडिकल बोर्ड से जांच करानी चाहिए थी। जांच में विक्षिप्त पाए जाने पर उसे अस्पताल भेजा जाता और सामान्य होने पर कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल भेजा जाता। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों और जवानों को हर परिस्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाता है। ऐसे में सीधे गोली चलाना उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि इस मामले में संबंधित दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सरकार ने मामले की न्यायिक जांच के लिए हाईकोर्ट के न्यायाधीश से जांच कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जनता में जो आक्रोश है, वह स्वाभाविक है और जनप्रतिनिधि होने के नाते गलत को गलत कहना जरूरी है। वहीं बिहार से मजदूरों के पलायन के सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। रोजगार के नये अवसर सृजित कर पलायन की समस्या को कम करने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है।

विश्व ओलंपिक दिवस पर मैराथन दौड़ का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार के खेलकूद और युवा कार्य निदेशालय तथा रांची जिला खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विश्व ओलंपिक दिवस 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेलो इंडिया केंद्रों, आवासीय एवं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों तथा जेएसएसपीएस के सैकड़ों खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों में ओलंपिक मूल्यों, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। समारोह के मुख्य अतिथि 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व ओलंपियन मनोहर टोपनो थे। वहीं खेल उपनिदेशक निर्भय कुमार, रांची के जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह, डीआरडीए के परियोजना निदेशक ऋतुराज तथा जेएसएसपीएस की पुष्पा हांसदा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय झा ने किया। विश्व ओलंपिक दिवस के मौके पर आयोजित विशेष मैराथन दौड़ आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता

में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में ममता कुमारी ने पहला स्थान प्राप्त किया जबकि रितु कुमारी दूसरे और संजना कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं पुरुष वर्ग में भारतीय सेना के गुरु लाल सिंह विजेता बने। सेना के ही शारद अहीक ने दूसरा स्थान हासिल किया जबकि जानकी कुमार तीसरे स्थान पर रहे। कार्यक्रम का सबसे भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण वह रहा जब ओमान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारत के लिए कांस्य पदक जीतकर लौटीं झारखंड की चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। राजकीय आवासीय प्रशिक्षण केंद्र, बरियातू (रांची) की खिलाड़ी नीलम टोपनो, खोली कुमारी, सुगम सांगा और श्रुति कुमारी को उनकी उपलब्धि के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के साथ उनकी कोच करुणा पूर्ति को भी विशेष सम्मान दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनोहर टोपनो ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की धरती हॉकी प्रतिभा की खान है। उन्होंने कहा कि राज्य की बेटियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और भविष्य में ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर भी देश को गौरवान्वित करेंगी। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अनुशासन, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह को सफल बनाने में जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी सहित खेल विभाग के अधिकारियों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

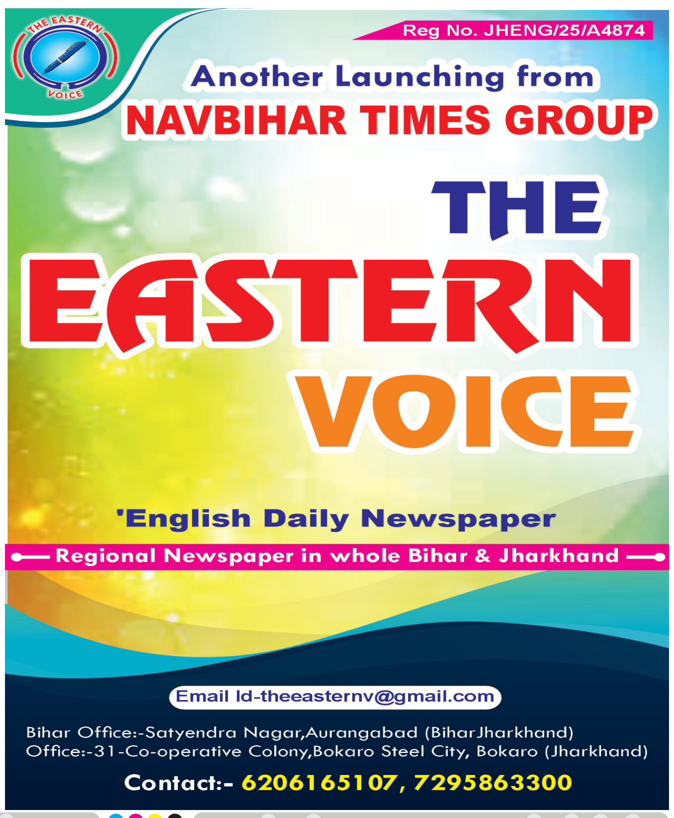

C M Y K

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के सफल, पारदर्शी और त्रुटिरहित संचालन को लेकर 28-धनवार विधानसभा क्षेत्र में तैयारियां तेज कर दी गई है। इसी क्रम में 30 जून से शुरू होने वाले गणना चरण (एनुमैरेशन फ़ेज) के मद्देनजर गावां, तिसरी और धनवार प्रखंड सभागारों में बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का चरणबद्ध प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। सोमवार को तिसरी प्रखंड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह खोरीमहुआ अनुमंडल पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो ने भाग लेकर प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन और विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि वे घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार का सत्यापन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। साथ ही मृत, अपात्र अथवा स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान कर सूची को त्रुटिरहित बनाया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सारिणी, गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण, पावती संधारण, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, ईसीनेट बीएलओ ऐप के उपयोग, पैरेंट्स मैपिंग एवं प्रोगेनी मैपिंग, प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन, क्यूर कोड स्कैनिंग, फोटो अपलोड, एएसडीडी सूची निर्माण एवं सत्यापन तथा प्रपत्र-6, 7 और 8 के निष्पादन संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया एसडीओ खलखो ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता काफी हद तक बीएलओ के कार्यों पर निर्भर करती है। इसलिए सभी कर्मी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रत्येक परिवार तक पहुंच सुनिश्चित करें और निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।उन्होंने बताया कि गावां और धनवार प्रखंड सभागारों में भी 23 जून को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के प्रभावी संचालन एवं अनुश्रवण के लिए संबंधित अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

औचक निरीक्षण में एक्शन मोड में दिखे नगर आयुक्त

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गिरिडीह नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त बिजय सिंह बिरुआ मंगलवार को बिना किसी पूर्व सूचना के नगर निगम कार्यालय पहुंच गए और सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से निगम कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कार्यालय परिसर के चबूतरे पर बैठकर साफ-सफाई व्यवस्था और कर्मियों की कार्यशैली का जायजा लिया नगर आयुक्त ने सबसे पहले सफाई कर्मियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा सफाई कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नागरिक सुविधाओं और स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि बिजय सिंह बिरुआ ने 19 जून 2026 को गिरिडीह नगर निगम के नगर आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया है।

हजारीबाग में अपराधियों पर सख्ती, मई में 49 दोषियों को मिली सजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस के प्रभावी अनुसंधान और न्यायालय में मजबूत पैरवी के परिणामस्वरूप मई 2026 के दौरान विभिन्न मामलों में 49 दोषियों को सजा सुनाई गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार माननीय न्यायालय, हजारीबाग ने 17 अलग-अलग कांडों में दोषियों को दंडित किया। मुफस्सिल थाना कांड संख्या 132/19 में एक अभियुक्त को 10 वर्ष के कारावास के साथ एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं विष्णुगढ़ थाना कांड संख्या 27/10 के हत्या मामले में तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। पॉक्सो से संबंधित मामलों में तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा मिली, जबकि दुष्कर्म के एक मामले में एक अभियुक्त को सात वर्ष के कारावास का दंड दिया गया। इसके अलावा दहेज उत्पीड़न के चार मामलों में कुल आठ व्यक्तियों को सजा सुनाई गई, जिनमें तीन को तीन वर्ष और पांच को दो वर्ष के कारावास की सजा मिली। अन्य विभिन्न मामलों में कुल 33 दोषियों को भी न्यायालय द्वारा दंडित किया गया। हजारीबाग पुलिस ने इसे अपराध नियंत्रण एवं दोषसिद्धि दर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

जनता दरबार में 150 से अधिक मामलों की हुई सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में सोमवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले भर से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से आए 150 से अधिक फरियादियों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं इस दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, पेयजल, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत विभिन्न जनहित से जुड़े मामलों पर सुनवाई की गई। उपायुक्त ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर संबंधित लोगों को राहत प्रदान की, जबकि अन्य मामलों को आवश्यक जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को सौंपते हुए त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों पर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा मामलों का समयबद्ध निष्पादन करें उन्होंने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी मंच है, जिसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सभी मामलों की नियमित समीक्षा करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हो सके जनता दरबार में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। स्टेशन रोड स्थित भाजपा नगर कार्यालय में मंगलवार को भाजपा नगर अध्यक्ष जयशंकर सिन्हा सिंकु की अध्यक्षता में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान राष्ट्रवादी चिंतक एवं प्रखर देशभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए की गई। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्रवाद, अखंड भारत और राष्ट्रीय एकता के विचारों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। राष्ट्रहित में दिया गया उनका बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए उनके संघर्ष और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी गतिविधियों एवं भावी रणनीति को लेकर भी बैठक आयोजित की गई, जिसमें पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने पर चर्चा हुई मौके पर प्रथम मेयर सुनील पासवान, पूर्व डिप्टी मेयर प्रकाश सेठ, जिला महामंत्री संदीप डांगेच, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता कुमारी, देवराज, राजेश जायसवाल, सुरेश मंडल, महेश राम, विनय सिंह, मनोज संघई, अमित आर्या, सुधीर यादव, नीतू शोला, गुड़िया देवी, अजय कुमार सेठ, अमर शर्मा, टिंकू सिन्हा, संतोष भारती, नीलू सिन्हा, संतोष गुप्ता, दीपक कुमार उजाला, रवि सागर, अरुण गुप्ता, अनिल बरनवाल, बबली साव, उमाशंकर प्रसाद, अमरदीप शर्मा, सुनील रजक, विकास कुमार गुप्ता, पवन कुमार, सुरेश गुप्ता, किरण देवी, पम्मी देवी, सुमन देवी, रामबाबू, मुन्नी देवी, संजय कुमार शर्मा, रूपा देवी, शकुनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने 73वें बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरही (हजारीबाग)। धनबाद रोड स्थित भाजपा कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 73वां बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि के साथ की गई। जिसमें उपस्थित लोगों ने उनके योगदान को याद कर नमन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही मजबूत और समृद्ध भारत का निर्माण किया जा सकता है। मौके पर बरही पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव, मंडल उपाध्यक्ष नवल किशोर सिंह, विपीन सिन्हा, मंडल महामंत्री मनोज उपाध्याय, दिनेश साव, सागर चंद्रवंशी, मनोज साव, धर्मेंद्र यादव, ब्रजेश ठाकुर, दिलीप शर्मा, महेश दास, राजकुमार दास आदि थे।

मुहर्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आगामी मुहर्रम पर्व को देखते हुए शहर की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से नगर थाना पुलिस ने सर्राफा व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन, संचालन एवं उनकी कार्यक्षमता की समीक्षा की गई बैठक की अध्यक्षता नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रतन सिंह ने की। उन्होंने कहा कि हाल ही में पुलिस पदाधिकारियों के संपर्क नंबर वाले पोस्टर विभिन्न प्रतिष्ठानों में लगाए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में व्यवसायी तत्काल पुलिस से संपर्क कर सकें। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कई प्रतिष्ठानों में या तो सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं अथवा कैमरों का एंगल सही नहीं है। साथ ही कई स्थानों पर कैमरों की नियमित जांच भी नहीं की जा रही है थाना प्रभारी ने व्यवसायियों को निर्देश दिया कि वे अपने प्रतिष्ठानों के अंदर और बाहर दोनों ओर सीसीटीवी कैमरे उचित एंगल पर लगाएं तथा यह सुनिश्चित करें कि कैमरे सुचारू रूप से कार्य कर रहे हों। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के दौरान मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों की गतिविधियों की निगरानी के लिए कैमरों का सही दिशा में होना आवश्यक है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर फुटेज कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायक साबित हो सके।

अफवाह फैलाने वाले और असामाजिक तत्वों पर रहेगी कड़ी नजर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। जिले में मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्वक तथा भाइचारे के साथ मनाने को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी तथा आरक्षी अधीक्षक परिचय कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला एवं प्रखंडस्तरीय जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं मोहर्रम कमिटि के सदस्यों के साथ शांति समिति के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आपसी भाईचारा एवं गंगा जमुना तहजीब के साथ पर्व मनाने एवं पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। सदस्यों से अपने सुझाव तथा पूर्व वर्ष का फीडबैक से लिया गया। महापौर उषा देवी अग्रवाल के द्वारा भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कटिहार जिला में शांतिपूर्ण एवं भाइचारे के साथ मोहर्रम मनाये जाने का आश्वासन दिया एवं जिला प्रशासन को हर सम्भव सहयोग करने का भी आश्वासन दिया। वहीं उप महापौर मंजुर खान ने कहा कि पूर्व वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मुहर्रम आपसी भाईचारा, गंगा जमुना तहजीब एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जायेगा। एसपी परिचय कुमार ने पर्व पर विधि व्यवस्था के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त की। इस क्रम में उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर लिया जाय। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्रों में शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम संपन्न कराने हेतु प्रशासन को हर संभव मदद करने का अनुरोध किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस वर्ष दिनांक 26 जून तक मुस्लिम सामुदाय का मुहर्रम का त्यौहार मनाया जाएगा। इस अवसर पर ताजिया निकालने एवं कर्बला में खेलने की परम्परा होती है। इसलिए कोई भी स्थान पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए सभी पदाधिकारी व दंडाधिकारी जिला के महत्वपूर्ण स्थान, दो सम्प्रदाय की मिली-जुली आबादी वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील, अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं सतर्कता बरतेंगे। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को पर्व के अवसर पर साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने तथा अफवाह फैलाने वाले तत्वों, संस्थाओं, असामाजिक तत्वों एवं गुण्डा तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निदेश दिया। साथ ही सभी स्थानीय थानाध्यक्ष एवं प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं दण्डाधिकारी अपने क्षेत्रों के सभी प्रकार की गतिविधियों के संबंध में सूचना एकत्र कर वरीय पदाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न स्थलों पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी,पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल, लाठी बल को अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर ससमय उपस्थित रहने का निदेश दिया गया।

पूर्णाहुति के साथ हरिनाम संकीर्तन संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डंडखोरा/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के रायपुर पंचायत के नवादा चौक पर आयोजित चौबीस प्रहरीय रामनाम संकीर्तन का सफल आयोजन किया गया। मुखिया आलोक चौहान के नेतृत्व ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम क्षेत्र के लिए मिशाल साबित हुआ। कार्यक्रम स्थल की सजावट, परिसर की स्वच्छता एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था बनाये रखने में आयोजन समिति की ओर से हरसंभव प्रयास किया गया था। इस चार दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ जिसमें सैकड़ों की संख्या में शामिल महिलाएं जोला घाट में कलश भर कर घंटों नगर भ्रमण करते हुए यज्ञस्थल पर पहुंची। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना के बाद अगले सुबह लगभग दो दर्जन देवी-देवताओं की प्रतिमा का पूजन कर कीर्तन मंडलियों द्वारा हरिनाम संकीर्तन तथा वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा हवन का कार्यक्रम 72 घंटे तक निरंतर चलता रहा। हवनकुंड में पूर्णाहुति देने के बाद श्रद्धालुओं ने नम ऑखों से प्रतिमाओं का जल-प्रवाह किया गया। इस दौरान पूरे गांव सहित आसपास का वातावरण भक्तिमय रहा।ग्रामीणों की ओर से सामिष भोजन का परित्याग कर रखा था।वहीं आयोजकों द्वारा लंगर की व्यवस्था की गई थी। रात में रासलीला का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर मेला का भी आयोजन किया गया था। समसी मालदह से आई महिला कीर्तनं मंडली इस आयोजन का मुख्य केन्द्र बनी रही। उसके प्रदर्शन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती थी।

पंस की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समेली /कटिहार। प्रखंड मुख्यालय सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति की प्रमुख अनुकंपा कुमारी ने की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, स्वच्छता, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि, पशुपालन एवं अन्य विकास योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखते हुए उनके त्वरित समाधान की मांग की। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी तथा संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं नियमित निगरानी आवश्यक है। इस अवसर पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मोहम्मद हाशिम, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अनामिका कुमारी, प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विमल कुमार, सीडीपीओ कुमारी स्नेहलता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी भानु भवेश आदि उपस्थित थे।

एक नजर

कलश शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

फलक/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के पिरमोकाम पंचायत स्थित वार्ड संख्या-9 चंदवा गांव में मंगलवार को नवनिर्मित शिव मंदिर की प्राण- प्रतिष्ठा को लेकर भक्ति का माहौल छा गया।इस पावन अवसर पर 1001 कुंवारी कन्याओं और महिलाओं के द्वारा एक भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा का शुभारंभ अमरू सिंह के कामत से हुआ,जहाँ पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कुएं से जल भरकर किया गया। इसके बाद कलश यात्रा नाकी नहर से चोचला होते हुए स्टेट हाईवे-77 के रास्ते पूरे चंदवा गांव का भ्रमण कर मंदिर परिसर पहुंच कर संपन्न हुआ।शोभा यात्रा के दौरान 'हर-हर महादेव' के जयकारे और भक्ति गीतों से पूरा परिक्षेत्र गुंजायमान रहा।प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूल-माला और आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। शोभा यात्रा में शामिल कुंवारी कन्या एवं महिलाओं को इस तपती धूप व भीषण गर्मी में किसी प्रकार का कठिनाई न हो इसका आयोजनकर्ता के द्वारा विशेष ध्यान रखा जा रहा था।साथ ही जगह- जगह शुद्ध पेयजल एवं शरबत की व्यवस्था की गई था। ग्रामीणों ने बताया कि यह भव्य और आकर्षक मंदिर दिवंगत विजय कुमार सिंह एवं उनकी पत्नी दिवंगत सियावती देवी की स्मृति में बनवाया गया है। उनके भतीजे जयंत कुमार सिंह ने अपनी निजी भूमि पर और निजी कोष से इस मंदिर का निर्माण करवाकर समाज को समर्पित किया है।इस धार्मिक अनुष्ठान और कलश शोभायात्रा में मुख्य रूप से कोढ़ा विधायक कविता पासवान,समिति सदस्य सतीश मंडल, पूर्व मुखिया अनंत सिंह उर्फ टिमहा सिंह, शंकर सिंह, पंकज सिंह, स्वेत कुमार सिंह, अनुज कुमार मंडल, हरेराम सिंह, पाली सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बारसोई बुनियाद केंद्र में ई-ट्राइसाइकिल का वितरण

बारसोई/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बारसोई स्थित बुनियाद केंद्र में मंगलवार को दिव्यांगजनों के बीच इलेक्ट्रॉनिक ट्राइसाइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 18 लाभुकों को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जानी है, जिसमें प्रथम चरण में 10 दिव्यांगजनों के बीच ट्राइसाइकिल का वितरण विधायक प्रतिनिधि सागर साह, विधायक के निज सहायक रोहन महतो तथा अब्दुल वदूद ने किया। कार्यक्रम के दौरान बुनियाद केंद्र की बदहाल व्यवस्था को देखकर विधायक प्रतिनिधि सागर साह नाराज हो गए। नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण गर्मी और कड़ी धूप के बावजूद दिव्यांगजनों के बैठने के लिए न तो शेड की व्यवस्था थी और न ही पेयजल की समुचित सुविधा उपलब्ध थी। दूर-दराज से पहुंचे कई दिव्यांगजन खुले आसमान के नीचे धूप में बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। मौके पर उपस्थित लोगों ने शिकायत करते हुए बताया कि बुनियाद केंद्र में चिकित्सक नियमित रूप से उपलब्ध नहीं रहते हैं। लोगों का आरोप था कि दो स्थानों पर ड्यूटी होने का हवाला देकर चिकित्सक अक्सर केंद्र से अनुपस्थित रहते हैं, जिससे दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सा एवं परामर्श सेवाओं का लाभ नहीं मिल पाता।

नवीन तकनीक अपनाकर किसान होंगे सशक्त

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर के कुलपति डॉ दुनिया राम सिंह मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र कटिहार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न प्रशिक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण, किसानों के खेत पर परिक्षण, खेत बचाओ अभियान एवं संतुलित उर्वरक कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी ली। केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. मृणाल वर्मा द्वारा कुलपति को विस्तार से जानकारी दी गई। केंद्र में नव स्थापित सामुदायिक रेडियो स्टेशन का भी निरीक्षण कुलपति के द्वारा किया गया। सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा किसानों के लिए कृषि से जुड़ी समसामयिक जानकारी का प्रसारण किया जाता है जिसकी सराहना कुलपति द्वारा की गयी। आगामी 27-28 जून को बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर में आयोजित होने वाले आम समागम कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु रेडियो द्वारा जिंगल प्रसारित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के क्रिया कलापों पर कुलपति ने संतोष जताया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुशील कुमार पाठक, निदेशक प्रशासन डॉ. राजेश कुमार, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. श्वेता शाम्भवी उपस्थित रहे।

निर्धारित अवधि में लक्ष्य की करें प्राप्ति : डीएम

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। समाहरणालय स्थित सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजित किया गया। जिसमें सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी विकासात्मक योजनाओं के लिए प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि, शत - प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु तैयार की गई कार्य योजना विभिन्न योजना से किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने क्रमवार आपूर्ति, पंचायतीराज आइसीडीएस, सहकारिता, शिक्षा, कल्याण,अल्पसंख्यक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, पशुपालन, पीएचईडी, नगर निगम,मत्स्य आदि विभाग एवं आपदा प्रबंधन, बैंकिग आदि प्रशाखा के पदाधिकारियों से महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान डीएम ने निलाम पत्र पदाधिकारी को वर्ष 2005 से पूर्व के मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन करने का निर्देश दिया तो वहीं बैंकिग प्रशाखा को फार्म 09 एवं 10 का मिलान नहीं करने वाले बैंकों से रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निदेश दिया। सभी अंचलाधिकारियों को सम्पूर्ति पोर्टल पर तेजी से डाटा इंट्री कराने का निदेश दिया। जिला पदाधिकारी ने सहकारिता विभाग धान अधिप्राप्ति,सीएमआर, सीडब्ल्यूजेसी लेकर भी निर्देश दिया। बैठक में नगर आयुक्त संतोष कुमार, अपर समाहर्ता डॉ. बिनोद कुमार, उपविकास आयुक्त अमित कुमार, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन कुमार धनंजय ,जिला पंचायती राज पदाधिकारी योगेन्द्र प्रसाद, वरीय उपसमाहर्ता सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अभिषेक रंजन, उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा यशस्वी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

नेहावर्धन बनी राजस्व अधिकारी

समेली /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। 70 वीं बीपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल कर समेली प्रखंड के मल्हरिया पंचायत के खोटा गांव के किसान विपिन कुमार यादव एवं अनुपम देवी की पुत्री नेहा वर्धन ने पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। अपने तीसरे प्रयास में राजस्व अधिकारी बनने वाली नेहा ने बताया कि उन्होंने अपने गांव खोटा में घर पर रहकर ही ईमानदारी और लगन के साथ मेहनत की अपने पिता तथा परिवार के सदस्यों का संपूर्ण सहयोग उन्हें मिला। जिससे वो आज इस सफलता के मुकाम तक पहुंच सकी अपने क्षेत्र के छात्रों को उन्होंने संदेश दिया कि घर में रहकर भी अगर पूर्ण ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ प्रयास किया जाए तो सफलता मिल सकती है। अपने दादा स्व. नीर नारायण यादव जो पेशकार थे। उन्हें अपनी प्रेरणाश्रोत मान कर घर से ही बीपीएससी की तैयारी शुरू की नेहा ने बताया कि जब उनके दादा जी के पदोन्नति के लिए पूरे बिहार में पेन डाउन हुआ था तो इस घटना ने उन्हें ऑफिसर बनने के लिए प्रेरित किया। अपने पिता और परिवार के सदस्यों के भरपूर सहयोग को भी उन्होंने सफलता का बड़ा हिस्सा बताया। उनकी इस सफलता से पूरे प्रखण्ड क्षेत्र से बधाई संदेश मिल रहे है उनके शिक्षक बुद्धदेव मंडल, मुकेश पासवान, राजेश कुमार सहित बरारी नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद अमन कुमार उनके साथ तैयारी करने वाली साथी श्वेता कुमारी, कोमल कुमारी, रानी कुमारी, मनू कुमारी ने भी उनके आवास पर पहुंच कर उन्हें मिठाई खिला कर शुभकामना दिया ।छोटे भाई राज वर्धन और अंजली वर्धन ने भी अपनी बड़ी बहन की सफलता को अपने लिए प्रेरणाश्रोत बताया। अमन कुमार ने नेहा की सफलता को संविधान के महत्व से जोड़ते को हुवे कहा कि डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर साहब द्वारा रचित संविधान ने महिलाओं को चाहे वो किसी धर्म जाति को हो उन्हें पढ़ने-लिखने का अधिकार दिया जिसका प्रतिफल आज दूरस्थ गांव की बेटियां भी बड़े-बड़े पदों पर जा रही हैं अधिकारी बन रही है।

भ्रूण लिंग परीक्षण से जुड़े मामलों की जांच कर कार्रवाई के दिए गए निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त, मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में पीसी एंड पीएनडीटी एवं क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित समिति के सदस्य एवं चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा उपस्थित सदस्यों को पीसी एंड पीएनडीटी एवं क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले में पीसी एंड पीएनडीटीएक्ट के तहत कुल 10 अल्ट्रासाउंड क्लीनिक पीएनडीटी के तहत संचालित है, जिसमें 1 अल्ट्रासाउंड क्लीनिक संचालन के रिन्यूअल हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। जिसे बैठक में उपायुक्त द्वारा रिन्यूअल की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एक्ट के तहत सभी गाइडलाइंस का अनुपालन सुनिश्चित करना समिति के सदस्यों का उत्तरदायित्व है। वहीं जिला एवं प्रखंड स्तर पर पदाधिकारियों की जांच टीम का गठन कर नियमित रूप से छापेमारी करने के निर्देश दिए गए। सभी सदस्यों को उनके भूमिका एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उपायुक्त ने कहा कि अल्ट्रासाउंड क्लीनिक एवं क्लीनिक के संचालन हेतु सभी अधिनियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, ताकि भ्रूण लिंग परीक्षण जैसी कुप्रथाओं पर अंकुश लगाया जा सके एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित हो सके। क्लीनिक में चिकित्सक होना अनिवार्य है। जिससे मरीजों को समस्या न हो। एक्ट के सम्पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने, जनजागरूकता बढ़ाने एवं आवश्यकता अनुसार ससमय छापेमारी करने पर बल दिया गया। आयुष्मान चिकित्सा पदाधिकारी को अपने स्तर जाँच के निर्देश दिए गए। साथ ही हाट बाजार में इलाज कर रहे झोलाछाप चिकित्सक को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में सदस्यों के रूप में सिविल सर्जन, चिकित्सक, अधिवक्ता, समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

डैम निरीक्षण के बाद एक्शन में नगर निगम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। शहर में बेहतर जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर नगर निगम ने पहल तेज कर दी है। छड़वा डैम के निरीक्षण के बाद हजारीबाग महापौर अरविन्द कुमार राणा और नगर निगम आयुक्त ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा उठाव और जलापूर्ति से संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्था में सुधार लाने पर जोर दिया गया। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि शहरवासियों को नियमित एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए जलापूर्ति तंत्र की लगातार निगरानी की जा रही है। डैम के गेटों की मरम्मत और अन्य तकनीकी समस्याओं के समाधान की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। छडवा डैम निरीक्षण के दौरान महापौर अरविन्द कुमार राणा और नगर आयुक्त सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। कचरा संग्रहण और उसके निष्पादन की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि शहर के सभी वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा कहीं भी कचरे का जमाव नहीं होने दिया जाए। नगर निगम की ओर से बताया गया कि अमृत योजना के तहत संचालित जलापूर्ति परियोजनाओं की भी समीक्षा की जा रही है। उद्देश्य यह है कि शहर के प्रत्येक घर तक पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल पहुंच सके। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लगातार निरीक्षण एवं निगरानी अभियान जारी रहेगा।

एक नजर

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला : रामनिवास

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के तहत जिले में त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, विश्वसनीय एवं अद्यतन बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनी रहे। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप घर-घर सत्यापन अभियान, नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं का सत्यापन करने तथा एएसडीडी (एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड & डुप्लीकेट) श्रेणी के मतदाताओं की पहचान एवं सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर निष्पक्षता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो सके तथा अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जा सके उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं विश्वसनीय मतदाता सूची ही निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनावों की गारंटी है। जिला प्रशासन इस दिशा में पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है, जिससे जिले में निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बन सके।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार से मिले गिरिडीह युवा कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहम्मद सोहेल ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस के युवा नेता एवं एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान झारखंड की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की भागीदारी तथा गिरिडीह में युवा कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।मुलाकात के दौरान मोहम्मद सोहेल ने कन्हैया कुमार को झारखंड में कांग्रेस की संगठनात्मक गतिविधियों, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा युवाओं के बीच पार्टी के बढ़ते प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने गिरिडीह जिले में युवा कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियानों और युवाओं को संगठन से जोड़ने के प्रयासों से भी अवगत कराया कन्हैया कुमार ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन की मजबूती के लिए युवाओं की सहभागिता और जनसंपर्क अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे यह मुलाकात आगामी दिनों में झारखंड, विशेषकर गिरिडीह जिले में कांग्रेस संगठन के विस्तार और युवा नेतृत्व को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मकतपुर उच्च विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को मकतपुर उच्च विद्यालय, गिरिडीह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर ने किया कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया अपने संबोधन में नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनका स्वस्थ एवं जागरूक होना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि परिवार और समाज की प्रगति में भी बाधक बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। साथ ही नशे के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाने और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने बताया कि जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण करना है।

प्रशिक्षण के माध्यम से सहकारिता पदाधिकारियों की कार्यक्षमता, तकनीकी दक्षता में होगी वृद्धि

क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। खूंटी प्रखंड के फूदी स्थित सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र में झारखंड राज्य के सभी जिलों के जिला सहकारिता पदाधिकारियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ निबंधक सहयोग समितियां, झारखंड शशि रंजन, उपायुक्त खूंटी मो० जावेद हुसैन एवं उप विकास आयुक्त खूंटी प्रवीन कुमार प्रकाश द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिला सहकारिता पदाधिकारियों की कार्यक्षमता, तकनीकी दक्षता एवं समन्वय क्षमता में वृद्धि करना है, ताकि सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन एवं अनुश्रवण सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के आधुनिकीकरण, डिजिटलीकरण एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नाबार्ड एवं बर्ड, कोलकाता के विशेषज्ञों द्वारा कंप्यूटरीकरण ऑफ एमपीसीएस, इमर्जिंग इश्यूज इन एमपीसीएस, डिजिटाइजेशन, ऑडिट एंड सिस्टम स्ट्रेंथनिंग, गवर्नमेंट इनिशिएटिव्स, ग्रेन स्टोरेज प्रोग्राम, सक्सेसफुल पैक्स मॉडल, पैक्स मल्टी सर्विस सेंटर सहित अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहकारी समितियों को तकनीक आधारित सेवाओं से जोड़ने, पैक्स को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने, भंडारण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने संबंधी विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न सहकारिता संबंधी पहलों और सफल मॉडलों से अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र, रांची राकेश कुमार सिंह, नाबार्ड के डीजीएम सुशील कुमार सिंह, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, खूंटी शिवानी रौशन तथा राज्य के विभिन्न जिलों से आए जिला सहकारिता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पलामू जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में बूथ लेवल ऑफिसर एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सदर प्रखंड कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा प्रशिक्षण की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों से संवाद कर प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारियों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का एकमात्र उद्देश्य है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे तथा कोई भी अयोग्य व्यक्ति मतदाता सूची में दर्ज न हो। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने बताया कि आगामी 30 जून से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण किया जाएगा। इसके पूर्व सभी बीएलओ को फॉर्म भरने की प्रक्रिया, मतदाताओं से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने तथा पूर्व की मतदाता सूची से मतदाताओं की मैपिंग करने संबंधी सभी पहलुओं की पूरी जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित बीएलओ घर-घर सत्यापन के दौरान मतदाताओं के बीच फैली किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा गलत जानकारी को प्रभावी ढंग से दूर कर सकेंगे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं का नाम पूर्व की एसआईआर मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही पूर्व में दर्ज विवरण उनके पुत्र-पुत्रियों के लिए अभिभावक प्रमाण के रूप में भी मान्य होगा। उन्होंने कहा कि इससे पात्र मतदाताओं को अनावश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया से राहत मिलेगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने मैपिंग प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि मतदाताओं द्वारा गलत जानकारी देकर मैपिंग कराने की स्थिति से बचना होगा। ऐसी स्थिति में संबंधित मतदाता विसंगति (एनोमलीज) की श्रेणी में चिन्हित किए जा सकते हैं। इसके बाद उन्हें अनमैप्ड मतदाताओं के समान नोटिस, सुनवाई एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

नगर आयुक्त रंजीत कुमार लाल ने प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय से की शिष्टाचार मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर, (पलामू)। मेदिनीनगर, नगर आयुक्त रंजीत कुमार लाल ने प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर नगर प्रशासन एवं शहरी विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर संक्षिप्त चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान नगर क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति तथा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। आयुक्त ने नगर प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने पर बल दिया, नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर आयुक्त के सचिव रोहित सिन्हा भी उपस्थित थे। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस दौरान आयुक्त ने प्रशासनिक समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित आयोजन को लेकर उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति एवं विधि-व्यवस्था की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार भी शामिल रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आपसी एकता, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव के साथ मुहर्रम पर्व मनानी है। उन्होंने सभी समुदायों से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन एवं आत्मसंयम के साथ मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा आमजन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उपायुक्त ने छड़वा डैम में लगने वाले मेले सहित अन्य संवेदनशील स्थलों पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक तैयारियां करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी दंडाधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्ति अवधि में पूर्ण सतर्कता बरतने तथा जिला नियंत्रण कक्ष से सतत संपर्क बनाए रखने को कहा। उपायुक्त ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल गठित करने का निर्देश देते हुए कहा कि आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो, शॉर्ट्स एवं फोटो पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही प्री-रिकॉर्डेड भड़काऊ गीतों एवं डीजे के प्रयोग पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक विद्वेष फैलाने अथवा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की सुसंगत धाराओं के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने सभी से सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक एवं भड़काऊ सामग्री पोस्ट या साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया की निगरानी के लिए साइबर थाना को सक्रिय कर दिया गया है। निर्धारित मार्ग एवं समय पर जुलूस निकालने, आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देने का आग्रह किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को अंचल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भौतिक सत्यापन करने, पीसीआर वाहनों में आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने तथा किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध बीएनएस की धारा 107 एवं 126 के तहत कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में सभी अखाड़ाधारियों को अपने-अपने तजिया की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। शांति समिति के सदस्यों ने भी शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का भरोसा दिलाया तथा सदस्यों ने विभिन्न प्रखंडों से संबंधित जुलूस मार्गों की समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया, जिस पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। विद्युत विभाग को झूलते तारों को दुरुस्त करने एवं जिला नियंत्रण कक्ष में सक्षम पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने, नगर आयुक्त को पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को विभिन्न जुलूस मार्गों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर पलामू में मैराथन दौड़ का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किया नेतृत्व, मंगलवार सुबह पलामू जिला प्रशासन द्वारा पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ का शुभारंभ जिला समाहरणालय परिसर, पलामू से हुआ तथा इसका समापन जीएलए कॉलेज मैदान, मेदिनीनगर में किया गया। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत स्वयं दौड़ में शामिल हुए और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। दौड़ में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कर्मियों, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं तथा खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य खेल, स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा ओलंपिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना था। इस वर्ष ओलंपिक दिवस का वैश्विक संदेश यू कैन दीस, लेट्स मूव रखा गया है, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। दौड़ के समापन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को

सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम से लेकर दसवें स्थान तक आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने उपस्थित प्रतिभागियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में सफलता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अनुशासन, समर्पण और जुनून के मूल सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। यही गुण किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आधारशिला हैं। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उपायुक्त ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निर्देशानुसार जिला खेल विभाग खूंटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एक दिवसीय प्रतियोगिता के तहत मैराथन, साइकिलिंग, हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया एवं उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण के माध्यम से प्रतियोगिता के उद्देश्य एवं विभिन्न खेल गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। अपने संबोधन में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने सभी खिलाड़ियों एवं जिलेवासियों को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वर्तमान समय में खिलाड़ियों की मेहनत और सुनियोजित तैयारी के साथ-साथ तकनीक का बेहतर उपयोग भी आवश्यक है, जिससे उनके प्रदर्शन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि खूंटी जिले में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में जिले के अधिकाधिक खिलाड़ियों का चयन ओलंपिक में होगा और वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में खूंटी जिला स्पोर्ट्स हब के साथ-साथ ओलंपिक हब के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने बालिका वर्ग की हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हॉकी स्टिक से गेंद को हिट कर आधिकारिक रूप से हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। आयोजित प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली एवं ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

हुसैनाबाद विधायक ने किया दंगवार उच्च विद्यालय के भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास

हुसैनाबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड शिक्षा परियोजना, पलामू के अंतर्गत हुसैनाबाद प्रखंड के दंगवार स्थित हाई स्कूल के नए विद्यालय भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास सोमवार को हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है । नए भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आधुनिक एवं सुविधायुक्त विद्यालय भवन आवश्यक है। नए भवन के निर्माण से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विद्यालय भवन का निर्माण लगभग एक करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।उन्होंने कहा कि विद्यालय के भवन निर्माण के उपरांत चारदीवारी का भी निर्माण कराया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विद्यालय भवन निर्माण की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/34, दिनांकः 22.06.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, फेयरली प्लेस, दूसरी मंजिल, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता–700001 के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। **तालिका–कः क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि** निम्नानुसार हैंः **(1) 20265026;** एसी 3 फेज मोटर कोच के लिए 1300 केवीए सिंगल फेज ईएमयू ट्रांसफॉर्मर; रु. 1,89,040; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 17.07.2026, 13.30 बजे **(2) 20265017;** मोटर के साथ ईएलजीआई कम्प्रेसर मॉडल आरआर 15070; रु. 1,10,850; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 15.07.2026, 13.30 बजे; **(3) 10262468;** विंड स्क्रीन वाइपर असेंबली; रु. 9,64,330; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 13.07.2026, 13.30 बजे; **(4) 10265007;** डब्ल्यूएपी–4 के लिए ट्रांसफॉर्मर मेन 5400 केवीए का क्रय आदि; रु. 2,44,830; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 07.07.2026, 13.30 बजे; **(5) 11251044ए;** 20 टी एक्सल बोगियों के लिए पैकिंग रिंग का क्रय आदि.; रु. 2,73,880; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 08.07.2026, 13.30 बजे; **(6) 08261615;** 6वी, 120 एएच क्षमता की वीआरएलए बैटरी का क्रय आदि; रु. 20,00,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 31.07.2026, 13.30 बजे; **(7) 08261025;** हिटाची ट्रैक्शन आर्मेचर का टेफ्लॉन रिंग; रु. 1,06,670; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 06.07.2026, 13.30 बजे; **(8) 10262283;** पी7/जी9 लोको के लिए सेकंडरी स्प्रिंग; रु. 1,40,380; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 15.07.2026, 13.30 बजे; **(9) 10262143;** मॉडिफाइड काउ कैचर; रु. 1,02,490; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 30.07.2026, 13.30 बजे; **(10) 10262562;** प्राइमरी सस्पेंशन स्प्रिंग; रु. 1,13,060; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 20.07.2026, 13.30 बजे; **(11) 08261114;** ट्रैक्शन मोटर टाइप 253 के लिए कार्बन ब्रश का क्रय आदि.; रु. 3,91,620; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 17.07.2026, 13.30 बजे; **(12) 20263123;** एलईडी फिटिंग टाइप–एस, 18 वाट; रु. 1,47,240; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 16.07.2026, 13.30 बजे; **(13) 20261082;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए योक; रु. 3,48,740; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 08.07.2026, 13.30 बजे; **(14) 20265019;** 25 केवी एसी ईएमयू के लिए मेन सिलिकॉन रेक्टिफायर; रु. 3,65,800; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 14.07.2026, 13.30 बजे; **(15) 20261085;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए फॉर्क आई (सब–असेंबली); रु. 2,46,090; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 08.07.2026, 13.30 बजे;**(16) 20261079;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए रबर स्प्रिंग प्लेट; रु. 5,14,220; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 09.07.2026, 13.30 बजे; **(17) 10262391;** पी7 लोको के लिए एक्सल डैंपर;₹रु. 2,06,650; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.07.2026, 13.30 बजे; **(18) 22261371;** इंज. इंसुलिन डेग्लुडेक 70% (आर–डीएनए–ओरिजिन) + इंसुलिन एस्पार्ट 30% (आर–डीएनए–ओरिजिन) 100 यूनिट/मिली – 3 मिली कार्ट्रिज। (प्रति 20 कार्ट्रिज के साथ एक पेन और 20 नीडल मुफ़्त) (आइटम कोड एम150403) स्पेसिफिकेशन आइटम कोड एम150403 के अनुसार; रु. 1,21,980; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 16.07.2026, 13.30 बजे; **(19) 11252639बी;** सैनरोक हेतु इलेक्ट्रॉनिक वॉइस मैसेज साउंडर का क्रय आदि; रु. 1,03,490; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 14.07.2026, 13.30 बजे; **(20) 11262649;** वीईएसडीए कॉम्पैक्ट लेजर डिटेक्टर आदि के इंटरनल फिल्टर कार्ट्रिज का क्रय;रु. 1,44,680; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 09.07.2026, 13.30 बजे; **(21) 21261382;** नकल आदि;रु. 20,00,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.07.2026, 13.30 बजे; **(22) 21261389;** योक पिन आदि; रु. 1,45,130; **(23) 21261383;** लॉक आदि;रु. 7,51,020; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 15.07.2026 (क्रम सं. 22 एवं 23 हेतु), 13.30 बजे; **(24) 08261052;** 30 लीटर क्षमता के वाटर बॉयलर का क्रय आदि; रु. 1,13,730; **(25) 11251096;** आउटर डोर असेंबली (एल.एच. एवं आर.एच.); रु. 2,25,460; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 13.07.2026 (क्रम सं. 24 एवं 25 हेतु), 13.30 बजे; **(26) 22261252;** इंज. ह्यूमन इम्यूनोग्लोबुलिन 5 ग्रा. न्यूनतम 100 मिली (आइटम कोड एम230805) स्पेसि.: आइटम कोड एम230805; रु. 1,45,310; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 20.07.2026, 13.30 बजे; **(27) 11261549;** टॉप फ्लैंज आदि; रु. 2,76,280; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 13.07.2026, 13.30 बजे;**(28) 21261507;** शैंक वेयर प्लेट; रु. 1,34,170; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.07.2026, 13.30 बजे; **(29) 21261522;** अपग्रेडेड हाई कैपासिटी ड्राफ्ट गियर आदि; रु. 8,90,950; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 15.07.2026, 13.30 बजे; **(30) 1226-एचवीएन_6938_39;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी–6938 और 6939 के समरूप कॉम्बिनेशन हाई विस्कस इंसुलेटिंग लाइनर (एचवीएन–66) के क्रय के लिए चालू ठेका;रु. 4,87,750; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 10.07.2026, 13.30 बजे; **(31) 12261049;** आरडीएसओ ड्रॉइंग नं. टी–8747 के अनुसार चौड़े पीएससी स्लीपर के साथ इस्तेमाल के लिए कम्पोजिट ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट (सीजीआरएसपी) 10 मिमी मोटाई का निर्माण एवं आपूर्ति; रु. 20,00,000; **निविदा खुलने की तिथि और समय:** 23.06.2026, 13.30 बजे; **(32) 22261612;** टैब/कैप ओसिमर्टिनैब 80 मिग्रा.;रु. 4,17,830; **निविदा खुलने की तिथि और समय :** 26.06.2026, 13.30 बजे; **निविदा मूल्य :** रु.0 क्रम सं.1 से 32 प्रत्येक हेतु।

तालिका–खः निविदा सं.52266499; विवरणः एएआर–एच टाइप टाइट लॉक सीबीसी... का संपूर्ण सेट; निविदा की अंतिम तिथिः 13.07.2026; **अनुमानित निविदा मूल्य (रु.):** 90,19,778.40, **टिप्पणीः** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई–निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं व अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण हेतु, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट देखें।

STORES-20/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बालू कारोबारी की हत्या से आक्रोश, सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। अपराधियों ने एक और गिट्टी-बालू कारोबारी को गोली मार दी। सिर में गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। घायल कारोबारी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान धीरेंद्र प्रसाद सिंह के बेटे सोनू सिंह के रूप में हुई है। घटना कपूरीग्राम थाना क्षेत्र की है।

हत्या के विरोध में मंगलवार को आक्रोशित लोगों ने बीच सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर आगजनी भी की, जिससे दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही कपूरीग्राम, ताजपुर और मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

मौके पर पहुंची पुलिस को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। आक्रोशित लोग हत्यारे

पुलिस को झेलनी पड़ी लोगों की फजीहत

की जल्द गिरफ्तारी और उसे फांसी की सजा देने की मांग कर रहे थे।

प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद लोग शांत हुए। करीब तीन घंटे बाद सड़क जाम खुल सका। प्रदर्शन का नेतृत्व लोजपा (रा.) के जिलाध्यक्ष अनुपम सिंह उर्फ हीरा सिंह कर रहे थे।

कपूरीग्राम निवासी सोनू सिंह सोमवार शाम अपने कुछ दोस्तों के साथ ताश खेल रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। आनन-फानन में परिजन उन्हें सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इसके बाद परिजन उन्हें एक निजी नर्सिंग होम ले गए, लेकिन वहां से भी पटना रेफर कर दिया गया। देर रात पटना पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया, जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

ग्रामीण हीरा सिंह ने बताया कि सोनू सिंह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे और उनके दो बच्चे हैं। हत्या का आरोप गांव के ही एक व्यक्ति पर लगाया जा रहा है। दोनों के बीच क्या विवाद था, यह जांच का विषय है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है।

पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे ने बताया कि गोली मारने वाले आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

आरोपित गिरफ्तार

बेलागंज (गया)। सोनपुर गांव में एक परिवार पर हुए जानलेवा हमले और लूटपाट के मामले में बेलागंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त बिपिन बिहारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बेलागंज थाना प्रभारी सुनील कुमार द्विवेदी ने बताया कि पीड़ित द्वारा आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी बिपिन बिहारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने आगे कहा कि इस हिंसक वारदात में शामिल अन्य सभी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। गौरतलब है कि बीते 24 मई को सोनपुर गांव में प्रमोद कुमार अपने दरवाजे पर बैठे थे, तभी गांव के ही करीब 16 नामजद लोग लाठी-डंडा, लोहे की रॉड, खन्ती, हथौड़ा और पिस्तौल से लैस होकर उनके घर में घुस गए थे। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए प्रमोद कुमार के सिर पर हथौड़े से वार कर दिया था। बीच-बचाव करने आए उनके भाई विनोद कुमार और भतीजे प्रिंस कुमार को भी खन्ती और लोहे की रॉड से मारकर लहूलुहान कर दिया गया था।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज पहुंची जांच की आंच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीट यूजी 2026 री-एग्जाम को लेकर 'सेटिंग' की चचाओं के बीच मामला अब पावापुरी स्थित भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान तक पहुंच गया है।

पावापुरी मेडिकल कॉलेज प्रशासन की सख्ती और आधिकारिक नोटिस के बावजूद तीन अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने पूर्व में अधिसूचना जारी कर स्पष्ट निर्देश दिया था कि री-एग्जाम से जुड़े सभी छात्र-छात्राएं कैंपस में उपस्थित रहकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। इसके बावजूद जांच के दौरान तीन अभ्यर्थी मौके से नदारद मिले, साथ ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। सूत्रों के अनुसार, मौके पर मौजूद राजगीर डीएसपी एवं पावापुरी पुलिस के सामने सभी एमबीबीएस छात्रों की अटेंडेंस कराई गई, लेकिन तीनों छात्र अनुपस्थित पाए गए।

इसके बाद पुलिस ने उनसे संपर्क साधने की कोशिश की, पर सभी के मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिले। घटना के बाद 'सेटिंग' की आशंकाओं को बल मिला है।

बता दें कि 3 मई को पेपर लेकर बाद रविवार को नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा हुई। इस दौरान बिहार में एक बड़े सॉल्वर गैंग का पर्दा फांस भी हुआ है।

सॉल्वर गैंग असली परीक्षार्थी के जगह बैठने के लिए मेडिकल छात्रों ने 30 से 40 लाख में डील की थी। पुलिस ने इस मामले में सेटिंग गैंग के सरगना और पीएमसीएज, गया जी मेडिकल कॉलेज, एम्स रायबरेली और बीएचयू के मेडिकल छात्रों समेत 24 लोगों को गिरफ्तार किया, इनमें बायोमेट्रिक कंपनी के 14 कर्मी भी शामिल है।

सवाल उठ रहा है कि प्रशासनिक निर्देशों के बावजूद आखिर ये छात्र कहां गए और उनका संपर्क क्यों नहीं हो पाया। मामले को लेकर पुलिस और प्रशासन दोनों सतर्क हो गए हैं और आगे की जांच जारी है।

मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सर्विल कुमारी ने बताया कि नोटिस के बावजूद जो छात्र अनुपस्थित रहे हैं उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उनके माता पिता को इस बात की सूचना दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि संदिग्धता के आधार पर 2022 बैच के एमबीबीएस विद्यार्थी रवि शंकर की खोजबीन की गई, लेकिन वह 2 दिन से अनुपस्थित था। इसके बाद उनके रूम की तलाशी ली गई लेकिन विद्यार्थी रूम में मौजूद नहीं था।

कई ट्रेनें रद्द, कई के बदले गये फेरे

चल रहा नॉन-इंटरलॉकिंग का कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रेलवे ने यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। धनबाद मंडल के छीपादोहर-बरवाडीह-मंगरा रेलखंड पर तीसरी रेल लाइन को चालू करने के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य किया जा रहा है।

इसके चलते 23 जून से कई दिनों तक विभिन्न ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ेगा। रेलवे ने कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के साथ-साथ अनेक ट्रेनों का मार्ग भी अस्थायी रूप से बदल दिया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, परियोजना पूरी होने के बाद इस रेलखंड की क्षमता बढ़ेगी और ट्रेनों का संचालन अधिक सुगम होगा। हालांकि निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण बरकाकाना-डेहरी ऑन सोन, बरवाडीह-चुनार, गोमो-बरवाडीह, वाराणसी-बरकाकाना मेमू सहित कुल 14 ट्रेनों का परिचालन विभिन्न तिथियों में रद्द किया गया है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 16 महत्वपूर्ण ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। इनमें विशाखापत्तनम-बनारस एक्सप्रेस, धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस, झारखंड एक्सप्रेस, रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस, टाटानगर-जम्मूतवी एक्सप्रेस और शक्तिपुंज एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं।

मुठभेड़ मामले में डीएसपी सहित कई पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाताा

आरा। भोजपुर जिले के चर्चित भरत भूषण तिवारी मुठभेड़ मामले में नया मोड़ आ गया है। शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी की मौत के मामले में उनकी मां आशा देवी के बयान पर शाहपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दर्ज एफआईआर में जगदीशपुर के डीएसपी, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिसकर्मियों को आरोपित बनाया गया है। आशा देवी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके पुत्र भरत भूषण तिवारी की पुलिस ने गोली मारकर हत्या की है।

बाढ़ पीड़ितों की मांग उठा रहा था मृतक

उन्होंने कहा कि घटना के दौरान भरत ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बावजूद पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की और बाद में गोली चला दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

आवेदन के अनुसार, भरत भूषण तिवारी जवइनिया क्षेत्र के बाढ़ विस्थापितों की समस्याओं को लगातार प्रशासन के समक्ष उठा रहे थे। आशा देवी का आरोप है कि 17 जून की सुबह जगदीशपुर डीएसपी और शाहपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम उनके घर पहुंची और भरत को बाढ़ प्रभावित इलाके में चलकर समस्याएं दिखाने को कहा। मां के अनुसार, जवइनिया पहुंचने के बाद भरत भूषण फेसबुक लाइव के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों की मांगों को रख रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि मांगें रखने के बाद भरत ने अपने हाथ में मौजूद हथियार जमीन पर फेंक दिया और पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। एफआईआर में गंभीर आरोप लगाया गया है कि जगदीशपुर डीएसपी के निर्देश पर पुलिसकर्मियों ने भरत भूषण तिवारी को पांच गोलियां मारीं।

गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस उन्हें वाहन में बैठाकर अपने साथ ले गई। बाद में परिजनों को उनकी मौत की सूचना दी गई। आशा देवी ने आवेदन में यह भी कहा है कि घटना के बाद उनके पति काशीनाथ तिवारी को थाने ले जाकर पूरे दिन बैठाए रखा गया। शाम में पुलिस की ओर से परिवार को सूचना दी गई कि भरत भूषण तिवारी की मौत हो चुकी है। मामले में भोजपुर के एसपी ने कहा है कि प्राप्त आवेदन के आधार पर जांच कराई जा रही है।

बोरे से महिला की लाश बरामद

भागलपुर। जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे एक बोरे में बंद अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। घटना अबजुगंज हॉल्ट से मिरहट्टी पंचायत जाने वाले मार्ग की है। शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में दहशत और चचाओं का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों की नजर सड़क किनारे पड़े एक संदिग्ध बोरे पर पड़ी। बोरे से महिला का एक पैर बाहर निकला हुआ था। यह दृश्य देखते ही लोगों के होश उड़ गए और मौके पर भीड़ जुट गई। इसके बाद तत्काल डायल-112 पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की जानकारी मिलने पर डायल-112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुलतानगंज थाना प्रभारी धनंजय कुमार को सूचना दी गई। इसके बाद थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बोरे को खोलकर देखा तो उसमें एक अज्ञात महिला का शव मिला।

पुलिस ने जमीन खोदकर निकाली मासूम की लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। पारिवारिक विवाद के कारण एक पांच वर्षीय मासूम बच्ची को जहर देकर मार डाला, फिर शव को करेह नदी के किनारे दफना भी दिया। मृत बच्ची के कपड़े देख मां की शिकायत पर जमीन खोदकर शव निकाला गया। बाद में उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

इसके पूर्व घटनास्थल पर सीमा निर्धारण को लेकर सिंघिया और हसनपुर थाना की पुलिस काफी उलझी रही। मृतका थाना क्षेत्र के दुधपुरा पंचायत के खराज गांव निवासी राहुल दास की पांच वर्षीय पुत्री रितिका कुमारी है। बच्ची की मां पूजा देवी ने हसनपुर थाने में लिखित आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।सोमवार की रात पूजा अपनी बच्ची की शव को खोजते हुए करेह नदी के फुलहारा ढाला के निकट पहुंची तो बांध किनारे कुछ कपड़ा फेंका मिला। उसने कपड़े की पहचान रितिका के कपड़े के रूप में की।

स्थानीय पुलिस को कपड़ा मिलने की सूचना दी गई।सूचना मिलते ही हसनपुर और सिंघिया थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। मगर दोनों थाने के बीच सीमा विवाद को लेकर चली बहस के कारण बच्ची की शव का खोजबीन कार्य कुछ देर के लिए स्थगित रहा।

सीमा विवाद समाप्त होने के बाद शव की खोजबीन की गई। पर रात काफी अधिक होने के कारण कुछ अता पता नहीं चल सका। फिर मंगलवार की सुबह त्वरित कार्रवाई करते हुए हसनपुर और सिंघिया थाने की पुलिस संयुक्त रूप से मजिस्ट्रेट सह बीडीओ मनोज कुमार की मौजूदगी में करेह नदी के तट पर पहुंची।

पुलिस की टीम नदी किनारे मिट्टी में दफनाए गए शव को ढूंढने के लिए घंटों तलाशी अभियान चलाकर कब्र से बच्ची की शव को निकाल पोस्टमार्टम के लिए हायर सेंटर दरभंगा भेज दिया। मृत बच्ची की मां पूजा देवी भी अपनी कलेजे के टुकड़े के शव को खोजने के लिए पुलिस टीम के साथ नदी तट पर मौजूद रही। मृतिका की मां पूजा देवी ने अपनी जेठानी और ससुराल के अन्य सदस्यों पर बेटी को जहर देकर मार डालने का सीधा आरोप लगाया है।

पति-पत्नी मिलकर चला रहे थे शराब का धंधा

छापेमारी में शराब सहित महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्पाद विभाग की टीम अहियापुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करने पहुंची थी। इसी दौरान एक महिला शराब तस्कर कार्रवाई का विरोध करने लगी और महिला पुलिसकर्मी से झड़प व नोकझोंक करने लगी। हालांकि विरोध और झड़प के बावजूद उत्पाद विभाग की टीम ने महिला को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। मौके से शराब की खेप भी बरामद की गई। बताया जा रहा है कि महिला का पति शराब लाकर देता था और आगे का धंधा महिला संचालित करती थी। वायरल वीडियो अहियापुर थाना क्षेत्र के भीखनपुर गांव का बताया जा रहा है। उत्पाद विभाग मामले की आगे की कार्रवाई में जुटा हुआ है।

दरअसल, उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध शराब का कारोबार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम मौके पर पहुंची। जैसे ही टीम कार्रवाई के लिए पहुंची, एक महिला शराब तस्कर सामने आ गई और छापेमारी का विरोध करने लगी। इस दौरान वह मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी से उलझ गई और गिरफ्तारी का विरोध करते हुए नोकझोंक करने लगी। महिला तस्कर के विरोध के कारण पुलिसकर्मियों को उसे काबू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तार महिला की पहचान पूजा कुमारी, पत्नी रितेश कुमार, निवासी भीखनपुर गांव, अहियापुर थाना क्षेत्र के रूप में हुई है।

उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि रितेश कुमार और उसकी पत्नी पूजा कुमारी मिलकर अवैध शराब की बिक्री कर रहे हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां पूजा कुमारी मौजूद मिली। उसके घर के पास से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई।

अधिकारी के अनुसार, पूजा कुमारी अपने पति के साथ मिलकर शराब बेचने का काम करती थी। बरामद शराब को जब्त कर विधिवत कार्रवाई की गई और महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसने उत्पाद विभाग की महिला गृह रक्षक के साथ हाथापाई भी की। इसके बावजूद टीम ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उत्पाद विभाग आगे की जांच कर रही है।

तलाशी में देसी कट्टा एवं जिंदा कारतूस बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। नियमित गश्त के दौरान पुलिस को देखकर भाग रहे युवक को पकड़ने के बाद जब उसके घर की तलाशी ली गई तो अलमारी से देसी कट्टा, जिंदा कारतूस और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, मखदुमपुर थाना पुलिस क्षेत्र में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान मखदुमपुर डीह निवासी राहुल कुमार पुलिस टीम को देखकर अचानक घबरा गया और वहां से भागने लगा। युवक की संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस उसे साथ लेकर उसके पैतृक घर पहुंची और तलाशी अभियान चलाया। घर में रखी गोदरेज अलमारी की जांच के दौरान पुलिस को एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक लोहे का फाइटर बरामद हुआ। बरामदगी के बाद पुलिस ने राहुल कुमार को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस पूछताछ में राहुल कुमार ने दावा किया कि बरामद हथियार उसके नहीं हैं। उसके अनुसार, दो परिचितों ने हथियार सुरक्षित रखने के लिए उसे दिए थे, जिन्हें उसने घर में छिपाकर रखा था। युवक के बयान के आधार पर पुलिस ने उसके बताए गए दोनों सहयोगियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन पुलिस कार्रवाई की भनक लगने के कारण वे फरार हो गए।

बीडीसी की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समेली। प्रखंड मुख्यालय सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की सामान्य बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति की प्रमुख अनुकंपा कुमारी ने की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, स्वच्छता, आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि, पशुपालन एवं अन्य विकास योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत समिति सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखते हुए उनके त्वरित समाधान की मांग की। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभुकों तक समय पर लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी तथा संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं नियमित निगरानी आवश्यक है।इस अवसर पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मोहम्मद हाशिम, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अनामिका कुमारी, प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विमल कुमार, सीडीपीओ कुमारी स्नेहलता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी भानु भवेश, पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी दीपक कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में पंचायत समिति सदस्य बबीता देवी, प्रीति देवी, रेणु देवी, धनेश्वर कुमार मंडल, मुखिया राजेश कुमार मंडल, राजीव कुमार मंडल, मनीष कुमार ठाकुर, अनीता देवी, जीविका के एसी सुमित कुमार, राजस्व कर्मचारी मिथुन कुमार, कपिल मुनि, लेखापाल विनोद कुमार सिंह, मोहम्मद अरशद, शम्भू मुखिया, तौसीफ आलम सहित प्रखंड एवं अंचल के कई कर्मी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'जंगल का पत्ता' बना आदिवासी समाज के गुजर-बसर का सहारा

चार बजे जंगल जाते हैं पत्ता तोड़ने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। 'जंगल का पत्ता ही हमारा सहारा है' मधुपुर के डालमिया कूप चौक और गांधी चौक के पास बैठी आदिवासी महिलाओं दास्तां इस बात को चरितार्थ करती है। यहां वर्षों से मारवाड़ी समाज स्थानीय आदिवासियों को अपने घर-दुकान के चबूतरे और बरामदे पर जगह दे रहे हैं, जहां वे दोना-पत्तल, दातुन और अन्य वन उत्पाद बेचकर अपना घर चलाती हैं। मधुपुर अनुमंडल क्षेत्र के जगदीशपुर, बुढ़ई, जाभागुड़ी, पथलजोर, जीतपुर, चेचाली, महुआडाबर, पिपरासोल, सरपत्ता समेत दर्जनों गांवों से आदिवासी समुदाय की महिलाएं सुबह-सुबह मधुपुर शहर पहुंचती हैं। सिर पर गठरी में साल, पलाश और सागवान के पत्तों से बने दोना-पत्तल की दातुन, महुआ और अन्य जंगली उत्पाद लेकर आती हैं। स्थानीय मारवाड़ी व्यवसायियों ने इन्हें अपने प्रतिष्ठानों के आगे चबूतरे और बरामदे पर बैठने की जगह दी हुई है। न किराया, न कोई रोक-टोक। धूप-बारिश में ये बरामदे ही इनके लिए दुकान बन जाते हैं।

एक आदिवासी महिला ने बताया कि वह सुबह चार बजे जंगल जाते हैं पत्ता तोड़ने। दोपहर तक दोना-पत्तल बनाकर शहर आते हैं। यहां बैठने की जगह मिल जाती है तो 200-250 रुपये कमा लेते हैं। इसी से चूल्हा जलता है।

दोना-पत्तल का इस्तेमाल आज भी शादियों, श्राद्ध और भोज में होता है। प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बाद इनकी

मांग और बढ़ी है। दातुन भी ग्रामीण इलाकों में आज भी पसंद की जाती है। व्यवसायी रंजीत डालमिया कहते हैं कि ये लोग मेहनतकश हैं। जंगल से सामान लाकर बेचते हैं। इन्हें जगह देने से हमारा कोई नुकसान नहीं। बल्कि सेवा का मौका मिलता है। हमारे पुरखे भी ऐसा करते आए हैं।

हालांकि इन महिलाओं का कहना है कि बारिश में सामान भीग जाता है और धूप में बैठना मुश्किल होता है। अगर नगर परिषद या प्रशासन इन्हें एक स्थायी शेड या हाट की व्यवस्था कर दे तो इनका व्यवसाय और बेहतर चल सकता है। फिलहाल डालमिया कूप चौक और गांधी चौक के चबूतरे और सड़क किनारे के सहारे ही ही ये अपने परिवार की जीवन की गाड़ी खींच रहे हैं।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार साला-बहनोई की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिले के झाझा-बोड़बा मुख्य सड़क पर नागी डैम के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार साला-बहनोई की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों काली पूजा में शामिल होने के लिए निमंत्रण देने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, झाझा थाना क्षेत्र के झाझा-बोड़बा मुख्य सड़क पर नागी डैम के समीप मंगलवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया गया है, जबकि चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मृतकों की पहचान झाझा थाना क्षेत्र के कर्मा पंचायत अंतर्गत बूढ़ीखार गांव निवासी 18 वर्षीय मनोज मांझी तथा सोनो थाना क्षेत्र के खुर्द महापुर गांव निवासी 28 वर्षीय सहदेव मांझी के रूप में हुई है। पहचान मृतकों के पास मिले आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर की गई।

मृतक मनोज के भाई गोलू मांझी ने बताया कि उनके घर में मंगलवार को वार्षिक काली पूजा का आयोजन होना था। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मनोज अपने बहनोई सहदेव मांझी के साथ घर लौट रहा था। परिजनों के अनुसार, सहदेव ने मंगलवार को ही शोरूम से नई बाइक खरीदी थी और उसी बाइक से ससुराल जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही यह दुखद हादसा हो गया। घटना की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

डूबने से किशोर की गई जान

बरारी। बरारी प्रखंड के रौनियां पंचायत के वार्ड संख्या 13 स्थित गौरीडीह गांव के मुशहरी टोला निवासी राजीव ऋषि (17) की बोरवा धार के पानी में डूबने से मौत हो गई।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

मृतक के पिता सुशील ऋषि ने बताया कि उनका पुत्र सुबह करीब 10 बजे घर से घास काटने के लिए निकला था।देर शाम चार बजे तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की।काफी तलाश के बाद जानकारी मिली कि राजीव बोरवा धार में डूबा हुआ है।स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया।लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही बरारी पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।इधर रौनियां पंचायत के सरपंच अमित कुमार यादव एवं वार्ड सदस्य अवधेश साह ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से मृतक के परिजनों को आपदा राहत के तहत उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की संयुक्त त्रैमासिक बैठक, बिहार कृषि ऋण पोर्टल का लोकार्पण

वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक साख योजना के तहत 4.95 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित

बैंकिंग योजनाओं की उपलब्धियों में वृद्धि लाने का मंत्री ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), बिहार की 96वीं एवं 97वीं संयुक्त त्रैमासिक बैठक मंगलवार को पटना स्थित होटल मौर्या में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री (वित्त) बिजेंद्र प्रसाद यादव ने की। बैठक में राज्य में कार्यरत बैंकों के प्रदर्शन तथा विभिन्न वित्तीय एवं विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सूचना, जनसंपर्क एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी, नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा तथा डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नन्द किशोर राम भी उपस्थित रहे। मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपलब्धियों में वृद्धि लाने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य में कार्यरत बैंकों के प्रदर्शन का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने वार्षिक साख योजना (एसीपी) के 100 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति, साख-जमा अनुपात में वृद्धि तथा राज्य के समग्र वित्तीय विकास पर विशेष बल दिया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल करने का संकल्प भी व्यक्त किया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति पर बिहार का साख-जमा अनुपात 60.21 प्रतिशत दर्ज किया गया जो 60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इसे राष्ट्रीय औसत के करीब ले जाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक साख योजना के तहत 4.95 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो पिछले वर्ष के लक्ष्य की तुलना में 47.32 प्रतिशत अधिक है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बिहार कृषि ऋण पोर्टल का विधिवत लोकार्पण किया। यह पोर्टल किसानों को कृषि ऋण से संबंधित सुविधाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठक को विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक सुजीत कुमार अरविंद तथा नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने विभिन्न वित्तीय एवं बैंकिंग लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए आगामी रणनीतियों पर प्रकाश डाला। अंत में एसएलबीसी बिहार के संयोजक एवं भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक योगेन्द्र शेलके ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक कुमार रणजीत ने किया। बैठक में राज्य के सभी प्रमुख बैंकों के प्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी, जिला प्रशासन के पदाधिकारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के अग्रणी जिला प्रबंधक भी शामिल हुए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। महान राष्ट्रवादी, शिक्षाविद, जननेता और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण और संगठन निर्माण में योगदान को स्मरण किया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संघर्ष आज भी भारतीय राजनीति के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने उस समय जम्मू-कश्मीर में लागू अलग व्यवस्थाओं का विरोध किया था और देश की एकता तथा समान नागरिक अधिकारों के पक्ष में आंदोलन चलाया। उनका राजनीतिक जीवन राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा संगठन और देश निर्माण में किए गए योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी जो बाद में वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व सार्वजनिक जीवन में शुचिता, राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का संदेश देता रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार और आदर्श आज भी देश के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक में जनहित से जुड़े मुद्दे को लेकर सांसदों ने दिए सुझाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। महेन्द्रूघाट, पटना में दानापुर मंडल की 'मंडल संसदीय समिति' की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी। सभी सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। आज की इस बैठक में राज्यसभा के सांसद शिवेश कुमार एवं शंभु शरण पटेल तथा आरा के सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर के सांसद अफजल अंसारी, नवादा के सांसद विवेक ठाकुर उपस्थित थे। इनके अलावा सांसद नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में विधायक ललन कुमार, वस्त्र मंत्री, भारत सरकार गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि कुंदन भारती, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह खान, सांसद खीरू महतो के प्रतिनिधि पिंटू कुमार सिंह, सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि संतोष कुमार यादव, सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव के प्रतिनिधि मोहम्मद शाहनवाज, सांसद अरुण भारती के प्रतिनिधि अरविंद कुमार उपस्थित थे। बैठक में सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये। सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया। महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ विगत वर्ष 2025 में शताब्दी वर्षगांठ मनाते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं। पर्व त्योहार एवं अत्यंत व्यस्त सीजन पर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करती रही है। वर्तमान वितीय वर्ष 2025-26 में 518 जोड़ी विशेष रेल गाड़ियों का परिचालन किया गया एवं विभिन्न गाड़ियों में कुल 2262 अतिरिक्त कोच लगाये गए। 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विकास किया जा रहा है। पाटलिपुत्र में वंदे भारत ट्रेनसेट अनुरक्षण डिपो एवं हार्डिंग पार्क में 05 नये प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य प्रगति पर है। प्रस्तावित राजगीर कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं फतुहा मेगा कोचिंग टर्मिनल का निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में प्रगति पर है ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का अप्रतिम उदाहरण : संजय सरावगी

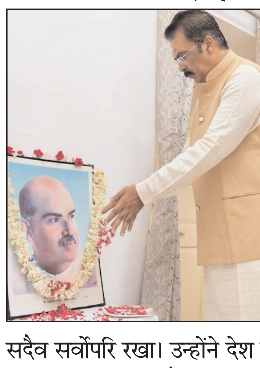

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं देश की एकता और अखंडता के महान प्रहरी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा और उनका योगदान भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रनिर्माण के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखा। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की रक्षा के लिए संघर्षपूर्ण जीवन जिया। स्वतंत्र भारत में उन्होंने ऐसे अनेक विषयों पर मुखर होकर अपनी बात रखी, जो देश की राष्ट्रीय अस्मिता और संवैधानिक एकता से जुड़े हुए थे। उनका मानना था कि भारत की शक्ति उसकी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित है। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से राष्ट्रवाद की ऐसी धारा प्रवाहित की जो आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरित करती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी व्यवस्थाओं का दृढ़ता से विरोध किया और 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष कर राष्ट्रीय एकीकरण के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें बलिदान के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता : प्रमोद चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में पूरे बिहार के सभी जिलों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। पटना में यह कार्यक्रम ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में 6, बैक हार्डिंग रोड स्थित कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर श्री चंद्रवंशी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए आजीवन संघर्ष किया और राष्ट्रहित में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉ. मुखर्जी के सपनों का भारत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और उनके सपनों को साकार करने की दिशा में देश मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

आइएमसी गया से बिहार के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी गया लिमिटेड (बीआईएमसीजीएल) की आठवीं बोर्ड बैठक मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में गया में विकसित किए जा रहे समेकित विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) की प्रगति, निवेश आकर्षण, भूमि आवंटन और आधारभूत संरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान परियोजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया गया तथा समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कुंदन कुमार ने संबंधित विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा सभी गतिविधियों के बेहतर समन्वय का निर्देश दिया। बैठक में कहा गया कि बिहार औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों, औद्योगिक प्रोत्साहन उपायों तथा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों के कारण बिहार निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनकर उभर रहा है। कुंदन कुमार ने कहा कि आईएमसी गया राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी और प्राथमिकता वाली परियोजना है। इसका उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित कर विनिर्माण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना बिहार को राष्ट्रीय औद्योगिक परिदृश्य में मजबूत पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में भूमि आवंटन से संबंधित प्रस्तावों, संभावित निवेश परियोजनाओं तथा क्लस्टर क्षेत्र में अतिरिक्त आधारभूत संरचना विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया और आवश्यक निर्णय लिए गए। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के निदेशकों और अधिकारियों ने भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया। उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन और भावी विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आईएमसी गया परियोजना से बिहार में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण गतिविधियों और रोजगार सृजन को नई गति मिलने की उम्मीद है, जिससे राज्य के समग्र आर्थिक विकास को और मजबूती मिलेगी।

प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् ने चयनित विद्यालयों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा राज्य के विद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और हरित प्रथाओं को विकसित करने तथा विद्यालयों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु किये जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गत वर्ष हरित विद्यालय प्रतियोगिता-2025 आयोजित की गई थी जिसमें स्वमूल्यांकन व सत्यापन के पश्चात चयनित विद्यालयों को सम्मानित किया गया था। विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति आ रही जागरूकता को गति देने के उद्देश्य से बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा इस वर्ष भी हरित विद्यालय प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक विद्यालयों से आवेदन आमंत्रित किए गये हैं जिसे प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 जुलाई, 2026 के अपराह्न 4:00 बजे तक रखी गयी है। इस प्रतियोगिता में आवदेन करने हेतु पर्षद् के वेबसाइट के 'नोटिस' में जाकर अथवा इस लिंक पर क्लिक करने पर विज्ञापन दिखेगा जिसमें दिये गये दो क्यू आर कोड को स्कैन करने पर क्रमशः 'आवेदन प्रपत्र' तथा 'आवेदन संबंधी मार्गदर्शिका' उपलब्ध है। आवेदन प्रपत्र को भरकर पर्षद् के ई.मेल पर प्रेषित किया जा सकता है। प्राप्त आवेदनों कें स्वमूल्यांकन का सत्यापन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा गठित समिति द्वारा 10 जुलाई, 2026 से किया जायेगा। सर्वोत्तम प्रदर्शन वाले विद्यालयों को पर्षद् द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

पाठ्यक्रम में शामिल हो लघुकथाएं : डॉ. ध्रुव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच की उपाध्यक्ष एवं जेपी विश्वविद्यालय छपरा की पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो अनीता राकेश को भोपाल स्थित हिंदी भवन में आचार्य जगदीश चंद्र मिश्र आलोचना सम्मान से सम्मानित किया गया। लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के तत्वावधान में अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं शोध गोष्ठी के अवसर पर पटना के लघुकथा शोध छात्र डा प्रिंस कुमार को डा उपासना सक्सेना लघुकथा शोध प्रेरणा सम्मान एवं मिन्नी मिश्रा को भी 'लघुकथा-श्री कृति' सम्मान प्रदान किया गया। सभी को सम्मान-पत्र, प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मिन्नी मिश्रा के लघुकथा संग्रह 'उजाले की ओर' का लोकार्पण भी हुआ। देश भर से आए लघुकथाकारों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के महासचिव डॉ ध्रुव कुमार ने कहा कि विद्यालय और विश्वविद्यालय साहित्य पाठ्यक्रमों में लघुकथाओं को शामिल किए जाने की आवश्यकता है। अध्यक्षता मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ उमेश कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र दीपक, मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक नुसरत मेहदी, लघुकथा शोध केंद्र समिति की निदेशक कांता राय, भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, वीणा के संपादक राकेश शर्मा, संतोष श्रीवास्तव, ज्योति जैन, डॉ मिथिलेश दीक्षित, मालती बसंत, डॉ योगेंद्र नाथ शुक्ल, डॉ मोहम्मद आजम, मीरा जैन, कोमल बाधवानी, सरिता वघेला, घनश्याम मैथिल अमृत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का समापन देश भर से आए लघुकथाकारों के लघुकथा पाठ से हुआ।

तेज प्रताप यादव के सरकारी आवास से चोरी

20 लाख रुपये समेत कीमती सामान गायब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। तेज प्रताप यादव ने अपने निजी सहायक मोतीलाल राय पर सरकारी आवास से 20 लाख रुपये नकद समेत कई कीमती सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। सचिवालय थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तेज प्रताप यादव ने अपने करीबी और निजी सहायक (पीए) मोतीलाल राय के खिलाफ पटना के सचिवालय थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके सरकारी आवास से करीब 20 लाख रुपये नकद सहित कई कीमती सामान चोरी हो गए हैं। शिकायत के अनुसार यह घटना 22 जून को सामने आई जब तेज प्रताप यादव ने अपने कमरे की अलमारी की जांच की। अलमारी से लगभग 20 लाख रुपये नकद, दो तोला सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, चार नए ड्रोन, दो हार्ड डिस्क, एक आईपैड, एक मैकबुक, एक लेनोवो लैपटॉप और चार आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन गायब मिले। तेज प्रताप यादव का दावा है कि चोरी हुई नकदी पार्टी फंड की राशि थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह घटना उनके निजी सहायक मोतीलाल राय ने अंजाम दी। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि घटना की रात करीब 11:30 बजे दो लोगों ने मोतीलाल राय को एक बैग के साथ आवास परिसर की बाउंड्री फांदकर बाहर जाते हुए देखा था।

बांका के जवाहर कुमार झा कांग्रेस में शामिल, संगठन को मिलेगी नई मजबूती : राजेश राम

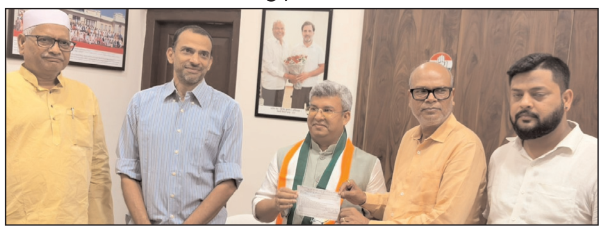

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांका से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं सामाजिक कार्यकर्ता जवाहर कुमार झा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्री झा विगत 2025 में बांका विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जवाहर कुमार झा का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे सभी सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं का स्वागत करती है जो जनता की आवाज को मजबूत करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। जवाहर कुमार झा के कांग्रेस परिवार में शामिल होने से पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी तथा बांका सहित पूरे क्षेत्र में कांग्रेस की जनाधार बढ़ाने की मुहिम को नया बल मिलेगा। इस अवसर पर जवाहर कुमार झा ने कांग्रेस नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प को लेकर पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए समर्पित रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी के नेता बैद्यनाथ शर्मा, मनोज शर्मा, कमलदेव नारायण शुक्ला, राहुल चौहान, अमित आनंद, उदय शंकर पटेल, सतेंद्र कुमार सिंह, शशि कुमार सिंह मौजूद थे।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने की योजनाओं की समीक्षा, दिए कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के लिए मंत्री डॉ. रामचन्द्र प्रसाद ने कार्यालय कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री ने विभागीय योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कई आवश्यक निर्देश दिए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरविन्द सिंह ने द्वितीय कृषि रोड मैप (2012-17) और तृतीय कृषि रोड मैप (2017-23) के तहत किए गए कार्यों के संबंध में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। साथ ही चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई। वहीं मंत्री द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली गई। मुख्य वन संरक्षक सह निदेशक हरियाली मिशन ने जल जीवन हरियाली अभियान के तहत किये जा रहे कार्यो के संबंध में मंत्री को अवगत कराया। साथ ही बैठक में ईको टूरिज्म डेवलपमेंट सोसायटी के कार्यो के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत अधिक से अधिक पौधरोपण तथा उसकी सुरक्षा और संपोषण करने के निर्देश दिए।

युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक परिवर्तन लाना आवश्यक : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। हाल ही में आयोजित 'जन्दाहा ओपन माइक (काव्य संध्या)' कार्यक्रम के दौरान युवा भारत विकास संगठन के गठन एवं विभिन्न पदों पर दायित्व सौंपे जाने के बाद समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. आनंद रंजन झा ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डॉ. झा ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए उनकी दिशा, मानसिकता और सामाजिक दशा में सकारात्मक परिवर्तन लाना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए युवा भारत विकास संगठन का गठन किया गया है जो युवाओं को शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने संगठन की नवनियुक्त अध्यक्ष वर्षा ठाकुर, प्रांतीय संरक्षक जय सिंह राठौर, प्रखंड संरक्षक मनोज साह, संगठन महामंत्री सुनील कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, संगठन संयोजक हरिशंकर सिंह, राष्ट्रीय सलाहकार कवि दिव्यांश दुष्यंत तथा राष्ट्रीय संरक्षक प्रभात ठाकुर को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारियों के अनुभव, समर्पण और सक्रिय सहयोग से संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा मुझे जिला संरक्षक के रूप में जो जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए मैं संगठन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं संकल्प लेता हूं कि युवा भारत विकास संगठन के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के हर प्रयास में अपना पूर्ण सहयोग दूंगा।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने पीएमसीएच में नए रेडियोलॉजी विभाग का किया शुभारंभ

एक ही छत के नीचे मिलेगी अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एक्स-रे की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मंगलवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के नवनिर्मित अस्पताल भवन टॉवर-3 के प्रथम तले पर स्थानांतरित नए रेडियोलॉजी विभाग का शुभारंभ किया और रेडियोलॉजी विभाग का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को बेहतर एवं त्वरित जांच सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल प्रशासन की पहल की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से कक्षाएं संचालित की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। साथ ही अस्पतालों में स्थापित आधुनिक एवं महंगे चिकित्सा उपकरणों को शीघ्र क्रियाशील बनाने तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

एआई और फिंगरप्रिंट सिस्टम होने के बाद भी जांच कमजोर, न्याय व्यवस्था पर सवाल

आधुनिक तकनीक और एआई आधारित जांच उपकरणों के बावजूद अपराध मामलों में दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा। सवाल यह है कि क्या तकनीक का सही इस्तेमाल हो रहा है या न्याय की राह में अब भी पुरानी बाधाएं कायम हैं? किसी भी आपराधिक मामले में समय पर न्याय तभी सुनिश्चित हो पाता है, जब जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और उसमें गंभीरता एवं निष्पक्षता हो। आज के दौर में जांच-पड़ताल में तकनीक की भी अहम भूमिका है। खासकर कृत्रिम मेधा यानी एआई के तहत ऐसे उपकरण विकसित किए जा चुके हैं, जिनकी मदद से अपराधियों की धर-पकड़ और साक्ष्य जुटाना काफी आसान हो गया है।मगर सवाल है कि देश में जांच एजेंसियां क्या इस तरह की तकनीक का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल कर रही हैं या नहीं? केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हाल में दी गई जानकारी से यही लगता है कि जांच प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग अभी प्रारंभिक स्तर पर है। गृह मंत्री ने कहा कि आपराधिक मामलों में राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली का अभी केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उपयोग अपराधियों की पहचान करने के लिए किया जाता है। इसके जरिए अपराध स्थलों से एकत्र किए गए नमूनों और साक्ष्यों का डेटाबेस तैयार किया जा सकता है, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आखिर जांच एजेंसियां इस पर पर्याप्त ध्यान क्यों नहीं दे रही हैं।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि संज्ञेय अपराधों से जुड़े मामलों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दोषसिद्धि दर वर्ष 2018 और 2019 में करीब 66 प्रतिशत थी। हालांकि उसके बाद से जांच एजेंसियों को कई तरह की तकनीकों से लैस किया गया है, लेकिन दोषसिद्धि दर में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आया है।विशेषज्ञों के मुताबिक दोषसिद्धि दर कम होने के प्रमुख कारणों में जांच प्रक्रिया का धीमा होना, मामलों की गंभीरता को नजरअंदाज करना और साक्ष्यों की कमी शामिल है। कई बार अपराधी इसलिए बरी हो जाते हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष आरोपों को सबूतों के आधार पर साबित करने में नाकाम रहता है। यह अफसोसनाक है कि तकनीकी सुविधाओं के बावजूद जांच एजेंसियां वैज्ञानिक पहलुओं का ध्यान रखकर जांच नहीं करतीं, जिससे न्याय की उम्मीद भी धुंधली पड़ जाती है।ऐसे में जरूरी है कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया को लेकर अलग से एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए, जो इस बात पर नजर रखे कि जांच में तकनीक का कितना इस्तेमाल किया जा रहा है।राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली की बात की जाए तो इसका इस्तेमाल केवल अपराधियों को खोजने तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब अपराध स्थल से एकत्र फिंगरप्रिंट के माध्यम से व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाए।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क।

सौ वर्षों से राष्ट्रसेवा में लीन आरएसएस का पंजीकरण प्रमाणपत्र मांग रहे कांग्रेस नेताओं से कुछ सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है। यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है। असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। गुरु दक्षिणा को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

बहरहाल, जिस संगठन के स्वयंसेवक प्रतिदिन यही मंत्र जपते हों, तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें ना रहें, उससे अपना पंजीकरण कराने को कहना कांग्रेस नेताओं की राजनीतिक हताशा ही नहीं, बल्कि उनकी बेवकूफी भी प्रदर्शित करता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शादी अब बंधन या विकल्प? मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट ने क्यों बढ़ाई 'परिवार' की चिंता

(ज्योति सिडाना)

असमानता, बदलती जीवनशैली और आर्थिक स्वतंत्रता के बीच विवाह और परिवार की पारंपरिक परिभाषा तेजी से बदल रही है, जिससे रिश्तों की स्थिरता और भविष्य की सामाजिक संरचना पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। विवाह और परिवार को समाज की नींव माना जाता है। भारतीय संस्कृति में विवाह को एक संस्कार की संज्ञा दी गई है, मगर भौतिकवाद और उपभोक्तावाद ने इसके स्वरूप और अर्थ दोनों को बदल दिया है। आज बाजारवाद इतना हावी हो गया है कि सामाजिक संबंध केवल दिखावे तक सिमट कर रह गए हैं। डिजिटल तकनीक के इस दौर में आभासी संसार अस्तित्व में आ गया है, जो हकीकत की दुनिया से कोसों दूर है, जहां सब कुछ दिखावटी और संवेदनहीन है।

दिखावे के लिए विवाह समारोहों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं और इस पवित्र बंधन को भी बाजार का हिस्सा बना दिया गया है। इसे समाज में प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है, मगर इस होड़ में रिश्तों की आत्मीयता कहीं पीछे छूट गई है। देश में आए दिन सामने आने वाले घरेलू हिंसा, आत्महत्या के लिए मजबूर करने और तलाक के मामलों से पता चलता है कि लोगों की रिश्ते निभाने की इच्छाशक्ति कमजोर पड़ती जा रही है।

हाल के दिनों में घरेलू हिंसा के कई मामले चर्चा में रहे, जिनमें कहीं चरित्र पर संदेह तो कहीं दहेज की मांग ने जिंदगियां लील लीं। जीवन में पैसा जरूरी है, लेकिन क्या इतना जरूरी है कि किसी की हत्या कर दी जाए या आत्महत्या करने के लिए बाध्य कर दिया जाए। सरकार की ओर से महिला सशक्तीकरण को लेकर कई अभियान और योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका अपेक्षित प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। महिलाओं में शिक्षा की दर जरूर बढ़ी है, लेकिन उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हाल ही में आई मॉर्गन स्टैनली की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक 25 से 44 वर्ष तक की लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं अविवाहित या बच्चों के बिना रहने को प्राथमिकता देंगी। आने वाले दिनों में लड़कियां अपने करियर, पढ़ाई और निजी खुशियों को तुलनात्मक रूप से अधिक महत्व देना पसंद करेंगी। एक समय था जब विवाह को जीवन का जरूरी एवं महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता था, लेकिन तेजी से बदलती जीवनशैली में विवाह करना या न करना एक व्यक्तिगत फैसला बन गया है। महिलाएं अब ऐसे रिश्तों से समझौता नहीं करना चाहतीं जहां उन्हें समानता न मिले। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि इसके पीछे अनेक कारण जिम्मेदार रहे हैं।

सदियों से परिवार के भीतर ही महिलाओं को असमानता और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षित होने के बाद भी महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में कोई विशेष अंतर नहीं आया है। हालांकि समाज के एक वर्ग में उच्च शिक्षा और आधुनिकता से परिवारों की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। शहरी और कुछ शिक्षित परिवारों में बेटियों को बेटों के समान शिक्षा और अवसर दिए जा रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी सुधार की जरूरत है।

सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 30-40 की उम्र में महिलाओं के तलाक लेने और दोबारा शादी न करने का फैसला लेने की संभावना अधिक होती है। आर्थिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत प्राथमिकताएं भी इसकी वजह बन रही हैं। इससे संकेत मिलते हैं कि भविष्य में महिलाओं की जीवनशैली एवं परिवार के प्रति दृष्टिकोण में काफी बदलाव देखने को मिल सकता है।

कुछ सामाजिक विज्ञानियों का मानना है कि परिवार में महिलाओं को सम्मान और बराबरी का दर्जा नहीं मिलने से उनके भीतर हीन भावना पैदा होना स्वाभाविक है। यह स्थिति पारिवारिक परिवेश के बाहर महिला के जीवन की अपेक्षित संभावनाओं को क्षीण कर देती है। संभवतः इसी स्थिति के कारण उभरने वाले खतरों और चुनौतियों को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने बीते मार्च में एक अहम फैसले में स्पष्ट किया कि पत्नी नौकरानी नहीं, बल्कि जीवनसाथी है। घरेलू काम करना सिर्फ पत्नी की जिम्मेदारी नहीं है और घर का काम न करना तलाक का आधार नहीं हो सकता।

अगर कोई महिला अकेले अपना जीवन व्यतीत करना चाहती है, तो समाज में उसकी गरिमा और सम्मान को किसी तरह की चोट नहीं पहुंचनी चाहिए। हमें एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां विवाह किसी महिला की मजबूरी या उसकी पहचान का अंत न हो, बल्कि दो बराबर के इंसानों का स्वतंत्र फैसला हो। विवाह और परिवार के भीतर छिपी अधिकारों एवं भागीदारी की असमानता को खत्म कर बराबरी का संतुलन कायम करना होगा।

दृश्यता का युग और अस्तित्व का संकट

(विजय सिंह अधिकारी)

हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां दृश्यता खुद एक मूल्य बन गई है, और अस्तित्व धीरे-धीरे 'होने' से हटकर 'दिखाई दे' की शर्त पर टिक गया है। अब केवल उपस्थित होना पर्याप्त नहीं। व्यक्ति, विचार और रचना- तीनों को निरंतर प्रमाणित होना पड़ता है। यह केवल सामाजिक परिवर्तन नहीं, बल्कि आधुनिक चेतना की एक गहरी पुनर्रचना है, जहां 'होना' अब 'दृश्य होना' बनता जा रहा है। यह परिवर्तन केवल बाहरी नहीं, बल्कि गहराई में जाकर यह तय करता है कि मनुष्य खुद को कैसे समझे। पहले पहचान भीतर से बनती थी और धीरे-धीरे समाज में प्रकट होती थी। अब पहचान पहले दिखाई देती है और धीरे-धीरे भीतर बसने लगती है। उदाहरण के लिए, किसी विद्यार्थी की उपलब्धि अब केवल उसके ज्ञान का प्रमाण नहीं रहती, बल्कि उसके 'प्रोफाइल' की वृद्धि का माध्यम बन जाती है।

इसी प्रकार किसी लेखक की रचना पहले पढ़ी नहीं जाती, बल्कि पहले 'शेयर' और 'रीच' के आंकड़ों में देखी जाती है। जीवन एक सतत प्रस्तुति बन गया है इस परिवर्तन ने मनुष्य के आत्मबोध को भीतर से बाहर की ओर मोड़ दिया है। जीवन अब एक आंतरिक यात्रा नहीं, बल्कि एक सतत प्रस्तुति बन गया है, जहां व्यक्ति जीता है और उसी क्षण खुद को देखता भी है। यह स्थिति आधुनिक मनोविज्ञान में 'सेल्फ आब्जेक्टिफिकेशन' जैसी प्रवृत्ति से जुड़ती है, जहां व्यक्ति स्वयं को एक दर्शनीय वस्तु की तरह देखने लगता है।

सोशल मीडिया इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। एक साधारण अनुभव, जैसे किसी मित्र से मिलना, किसी स्थान की यात्रा, या किसी भोजन का स्वाद- अब अपने मूल रूप में नहीं रहता। उसका पहले एक ढांचा बनता है, फिर 'पोस्ट', फिर उसे देखने वालों का आंकड़ा।

अनुभव का मौन पक्ष पीछे छूट जाता है। यहां एक सूक्ष्म विडंबना जन्म लेती है- जितना अधिक जीवन साझा होता है, उतना ही उसका मौन क्षीण होता जाता है। कभी चिंतन और आत्मनिर्माण की प्रयोगशाला रहा एकांत अब खालीपन या 'अनुत्पादक समय' लगने लगा है। परिणामस्वरूप मनुष्य के भीतर एक विभाजन गहरा होता है- एक अनुभव करने वाला स्व और दूसरा अनुभव को संपादित करने वाला स्व।

इसी प्रवृत्ति का विस्तार कला, साहित्य और विचार-जगत तक पहुंचता है, जहां रचना का मूल्य क्रमशः उसकी दृश्यता, पहुंच और ब्रांड-छवि से निर्धारित होने लगता है। आज यह असामान्य नहीं कि कोई कविता अपने अर्थ से पहले इंस्टाग्राम-स्वरूप में पहचानी जाए, या कोई चित्र अपनी कलात्मक गहराई से पहले 'वायरल शेयर' से जाना जाए।

लेखक और कलाकार केवल सर्जक नहीं

इस स्थिति में लेखक और कलाकार केवल सर्जक नहीं रहते, बल्कि अपनी ही दृश्यता के प्रबंधक बन जाते हैं। कई समकालीन लेखक अब अपनी लोक-छवि और डिजिटल उपस्थिति को ज्यादा महत्त्वपूर्ण मानने लगे हैं। इस बदलाव ने रचना और रचयिता के संबंध को उलट दिया है। जहां पहले रचना व्यक्ति को परिभाषित करती थी, अब व्यक्ति रचना की दृश्यता को परिभाषित करता है।

इसके समांतर, प्रकृति और श्रम एक भिन्न अस्तित्व-तर्क प्रस्तुत करते हैं। वृक्ष बिना किसी दर्शक के फल देता है। यहां उत्पादन और प्रदर्शन अलग हैं। नदी बिना किसी स्वीकृति के बहती है और मिट्टी बिना किसी प्रशंसा के जीवन को धारण करती है। हिमालय की बर्फ, जो किसी 'दृश्यता-तंत्र' का हिस्सा नहीं, फिर भी नदियों का स्रोत है- यह मौन उत्पादन का उदाहरण है। किसान का जीवन मौसम, बीज और मिट्टी के साथ एक गहरा

संवाद करता है, पर उसका श्रम अंतिम रूप में केवल 'मंडी मूल्य' में दिखाई देता है। दिल्ली या मुंबई की मेज पर जो रोटी रखी है, वह दृश्य है, लेकिन उसके पीछे का श्रम अदृश्य है। इसी प्रकार, निर्माण स्थल पर काम करने वाला श्रमिक उस इमारत का निर्माता है, पर इमारत की पहचान में वह अनुपस्थित है। यह 'अदृश्य श्रम' आधुनिक सभ्यता की संरचना का आधार है।

महात्मा गांधी ने सत्य को साधना बनाया

महात्मा गांधी ने सार्वजनिक जीवन को आत्म-प्रदर्शन नहीं, बल्कि सत्य की साधना बनाया, जहां चरखा केवल प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का नैतिक संकेत था। भगत सिंह ने अपने लेखों में स्पष्ट किया कि व्यक्ति क्षणिक है, पर विचार स्थायी। इसलिए उन्होंने अपने जीवन को भी विचार के विस्तार में बदल दिया। इसी संदर्भ में आधुनिक गुमनाम कलाकार बैंक्सी, एलेना फेरांटे और थामस पिंचन एक अलग प्रकार की चुनौती प्रस्तुत करते हैं। बैंक्सी की कला इसलिए प्रभावशाली है, क्योंकि वह हस्ताक्षर से मुक्त है। उसका अर्थ व्यक्ति से नहीं, स्थान और संदर्भ से जन्म लेता है। एलेना फेरांटे का साहित्य यह प्रश्न उठाता है कि क्या लेखक का जीवन उसके लेखन से अधिक महत्त्वपूर्ण है। थामस पिंचन की चुप्पी साहित्य में इस तथ्य को उजागर करती है कि अनुपस्थिति भी एक संरचना बन सकती है। मगर यह प्रतिरोध भी स्थिर नहीं रहता। दृश्यता की संस्थाएं- मीडिया, बाजार और जन-जिज्ञासा गुमनामी को भी एक नई कथा में बदल देती हैं। उदाहरण के लिए, किसी अनाम कलाकार की कृति जितनी रहस्यमयी होती है, उतनी ही तेजी से वह मीडिया-चर्चा का विषय बन जाती है। इस प्रकार गुमनामी भी आखिर दृश्यता के तंत्र में फिर समाहित हो जाती है। अनुपस्थिति भी एक प्रकार की उपस्थिति बन जाती है।प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य उस अदृश्य श्रम, मौन सृजन और बिना प्रत्याशा के दिए जाने वाले योगदान को देखने की दृष्टि विकसित कर पाया है, जिस पर उसका पूरा दृश्य संसार टिका हुआ है, या उसकी दृष्टि केवल उसी तक सीमित हो गई है, जो दिखता है, मापा जा सकता है और साझा किया जा सकता है। यही वह गहरा तनाव है जिसमें आधुनिक सभ्यता स्थित है- दृश्यता और मौन के बीच, प्रदर्शन और अस्तित्व के बीच, तथा पहचान और विसर्जन के बीच एक निरंतर खिंचा हुआ, लेकिन जीवित संतुलन।

स्कूल, कालेजों की खंगाली जायेगी कुंडली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले के सभी सरकारी, अल्पसंख्यक, मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों, कालेजों और सार्वजनिक पुस्तकालयों की व्यवस्था को अब पूरी तरह से खंगाला जाएगा। राज्य में पठन-पाठन की संस्कृति, इंफ्रास्ट्रक्चर और ज्ञान संबंधी संसाधनों का सही मूल्यांकन करने के लिए झारखंड विधानसभा की पुस्तकालय विकास समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने जिले के सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। झारखंड विधानसभा की पुस्तकालय विकास समिति की पिछले माह हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि राज्य के सभी जिलों से पुस्तकालयों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी जाए। इसी आलोक में विधानसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव संतोष कुमार सिंह ने सभी उपायुक्तों को पत्र जारी किया था।

इसके आलोक में डीईओ ने बीआरपी, सीआरपी और बीपीओ के सहयोग से डाटा जुटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। डीईओ अभिषेक झा ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इसके लिए किसी भी तरह के स्मार पत्र का इंतजार न करें और निर्धारित एक सप्ताह के अंदर हार्ड एवं साफ्ट कापी में हर हाल में रिपोर्ट कार्यालय को सौंपना सुनिश्चित करें। जारी पत्र के अनुसार धनबाद के सभी पुस्तकालयों से जुड़ी बारीक से बारीक जानकारी जुटाई जा रही है। सर्वे में मुख्य रूप से पुस्तकालयों में कुल पुस्तकों की संख्या के साथ-साथ उनका प्रकार बताना होगा। पुस्तकालय भवन की स्थिति कैसी है? छात्रों के बैठने की व्यवस्था, बिजली-बत्ती, पेयजल और इंटरनेट एवं डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता है या नहीं, क्या पुस्तकालयों में शौचालय की सुविधा है? यदि नहीं, तो इसका ठोस कारण बताना होगा।

किन-किन संस्थानों में पुस्तकाध्यक्ष के पद स्वीकृत हैं, कहां पदस्थापन हुआ है और कहां सीटें खाली हैं, इसका पूरा ब्योरा देना होगा।

व्यवसायी के खातों से ठगों ने उड़ाये लाखों रुपये

30 मिनट में किया छह ट्रांजेक्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल में साइबर अपराधियों का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बार ठगों ने राजगंज मोड़ निवासी प्रतिष्ठित व्यवसायी राम प्रसाद अग्रवाल को अपना निशाना बनाते हुए यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक आफ इंडिया के दो अलग-अलग खातों से कुल दो लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली।इस शातिर ठगी का खुलासा तब हुआ जब व्यवसायी के मोबाइल पर लगातार ट्रांजेक्शन संबंधी संदेश आने लगे। आनन-फानन में पीड़ित व्यवसायी बैंक पहुंचे और संबंधित खातों को फ्रीज कराया। पीड़ित ने इस संबंध में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल में लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर स्थानीय थाना में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार 22 जून की सुबह 10:52 बजे से 11:22 बजे के बीच महज आधे घंटे के भीतर साइबर ठगों ने यूपीआई के माध्यम से व्यवसायी के दोनों खातों को खंगाल डाला और कुल छह ट्रांजेक्शन कर दो लाख रुपये निकाल लिए।

पीड़ित व्यवसायी ने बताया कि गत 19 जून को डॉक्टर से अप्वाइंटमेंट बुक करने के लिए वे गूगल पर नंबर खोज रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को डॉक्टर का सहायक बताकर ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट के नाम पर मात्र 5 रुपये का भुगतान करने को कहा।

ऑटो-पे के माध्यम से भुगतान का प्रयास करते समय व्यवसायी ने अपना यूपीआई पिन दर्ज कर दिया, हालांकि उस समय वह ट्रांजैक्शन असफल रहा। इसके बाद से ही उनके मोबाइल पर बैंक खाते को यूपीआई से लिंक किए जाने संबंधी संदेश आने लगे और सोमवार को सुबह शातिरों ने उनके दो बैंक खातों से करीब 2 लाख रुपये की अवैध निकासी कर घटना को अंजाम दे दिया। बैंक ऑफ इंडिया, राजगंज शाखा के प्रबंधक अविनाश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही जिन खातों से राशि हस्तांतरित की गई है, उन्हें सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल फ्रीज कर दिया गया है तथा आगे की आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया जारी है।

शाखा प्रबंधक ने आम जनता और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें।

कार और स्कूल मैजिक वैन में टक्कर, दो जख्मी

मौके पर मची चीख पुकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बाईपास थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुमका मुख्य मार्ग पर होंडा शोरूम के समीप एक कार और स्कूल मैजिक वैन के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस सड़क हादसे में स्कूल वैन में सवार दो बच्चे घायल हो गए हैं। वहीं, वैन चालक की पहचान बबरगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर निवासी छोटू पासवान के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर राहत और बचाव के लिए दौड़े। लोगों की मदद से घायल बच्चों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और गाड़ियों की रफ्तार थम गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुमका मुख्य मार्ग पर रफ्तार के कहर के कारण पहले भी कई बड़ी सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। यह इलाका धीरे-धीरे दुर्घटना संभावित क्षेत्र बनता जा रहा है। तेज रफ्तार और असावधानी के कारण इस मार्ग पर अक्सर गाड़ियां आपस में टकराती रहती हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भी प्रशासन के प्रति नाराजगी है।

दुर्घटना की शिकार हुई क्षतिग्रस्त कार के मालिक की पहचान हो गई है। जानकारी के अनुसार, कार हुसैनाबाद (गुलाबबाग) निवासी मोहम्मद आसिफ की है। हादसे के वक्त कार की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है, जिसके चलते चालक संतुलन खो बैठा और सामने से आ रही स्कूल वैन से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई।

मारपीट से ई-रिक्शा चालकों में भारी आक्रोश, गिरफ्तारी की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रेलवे स्टेशन के पुराना बाजार रेलवे फाटक स्थित ई-रिक्शा पार्किंग में आज एक ई-रिक्शा चालक पर हुए जानलेवा हमला, मारपीट, लूट एवं अपहरण के प्रयास की घटना के विरोध में झारखंड ई-रिक्शा टोटो संघ के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में सदस्यों ने बैंक मोड़ थाना पहुँचकर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।मंगलवार को ई-रिक्शा चालक प्रदीप कुमार गुप्ता पार्किंग स्थल पर मौजूद थे। उसी दौरान पुराना बाजार निवासी रत्नेश सिंह का एक कर्मचारी पार्किंग परिसर में कचरा फेंकने लगा। विरोध करने पर उसने अभद्र व्यवहार किया और कुछ ही देर बाद रत्नेश सिंह लगभग 10-12 लोगों के साथ लाठी एवं लोहे की रॉड लेकर घटनास्थल पर पहुँचा। संघ का आरोप है कि सभी ने मिलकर प्रदीप कुमार गुप्ता पर हमला किया, उनकी बेरहमी से पिटाई की, उनकी शर्ट फाड़ दी, जेब से लगभग 1,200 छीन लिए तथा उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने का भी प्रयास किया।

संघ ने बताया कि जब अन्य ई-रिक्शा चालक बचाव के लिए आगे आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। हमले में प्रदीप कुमार गुप्ता के सिर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पुलिस ने घायल चालक को उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा।

घटना के उपरांत झारखंड ई-रिक्शा टोटो संघ के संरक्षक बैभव सिन्हा घायल चालक के साथ बैंक मोड़ थाना पहुँचे और रत्नेश सिंह तथा उसके साथ आए सभी ज्ञात एवं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। संघ ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित करने, निष्पक्ष जांच करने तथा सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

बैभव सिन्हा ने कहा कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र में कार्यरत ई-रिक्शा चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो झारखंड ई-रिक्शा टोटो संघ लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। मौके पर मुख्य रूप से संघ के अध्यक्ष अनिल यादव, राजू वर्मा, राजेश सिंह, मासूम खान, धर्मेंद्र कुमार, मदन कुमार, संजय कुमार, सुनील कुमार, नीतीश कुमार सहित दर्जनों चालकों उपस्थित थे।

राजस्वकर्मी निलंबित

कटिहार। राजस्व विभाग में जनसाधारण के काम पारदर्शी, नियमानुकुल व भ्रष्टाचार रहित किये जाने की कवायद की जा रही है। लेकिन इस विभाग में कतिपय धनलोलुप व भ्रष्ट कर्मी अपनी आदत से बाज नहीं आ रहे। ताजा मामला जिले के आजमनगर प्रखंड के पिंढाल पंचायत के राजस्व कर्मी सुनील ठाकुर से जूडा हुआ है। उक्त राजस्वकर्मी द्वारा एक किसान से म्यूटेशन के नाम पर रिश्वत लिये जाने का दृष्य विभिन्न सोशल मिडिया चैनलों प्रसारित व प्रिंट मिडिया में भी प्रकाशित है। मामला प्रकाश में आने के तत्काल बाद जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्वकर्मी सुनील ठाकुर को तत्काल निलंबित करते हुए इस दिशा में अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक जांच दल का गठन कर दिया है। जो एक सप्ताह के अन्दर जांच पूरी कर विस्तृत प्रतिवेदन सौपेगा। उक्त राजस्वकर्मी पर आरोप है कि वह एक किसान से भूमि म्यूटेशन के नाम पर तीसरी बार नजराना(ले रहा था। जो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट में किया समर्पित

मामला कैदी के गर्भवती होने एवं यौन शोषण का

कोर्ट ने स्वतः लिया था संज्ञान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में एक महिला बंदी के गर्भवती होने और उसके साथ कथित यौन शोषण के मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट तथा रांची के न्यायायुक्त (जुडिशियल कमिश्नर) की ओर से कराई गई न्यायिक जांच की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष प्रस्तुत की। दोनों रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद अदालत ने मामले में अगली सुनवाई नौ जुलाई को निर्धारित की है।

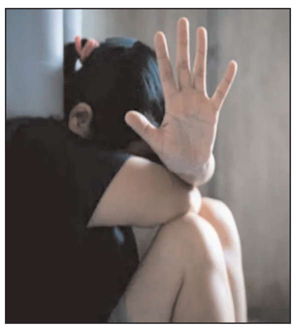

पिछली सुनवाई में राज्य सरकार ने अदालत को बताया था कि रांची के न्यायायुक्त ने 19 मई को न्यायिक दंडाधिकारी को मामले की न्यायिक जांच करने और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पीड़ित महिला बंदी की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट तथा न्यायिक जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा मामला उठाए जाने और मीडिया में खबरें प्रकाशित होने के बाद झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने जांच टीम गठित की थी। टीम ने जेल पहुंचकर पीड़िता, जेल के पैरा लीगल वालंटियर (पीएलवी) और जेल चिकित्सक के बयान दर्ज किए थे। जांच रिपोर्ट झालसा को सौंप दी गई थी।

इसके अलावा रांची जिला प्रशासन और जेल आइजी की ओर से भी अलग-अलग स्तर पर जांच कराई गई थी। इस मामले में हाई कोर्ट स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रहा है।

विस की प्रत्यायुक्त की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को सर्किट हाउस बोकारो के सभागार में झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान समिति की बैठक अध्यक्ष सरयू राय की अध्यक्षता में सम्पन्न। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, अपर समाहर्ता सुनील चंद्र, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित अन्य सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष ने सर्वप्रथम समिति की प्रासंगिकता एवं महत्ता को बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के समक्ष रेखांकित किया। तत्पश्चात एक-एक सभी विभागों के कार्यों एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सूचना अधिकार अधिनियम 2005, सेवा की गारंटी अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम आदि विषयों पर आम जनता के अधिकारों के बारे में बताते हुए इन विषयों में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। जिला में अस्पतालों की स्थिति, पेयजल की सुविधा, कचरा निष्पादन, प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित की भी जानकारी ली।

खाद के लिए किसान परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। सरकार द्वारा खाद वितरण में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट के तहत किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर छोटे, सीमांत और महिला किसानों के लिए ओटीपी आधारित व्यवस्था बड़ी चुनौती बन गई है। खाद लेने के लिए किसानों के मोबाइल नंबर पर भेजे जाने वाले ओटीपी की अनिवार्यता के कारण कई किसान घंटों तक दुकानों पर इंतजार करने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या और कई किसानों के मोबाइल नंबर आधार या किसान पंजीकरण से अपडेट नहीं होने के कारण ओटीपी समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते खाद वितरण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। किसानों का कहना है कि जरूरत के समय खाद नहीं मिलने से खेती का काम प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि सबसे बड़ी परेशानी यह है कि ऑनलाइन पंजीकरण कराने के बाद उन्हें अगले दिन खाद मिल रहा है।

टूर्नामेंट की सफल मेजबानी को ले अधिकारियों ने की मंथन

आयोजन की तैयारियों पर मैराथन चर्चा ☐ खेल, देशभक्ति और संस्कृति का होगा संगम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की खेल यात्रा में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। रांची पहली बार प्रतिष्ठित डूरंड कप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंटों में शामिल डूरंड कप का आयोजन संभावित रूप से 26 जुलाई 2026 से शुरू होगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों को लेकर सोमवार को पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मुकेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डूरंड कप के सफल आयोजन के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को लेकर व्यापक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। विभिन्न विभागों और हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान स्टेडियम की तैयारियों, संचालन संबंधी आवश्यकताओं, सुरक्षा व्यवस्था, लॉजिस्टिक प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और दर्शकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि रांची में पहली बार डूरंड कप का आयोजन झारखंड में फुटबॉल के विकास और खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का सफल आयोजन भविष्य में रांची में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाएगा। साथ ही झारखंड को बड़े खेल आयोजनों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। डूरंड कप 2026 का उद्घाटन समारोह खेल, देशभक्ति, भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं और झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम होगा। समारोह के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से रोमांचक प्रदर्शन किए जाएंगे। आर्मी बैंड की विशेष प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र होगी। इसके अलावा पारंपरिक नृत्य कार्यक्रमों के माध्यम से झारखंड की लोक और जनजातीय संस्कृति को भव्य रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। सचिव ने सभी संबंधित विभागों और हितधारकों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए सभी तैयारियां तय समय सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, अधिकारियों, फुटबॉल प्रेमियों और दर्शकों को एक यादगार अनुभव उपलब्ध कराना आयोजन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी।

अखिल भारतीय अनु.जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने गोपाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को धनबाद में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा झारखंड इकाई के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गोपाल यादव का अभिनंदन एल सी रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में किया गया । समारोह में सैकड़ों की संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि आज दिल्ली से चलकर हमारे संयुक्त मोर्चा के चेयरमैन डॉ. ओम सुधा आए है और मुझे प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है मुझे झारखंड के अधिवक्ताओं , डॉक्टरों शिक्षित युवाओं समेत एससी एसटी ओबीसी अल्पसंख्यक लोगों का समर्थन और प्यार मिला है । मैं सभी के सहयोग से संयुक्त मोर्चा को पूरे झारखंड में फैलाने, एकजुट करने का काम करूँगा। हमारे लोगो का जो शोषण या शोषित करने का अगर काम किया जायेगा तो उसको मुंह तोड़ जवाब देने का काम करेंगे। आगे कहा की बस्ताकोला के रहने वाले उमेश यादव की हत्या के बाद रोड जाम कर उसके हत्यारे को पकड़ने और मुआवजा का काम हमारे मोर्चा द्वारा किया गया । धनबाद में जो शिक्षा व्यस्था में आरक्षण होने के बावजूद एडमिशन में फजीर्वाड़ा है उस मुद्दे को उठाने का काम करेंगे। जो युवा साथी भटक चुके है उनको मुख्य धारा में लाने का काम करूंगा ।कार्यक्रम में संयुक्त मोर्चा के चेयरमैन ओम सुधा, राष्ट्रीय सचिव महेश यादव, नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष गोपाल यादव,प्रदेश महासचिव छोटन प्रसाद राम,धनबाद महिला जिलाध्यक्ष ललिता देवी, सचिव रजनी देवी, धनबाद जिलाध्यक्ष अशोक चन्द्रवंशी ,प्रदेश सचिव जय प्रकाश यादव, प्रदेश प्रवक्ता मुमताज कुरेशी,प्रदेश संरक्षक प्रो. बीएन राय, गणपत महतो,पारस यादव, अधिवक्ता राकेश यादव, अधिवक्ता विरेंद्र रजक,डॉ. दिलिप कुमार, कामता प्रसाद को मंच पर पुष्पगुच्छ देकर व अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

सर्वसम्मति से सौरभ पाण्डेय बने अध्यक्ष, दीपक उपाध्यक्ष

तांडव बम की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। भूली ए ब्लॉक में तांडव बम संस्था की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। विश्वजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बेहद शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल के बीच पुरानी कमिटी के पिछले कार्यकाल का पूरा लेखा-जोखा और वित्तीय विवरणी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने पिछले कार्यों की गहन समीक्षा की और संस्था की उपलब्धियों को सराहा।

बैठक के दौरान पूरी तरह से लोकतांत्रिक और पारदर्शी तरीके से चुनाव की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद सभी पदाधिकारियों को उनके नए पदों और जिम्मेदारियों की आधिकारिक घोषणा की गई। नई कार्यकारी कमिटी में सौरभ पाण्डेय को अध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई है, जबकि अजय ठाकुर को संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पंकज सिन्हा को प्रबंधक, दीपक प्रमाणिक को उपाध्यक्ष और राजेश कुमार (डीजे) को सचिव मनोनीत किया गया है। संस्था के वित्तीय मामलों की देखरेख के लिए सुरेन्द्र यादव को कोषाध्यक्ष और विनोद कुमार को उप-कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, प्रचार-प्रसार की कमान सोनू गुप्ता को सौंपते हुए उन्हें मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। बैठक के समापन पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संस्था के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। बैठक और चुनाव प्रक्रिया के दौरान वरीय पदाधिकारी विजय सिन्हा, विश्वजीत सिन्हा, पंकज प्रसाद, अखिलेश दुबे, संजय बाउरी, सोनू तिवारी और विनय जयसवाल सहित कई वरिष्ठ व सम्मानित सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

लोक संवाद कार्यक्रम में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा के द्धारा है हम आपको सुनते है...(लोक संवाद) कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से पहुँचे ग्रामीणों व आम नागरिकों ने अपनी समस्या एवं शिकायत उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

लोक संवाद कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण, विद्युत व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनहित से जुड़े मामलों को नागरिकों द्वारा उठाया गया। उपायुक्त ने एक-एक आवेदन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। लोक संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच सीधे संवाद स्थापित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करें तथा निर्धारित समयावधि में प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन मामलों का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, उन्हें शीघ्र निष्पादित किया जाए ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चंद्र, डीपीआरओ रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन सहित अन्य उपस्थित थे।

द योगा इंस्टीट्यूट ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जश्न देशभर में मनाया

मुंबई, एजेंसी। दुनिया का सबसे पुराना संगठित योग केंद्र और पिछले 107 वर्षों से समग्र स्वास्थ्य शिक्षा की अगुवाई करने वाले मुंबई के सांताक्रूज स्थित द योगा इंस्टीट्यूट (टीवाईआई) ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को बड़े पैमाने और पूरे जोशो-खरोश के साथ मनाया। इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अनुरूप, इस इंस्टीट्यूट ने सरकारी संस्थानों, रक्षा प्रतिष्ठानों, कॉरपोरेट दफ्तरों, शैक्षणिक परिसरों, हवाई अड्डों और वैश्विक डिजिटल मंचों के जरिए सैकड़ों कार्यक्रमों आयोजित कर लाखों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की।मुंबई से चेन्नई, जयपुर से भुवनेश्वर तक आयोजित इन कार्यक्रमों ने हर उम्र और हर पेशे के लोगों के बीच स्वस्थ वृद्धावस्था का पैगाम पहुंचाया। साथ ही, स्वास्थ्य की देखभाल, मानसिक मजबूती और जागरूक जीवनशैली में योग की अहम भूमिका को भी उजागर किया। इस मौके पर डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा, ÷बुढ़ापा जीवन की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन शारीरिक और मानसिक गिरावट लाज़िमी नहीं है। योग के माध्यम से हम शरीर की ताकत, मन की स्पष्टता, भावनाओं का संतुलन और दिल की खुशी को बरकरार रख सकते हैं। स्वस्थ वृद्धावस्था का मतलब सिर्फ जीवन के वर्षों में इज़ाफ़ा करना नहीं, बल्कि हर साल में ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और मकसद को शामिल करना है। 10 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने, एक लाख से अधिक प्रमाणित योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करने तथा योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त करने वाला द योगा इंस्टीट्यूट आज भी दुनिया भर में प्रामाणिक योग शिक्षा को बढ़ावा देते हुए लोगों को अधिक स्वस्थ और सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहा है।

मप्र के विश्वविद्यालयों में मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम आयोजित होंगे

भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मध्यप्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विश्वविद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं नशामुक्ति अभियान संचालित करने का अनुरोध प्रदेश के प्रसिद्ध डॉक्टर एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर के कार्य परिषद सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किया गया था। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान समय में युवाओं एवं विद्यार्थियों के मध्य मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएँ तथा नशे की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक एवं शैक्षणिक चुनौती के रुप में उभर रही है। यह स्थिति न केवल उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर रही है।

25 जून के बाद बढ़ सकती है परेशानी!

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर इस सप्ताह आपको बैंक से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम करना है, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। नकदी निकालना, चेक जमा करना, डिमांड ड्रॉफ्ट बनवाना या किसी अन्य बैंक शाखा से संबंधित काम को टालना महंगा पड़ सकता है, क्योंकि इस सप्ताह के अंत में देश के कई हिस्सों में बैंक लगातार तीन दिनों तक बंद रहने वाले हैं। ऐसे में ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने सभी जरूरी बैंकिंग काम पहले ही पूरा कर लें, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि 22 जून से 25 जून तक बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे। इन दिनों सरकारी और निजी दोनों बैंक अपनी नियमित सेवाएं देते रहेंगे और ग्राहक बिना किसी रुकावट के अपने काम निपटा सकेंगे। लेकिन, 26 जून से शुरू होने वाला लंबा अवकाश बैंकिंग सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर कई राज्यों और शहरों में बैंक बंद रहेंगे। यह अवकाश पूरे देश में लागू नहीं होगा, बल्कि चुनिंदा राज्यों और शहरों में रहेगा। इसलिए ग्राहकों को सलाह दी जाती है

भारत बिल्डकॉन 2026 ने कराया 400 करोड़ से अधिक का कारोबार

बिल्डिंग मैटेरियल्स उद्योग के लिए भारत का सबसे बड़ा वैश्विक मंच बनकर उभरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिल्डिंग मैटेरियल्स, निर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों की भारत की प्रमुख प्रदर्शनी भारत बिल्डकॉन 2026 का समापन नई दिल्ली के यशोभूमि में शानदार सफलता के साथ हुआ। इस आयोजन ने एक बार फिर वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में भारत की मजबूत स्थिति को स्थापित किया। चार दिवसीय इस आयोजन में दुनिया भर से 40,000 से अधिक आगंतुकों, प्रतिनिधियों और खरीदारों ने भाग लिया, जिससे भारतीय निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए अभूतपूर्व व्यावसायिक अवसर सृजित हुए। 30 से अधिक देशों और भारत के 100 से अधिक शहरों से आए प्रतिभागियों की उपस्थिति के साथ भारत बिल्डकॉन 2026 ने बिल्डिंग मैटेरियल्स उद्योग के लिए देश के वन नेशन, वन एक्सपो प्लेटफॉर्म बनने के अपने विज़न को सफलतापूर्वक साकार किया। प्रदर्शनी के दौरान 400 करोड़ से अधिक के व्यावसायिक लेन-देन हुए तथा 8,000 से अधिक उच्च-क्षमता वाले बिजनेस लीड्स प्राप्त हुए, जिनके आने वाले महीनों में बड़े व्यावसायिक समझौतों में परिवर्तित होने की उम्मीद है।

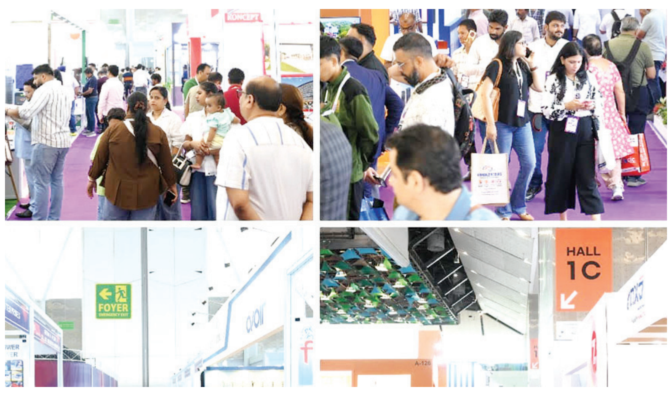

निर्माताओं, निर्यातकों, आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स, डेवलपर्स, ठेकेदारों, वितरकों, रिटेलर्स और वैश्विक खरीदारों को एक ही छत के नीचे लाकर भारत बिल्डकॉन 2026 ने एक अनूठा व्यापारिक मंच तैयार किया, जिसने भारतीय उद्योगों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ा। प्रदर्शनी में सिरेमिक्स, सैनिटरीवेयर, टाइल्स, नेचुरल स्टोन, लैमिनेट्स, पेंट्स, हार्डवेयर, निर्माण सामग्री और संबद्ध क्षेत्रों में भारत की विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इस संस्करण की एक प्रमुख विशेषता मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रही, जिसने भारतीय कंपनियों-विशेषकर एमएसएमई और उभरते निर्माताओं-को वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच प्रदान की। एक्सपो ने भारतीय ब्रांड्स को विभिन्न देशों के खरीदारों, वितरकों और सोर्सिंग साझेदारों के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर दिया, जिससे उन्हें निर्यात संभावनाओं का पता लगाने और अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिली। कार्यक्रम की सफलता पर भारत बिल्डकॉन के निदेशक श्री विशाल आचार्य ने कहा, भारत बिल्डकॉन 2026 की सफलता केवल प्रदर्शनी के दौरान हुए कारोबार तक सीमित नहीं है। इस संस्करण की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, सरकारी विभागों और वैश्विक खरीदारों को एक ही मंच पर लाना रहा। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग , गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (त्नद्गरू), वाणिज्य विभाग, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा विभिन्न एमएसएमई हितधारकों जैसी प्रमुख संस्थाओं और विभागों की सक्रिय भागीदारी ने सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और व्यावसायिक विकास के लिए सार्थक अवसर पैदा किए।

इंटरियो बाई गोदरेज ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4,000 करोड़ का राजस्व दर्ज किया; वित्त वर्ष 2026-27 में 25 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटरियो बाई गोदरेज ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ?4,000 करोड़ का राजस्व (रेवेन्यू) दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि है। इस साल के दौरान कंपनी ने 100 नए शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ाई, जबकि नए उत्पादों की बिक्री का कुल बिजनेस में 22 प्रतिशत योगदान रहा। लगातार रिटेल विस्तार, बाजार में गहरी पहुंच, ऑनलाइन बिक्री में बढ़ोतरी और फर्नीचर की नई कैटेगरी शुरू करने के दम पर इंटरियो ने वित्त वर्ष 2026-27 में अपने राजस्व को 25 प्रतिशत बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी का इरादा वित्त वर्ष 27 के दौरान 102 नए स्टोर खोलने का भी है, जिसमें उत्तर और पूर्वी भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस प्रदर्शन और भविष्य के नजरिए पर बात करते हुए इंटरियो बाई गोदरेज के बिजनेस हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, स्वप्नील नगरकर ने कहा, भारतीय फर्नीचर उद्योग बदलाव के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां ग्राहकों की उम्मीदें केवल उपयोगिता से बढ़कर डिजाइन, लचीलेपन (फ्लेक्सिबिलिटी), टेक्नोलॉजी और ओवरऑल लिविंग एक्सपीरियंस (रहने के अनुभव) की तरफ बढ़ रही हैं। भारतीय फर्नीचर बाजार 2031 तक बढ़कर 45.52 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। आज के आधुनिक भारतीय घर अधिक अनुकूल, बहुउद्देशीय (मल्टीफंक्शनल) और निजी जीवनशैली को दर्शाने वाले बन रहे हैं। यह बात ग्राहकों द्वारा फर्नीचर के लुक, उपयोगिता, मजबूती और सुविधा को परखने के तरीके को प्रभावित कर रही है।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने ऐतिहासिक इंडियन नेशनल थियेटर को दिया नया रूप

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने आईएनटी आदित्य बिड़ला परफॉर्मिंग आर्ट्स एकेडमी की शुरुआत की है, जिससे भारत के सबसे पुराने और प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्थानों में से एक को नया रूप और नया उद्देश्य मिला है। यह इंडियन नेशनल थियेटर (आईएनटी) के लिए एक नई शुरुआत है। इस संस्था ने देश की आजादी के पहले से लेकर आज तक कलाकारों और दर्शकों की कई पीढ़ियों को तैयार किया है। राजश्री बिड़ला ने, आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन श्री कुमार मंगलम बिड़ला, श्रीमती नीरजा बिड़ला, सुश्री अनन्या बिड़ला और श्री आर्यमन विक्रम बिड़ला की गरिमामयी उपस्थिति में किया। यह पहल आदित्य बिड़ला समूह के इतिहास की एक खास विशेषता को दर्शाती है÷ ऐसे संस्थानों का निर्माण करना जो दीर्घकालिक विकासात्मक संपत्ति बन जाते हैं। समूह ने पीढ़ियों से स्कूलों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, अनुसंधान केंद्रों, सांस्कृतिक संस्थानों और सामुदायिक मंचों के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में निवेश किया है। आईएनटी का यह नया रूप उसी विरासत को आगे बढ़ाता है, जिससे एक ऐसा स्थान तैयार होगा जहाँ भारत की कलात्मक परंपराओं को भावी पीढ़ियों

के लिए संरक्षित, सराहा और नए रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह एकेडमी केवल एक परफॉर्मिंग आर्ट्स केंद्र नहीं है, बल्कि इसे कलात्मक उत्कृष्टता के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़े नवाचार और प्रयोगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ थिएटर, संगीत और नृत्य के क्षेत्रों में प्रतिभाओं को निखारेगा। लॉन्च के अवसर पर, श्रीमती राजश्री बिड़ला ने कहा, आईएनटी आदित्य बिड़ला परफॉर्मिंग आर्ट्स एकेडमी, भारत की शानदार कला और संस्कृति को हमारा सलाम है। यह उन अनगिनत लोगों के प्रति सम्मान है, जिन्होंने सालों से हमारी परंपराओं को जिंदा रखा है। यह एकेडमी श्री आदित्य विक्रम बिड़ला की इस सोच को पूरा करती है कि कला, कल्पना और संस्कृति एक अच्छे समाज के लिए बहुत ज़रूरी हैं। हम एक ऐसा संस्थान बनाना चाहते हैं जो हमारी पुरानी और पारंपरिक कलाओं का आदर करे, नए ज़माने की सोच को भी अपनाए और नए कलाकारों को आगे बढ़ने के मौके दे। सबसे बढ़कर, हम उम्मीद करते हैं कि यह एक ऐसा देशव्यापी मंच बने जहाँ भारत के अलग-अलग कोनों से लोग एक साथ आ सकें, एक-दूसरे से सीख सकें और देश में कला के भविष्य को बेहतर बना सकें।एकेडमी की सलाहकार परिषद में भारतीय परफॉर्मिंग आर्ट्स के कुछ सबसे प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं, जिनमें उस्ताद अमजद अली खान, डॉ. एन. राजम, शंकर महादेवन, उल्हास कशालकर, अरुणा साईराम, लालगुड़ी जीजेआर कृष्णन, लुइस बैंक्स, बेला सहगल, यू. राजेश, सिद्धार्थ रॉय कपूर, रजित कपूर, टेरेंस लुईस और क्लिंट वलादारेस शामिल हैं, जिनमें से कई लोग इस लॉन्च में शामिल हुए।

3,400 से ज़्यादा गाड़ियों के ऑर्डर के साथ ईसीवी मार्केट में अपनी लीडरशिप मज़बूत की

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता और सभी प्रकार के मोबिलिटी समाधान उपलब्धथ कराने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने आज घोषणा की है कि उसे विभिन्न श्रेणियों में 3,400 से अधिक इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों के ऑर्डर मिले हैं। यह ऑर्डर भारत में माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मुख्यधारा में बड़े पैमाने पर अपनाए जाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्राप्त ऑर्डर्स में लगभग 2,000 छोटे कमर्शियल वाहन और पिक-अप, करीब 900 ट्रक और 500 बसें शामिल हैं। इन वाहनों को ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और एफएमसीडी डिस्ट्रीब्यूशन, शहरों के भीतर आवाजाही से लेकर सीमेंट, स्टील, माइनिंग और रनवे (टारमैक) ऑपरेशंस जैसे कड़े व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ-साथ इंटर सिटी व इंटर स्टे ट यात्री परिवहन के काम में लगाया जाएगा। विभिन्न उद्योगों में इन वाहनों का व्यापक उपयोग वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों पर ग्राहकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है और भारत के शून्य-उत्सर्जन कमर्शियल मोबिलिटी एजेंडे को आगे बढ़ाने में टाटा मोटर्स के नेतृत्व को और सुदृढ़ करता है। यह इस बात का भी स्पष्ट संकेत है कि इलेक्ट्रिक वाहन अब केवल शुरुआती प्रायोगिक परियोजनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न व्यवसायों के नियमित और बड़े पैमाने के कामकाज का हिस्सा बन रहे हैं। भारत में कमर्शियल वाहनों के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अब शुरुआती दौर से निकलकर बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की ओर बढ़ रही है, कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो और एक मजबूत सहयोगी इकोसिस्टम के साथ इस बदलाव का नेतृत्व कर रही है, जो इलेक्ट्रिफिकेशन को व्यावहारिक और लाभदायक दोनों बनाता है। केवल वाहन बेचने से आगे बढ़कर, कंपनी प्रदर्शन, वाहनों के अपटाइम, चार्जिंग और फाइनेंसिंग को वाहन के पूरे जीवनकाल में बेहतर बनाने के लिए फ्लीट मालिकों और ग्राहकों के साथ मिलकर काम कर रही है।

फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने बोनस की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजियस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 202.80 करोड़ के अपने वार्षिक बोनस की घोषणा की है। यह महत्वपूर्ण पड़ाव कंपनी द्वारा लगातार 12वें वर्ष बोनस घोषणा को दर्शाता है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यह पॉलिसीधारकों को लगातार बेहतर मूल्य (वैल्यू) देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। पिछले तीन वर्षों में 32 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआरको दर्शाते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी की इस बोनस घोषणा से 1,40,651 पार्टिसिपेटिंग (मुनाफे में हिस्सेदार) पॉलिसीधारकों को लाभ होगा।

ageas life FEDERAL
Har Wada Mumkin

अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने अपने अनुशासित निवेश दृष्टिकोण और समझदारी भरे फंड प्रबंधन के दम पर, पार्टिसिपेटिंग प्रोडक्ट्स में रिवर्शनरी बोनस दरों को बढ़ाया है, साथ ही चुनिंदा प्लान्स के लिए कैश बोनस दरों में भी संशोधन किया है। घोषित किए गए बोनस में रिवर्शनेरी बोनस, कैश बोनस और टर्मिनल बोनस शामिल हैं, जो पारंपरिक और आधुनिक पार्टिसिपेटिंग प्लान्स की एक विस्तृत श्रृंखला पर लागू होते हैं।

वित्त वर्ष 2025ङ्क26 के लिए कई उत्पादों में रिवर्शनरी बोनस की दरों को बढ़ाया गया है। बचत-आधारित योजनाओं में, उत्पाद की विशेषताओं और पॉलिसी अवधि के आधार पर बोनस की दर गारंटीड सम एश्योर्ड का अधिकतम 11.90 प्रतिशत और सम एश्योर्ड का अधिकतम 6.50 प्रतिशत तक होगी।

इसके अलावा, सुपर कैश प्लान के तहत कैश बोनस की दरों में भी संशोधन किया गया है। प्रीमियम भुगतान अवधि के आधार पर यह दर मैच्योरिटी सम एश्योर्ड का अधिकतम 2.00 प्रतिशत तक होगी। इन सुधारों का उद्देश्य पॉलिसी अवधि के दौरान बेहतर नकदी उपलब्धता और नियमित आय सुनिश्चित करना है।

सतना सीमेंट वर्क्स एवं आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में हुआ आयोजन

सतना। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की इकाई सतना सीमेंट वर्क्स एवं आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। सतना सीमेंट वर्क्स में कार्यक्रम का आयोजन एचआर क्लस्टर हेड श्री प्रदीप सिंह बघेल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर यूनिट हेड श्री कौशल मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों एवं श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर यूनिट में कार्यक्रम का नेतृत्व यूएच डीके पटेल द्वारा किया गया, जिनके मार्गदर्शन में कर्मचारियों ने योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। योग के माध्यम से अनुशासन, एकाग्रता, तनाव प्रबंधन एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर श्री कौशल मिश्रा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन अपनाने का आह्वान किया। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रू. 199.75 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा की

सूरत, एजेंसी। सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड जो पीईटी चिप्स, पार्टियली ओरिएंटेड यार्न , फुली ड्रॉन यार्न और पॉलिएस्टर टेक्सचराइज्ड यार्न का उत्पादन करने वाली अग्रणी एकीकृत पॉलिएस्टर निर्माता कंपनी है, ने अपने पात्र शेयरधारकों के लिए राइट्स इश्यू की घोषणा की है। इसका उद्देश्य कंपनी की वित्तीय लचीलापन बढ़ाना और रणनीतिक कारोबारी प्राथमिकताओं को समर्थन देना है।

राइट्स इश्यू का विवरण

सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 16.84 करोड़ पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर जारी कर कुल 199.75 करोड़ के राइट्स इश्यू की शर्तों को मंजूरी दे दी है। कंपनी राइट्स इश्यू से प्राप्त राशि में से 49.00 करोड़ का उपयोग गुजरात के सूरत में नाकोडा लिमिटेड से अधिग्रहित अतिरिक्त 1,40,000 टन प्रति वर्ष क्षमता वाले पॉलिएस्टर चिप्स प्लांट के अधिग्रहण और संचालन शुरू करने के लिए करेगी।इस परियोजना की कुल लागत 90.00 करोड़ है, जिसमें शेष 41.00 करोड़ की व्यवस्था कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों (इंटरनल एक्रूअल्स) से करेगी।वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही में इस संयंत्र के पुनः संचालन शुरू होने की उम्मीद है। इसके शुरू होने से कंपनी का बैकवर्ड इंटीग्रेशन मजबूत होगा और उसके डाउनस्ट्रीम पॉलिएस्टर विनिर्माण कारोबार को भी समर्थन मिलेगा। राइट्स इश्यू से प्राप्त राशि का प्रस्तावित उपयोग (194.90 करोड़) कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कच्चे माल की सुचारु खरीद सुनिश्चित करने के लिए। नाकोडा परिसंपत्तियों का एकीकरण (49.90 करोड़) नाकोडा लिमिटेड से अधिग्रहित परिसंपत्तियों के एकीकरण, संचालन और क्षमता विस्तार के लिए।

कर्ज़ का भुगतान (23.00 करोड़)

मौजूदा ऋण का अग्रिम भुगतान कर वित्तीय लागत कम करने और कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए। कैप्टिव सोलर पावर प्लांट स्थापित कर ऊर्जा लागत कम करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता बढ़ाने के लिए। कंपनी की पूंजी आवंटन रणनीति चार प्रमुख स्तंभों-विनिर्माण क्षमता विस्तार, परिसंपत्तियों का एकीकरण, बैलेंस शीट को मजबूत करना और ऊर्जा सुरक्षा-पर आधारित है। इन पहलों से परिचालन क्षमता और संसाधन दक्षता में सुधार होगा तथा कंपनी के दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिलेगी। राइट्स इश्यू से जुटाई गई पूंजी के माध्यम से सुमीत इंडस्ट्रीज़ कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करेगी, अधिग्रहित विनिर्माण परिसंपत्तियों के एकीकरण में तेजी लाएगी, कर्ज़ कम कर पूंजी संरचना को बेहतर बनाएगी और कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र के जरिए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाएगी। इन पहलों से परिचालन दक्षता और विनिर्माण क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। सुमीत इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री प्रतीक आर. जाजू ने कहा, ÷यह राइट्स इश्यू सुमीत इंडस्ट्रीज़ की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और कंपनी की परिचालन एवं वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डेल्हिवरी ने फ्रंटलाईन वर्कर्स के लिए भारत का सबसे विस्तृत वैलफेयर प्रोग्राम 'अभयम' शुरू किया

बैंगलुरू, एजेंसी। डेल्हिवरी ने देश में अपनी लगभग 1 लाख फ्रंटलाईन वर्कफोर्स के सदस्यों के लिए डेल्हिवरी का सबसे विस्तृत बेनेफिट प्रोग्राम अभयम शुरू किया है। यह प्रोग्राम इन-फेसिलिटी एसोसिएट्स और लास्ट-माईल राईडर्स के लिए है। यह प्रोग्राम कंपनी की 15वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 22 जून, 2026 को शुरू किया गया था। अभयम के अंतर्गत 15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, फैमिली हैल्थ कवर, बच्चों की स्कॉलरशिप और करियर के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

15 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, हॉस्पिटल में भर्ती होने पर आय की सुरक्षा और दवाईयों पर छूट।

सिक्योरिटी: पत्नी और 2 बच्चों के लिए हैल्थ कवर, व्यक्तिगत लोन, स्कूल के लिए स्कॉलरशिप और पत्नी एवं बेटियों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण की

आसान उपलब्धता।

डेवलपमेंट: एनपीएस स्कीम की उपलब्धता, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग, और वित्तीय मजबूती के लिए कमाए गए वेतन की आसान उपलब्धता। डेल्हिवरी के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ एचआर ऑफिसर, सूरज सहारन ने कहा, ''हमारे फ्रंटलाईन वर्कर्स ने पिछले 15 सालों में 5 बिलियन से अधिक शिपमेंट पहुँचाए हैं। शुरुआत की है। हमारा मानना है कि यह भारत में सबसे अच्छा प्रोग्राम है। यह हमारे कर्मचारियों को सबसे बेहतर सेवा प्रदान करने में समर्थ बनाएगा। साथ ही, इसकी मदद से उनके स्वास्थ्य एवं परिवार को भी सुरक्षा मिलेगी।'' फ्रंटलाईन वर्कर भारत की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके बाद भी वो सबसे अधिक वित्तीय जोखिमों के अधीन रहते हैं क्योंकि एक बार हॉस्पिटल में भर्ती होने पर उनकी महीनों की कमाई चली जाती है। अभयम विस्तृत सपोर्ट फ्रेमवर्क की मदद से इस जोखिम को दूर कर रहा है। यह उन्हें दुर्घटना का कवरेज, स्वास्थ्य बीमा और आय की सुरक्षा प्रदान कर रहा है, ताकि सड़क पर कोई भी अप्रत्याशित दुर्घटना होने पर वो वित्तीय संकट में न आएं। यह प्रोग्राम सुरक्षा प्रदान करने के अलावा परिवारों के लिए बेनेफिट्स भी पेश कर रहा है। परिवार की सुरक्षा फ्रंटलाईन वर्कर की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए फ्रंटलाईन वर्कर्स के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप, पत्नी के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और उन्हें औपचारिक क्रेडिट उपलब्ध होने से अनौपचारिक कर्जदाताओं पर उनकी निर्भरता कम होगी।

फिल्मों के बजट का बड़ा हिस्सा स्टार्स पर खर्च होता है

पंजाबी एक्टर गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा।

गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट। इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है।

विदेशी इंडस्ट्री से तुलना की

गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है'। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, 'लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है'।

लागत पर ध्यान की बजाय सुधार की जरूरत

गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है'। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे नानी

लीड एक्टर की तलाश जारी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है। स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं।

लीड एक्ट्रेस का हुआ चुनाव

इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं।

जारी है लीड एक्टर की तलाश

खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है।

कब शुरू हो सकती है शूटिंग?

फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

अदा शर्मा ने मराठी सिनेमा की तरफ बढ़ाए कदम

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है।

अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

'द आर्चीज' नहीं मिलती तो नौकरी ढूंढ रहा होता, इस फिल्म ने बदली जिंदगी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

मैंने कभी उस पूरे अनुभव को बुरे नजरिए से नहीं देखा

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

इस फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

आज भी बाकी कलाकारों के संपर्क में हैं वेदांग

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन जोया अख्तर ने किया था। इस फिल्म से सुहाना खान, अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, अदिति सहगल और युवराज मेंडा ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

मां बनने के बाद बहुत सारा काम हाथ से गया

डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते हैं

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गयाा, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।' सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन - पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये हैं कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

जब ईयर फोन लगा मैदान पर उतरे क्रोनिए-डोनाल्ड

गांगुली ने पकड़ा, नहीं हुई कोई कार्रवाई

नई दिल्ली। क्रिकेट में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है। रिप्ले से लेकर रिव्यू तक टेक्नोलॉजी की वजह से ही संभव हो पाया है। हालांकि, मैदान पर खिलाड़ियों के टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से परहेज ही किया जाता रहा है। इसका कारण है कि किसी टीम को अनुचित लाभ न मिले। इसका फायदा सट्टेबाज उठा

सकते हैं और मैच फिक्सिंग तक हो सकती है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का फोन मैच शुरू होने से पहले जमा करा दिया जाता है। यही कारण है कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर के डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने पर बवाल हो गया था। हालांकि, 1999 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के कप्तान दिवंगत हैंसी क्रोनिए और एलन डोनाल्ड ईयर फोन लगाकर भारत के खिलाफ मैच में मैदान पर उतर गए थे। कोच दिवंगत वॉब वूल्मर उन्हें ड्रेसिंग रूम से निर्देश दे रहे थे। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने यह जान गए थे, जिसके बाद दोनों को ईयरफोन हटाना पड़ा, लेकिन उन्हें कोई सजा नहीं हुई।

क्रोनिए और डोनाल्ड ने इयरपीस लगाए हुए थे– मामला 15 मई 1999 का है जब साउथ अफ्रीका टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भारत के खिलाफ मैदान पर उतरा तो क्रोनिए और डोनाल्ड ने इयरपीस लगाए हुए थे। पहले बैटिंग कर रही भारतीय टीम को इस पर ध्यान देने में कुछ समय लगा। टीवी पर कमेंटेटर्स ने शुरू में इसे देखा। जल्द ही सचिन तेंदुलकर के साथ ओपनिंग करने वाले सौरव गांगुली का इस पर ध्यान गया। उनहोंने इसके बारे में अंपायरों को बताया।

भारत खिलाफ ब्रूक कप्तान, कार्स-ओवर्टन बाहर

- 3 खिलाड़ियों की वापसी, भारत से T20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने सोमवार (22 जून) को भारत के खिलाफ 1 जुलाई से 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान क दिया। हैरी ब्रूक की अगुआई वाली टीम में 17 खिलाड़ियों को चुना गया है। जॉर्डन कॉक्स, सोनी बेकर और साकिब महमूद की टीम में वापसी हुई है। तीनों टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं थे। ब्रायडन कार्स और जेमी ओवर्टन चोटिल होने के कारण नहीं चुने हए। ऑलराउंडर जेम्स कोल्स नए चेहरे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद इंग्लैंड की टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया था। टूर्नामेंट में हैरी ब्रूक की अगुआई वाली टीम सेमीफाइनल खेली। जैकब बेथल की शानदार पारी के बाद भी भारत से उसे हाई स्कोरिंग मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

जैकब बेथल-सैम करन का चयन

इंग्लैंड की टीम में जैकब बेथल और सैम करन को भी चुना गया है। बेथल चोट के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल 2026 पूरा नहीं खेल पाए थे। करन भी चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के लिए उपलब्ध नहीं थे। ओवर्टन को चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ही खेलते हुए चोट लगी थी।

बटलर के लिए सीरीज अहम– भारत के खिलाफ सीरीज में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर पर निगाहें होंगी। टी20 वर्ल्ड कप में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। 2026 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए 11 मैच खेले हैं और 11 पारियों में 15.27 के औसत और 124.44 के स्ट्राइक रेट से 168 रन बनाए हैं।

टीम इंडिया को आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज से पहले झटका

हार्दिक के बाद नीतिश भी बाहर!

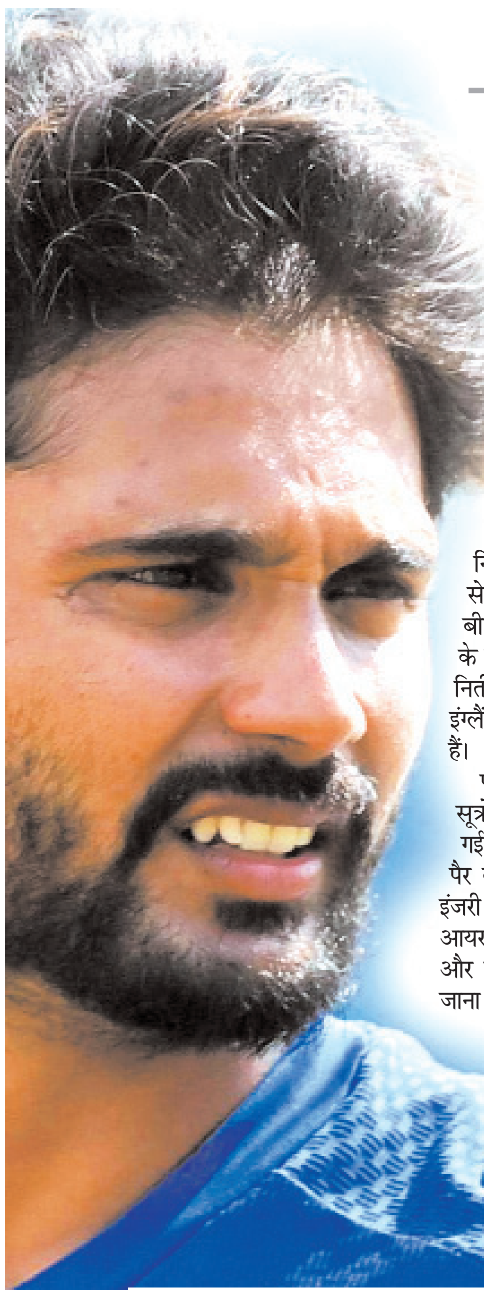

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज से पहले बड़ा झटका लगता दिख रहा है। हार्दिक पंड्या पहले से ही इस टीम से बाहर हैं और चोट के कारण दोनों दौरे का हिस्सा नहीं हैं। अब नितीश कुमार रेड्डी भी दोनों दौरे से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई सूत्रों की जानकारी के मुताबिक आयरलैंड सीरीज से नितीश का बाहर होना तय है। वह इंग्लैंड का दौरा भी मिस कर सकते हैं।

पीटीआई द्वारा बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से जानकारी दी गई है कि नितीश कुमार रेड्डी बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों की इंजरी से ग्रसित हैं। इसी कारण वह आयरलैंड दौरे से बाहर हो गए हैं और इंग्लैंड के दौरे पर भी उनका जाना मुश्किल है। अभी हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से इस पर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। यह भी देखने वाली होगी कि हार्दिक और नितीश की इंजरी के बाद टीम किस ऑलराउंडर को लाएगी।

नितीश कुमार रेड्डी हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज का हिस्सा थे। उन्होंने पहला और तीसरा मुकाबला खेला था। दूसरे मैच में वह नहीं खेले थे और कप्तान शुभमन गिल ने बताया था कि वह मांसपेशियों में दिक्कत के कारण नहीं खेल रहे। फिर तीसरे वनडे में उनकी वापसी हुई लेकिन 6 ओवर में 42 रन खर्च करते हुए उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। अब एक बार फिर उनकी वही दिक्कत सामने आई है और अब खबरें हैं आयलैंड और इंग्लैंड सीरीज से बाहर होने की।

इससे पहले इंग्लैंड के पिछले रेड बॉल दौरे पर भी वह बीच सीरीज से ही बाहर हो गए थे। रेड्डी की इंजरी की समस्या लगातार सामने आ रही है। आईपीएल 2025 में भी वह ज्यादा गेंदबाजी करते नजर नहीं आए थे। जबकि आईपीएल 2026 में उन्होंने बॉलिंग का वर्कलोड बढ़ाया था लेकिन फिर उनकी फिटनेस ने साथ नहीं दिया है। अब देखना होगा कि रेड्डी की जगह कौन लेगा।

स्टर्लिंग समेत 6 खिलाड़ी बाहर, टकर कप्तान

भारत के खिलाफ आयरलैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ 2 मैचों की टी20 सीरीज के लिए सोमवार (22 जून) को आयरलैंड की टीम का ऐलान हो गया। कप्तान पॉल स्टर्लिंग और जोशुआ लिटिल समेत छह खिलाड़ी चोटिल होने के कारण सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। लोर्कन टकर को स्टर्लिंग की गौरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आयरलैंड की टी20 टीम का स्थाई कप्तान नियुक्त कर दिया गया है।

टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का स्क्वाड

लोर्कन टकर (कप्तान), रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, मैथ्यू हम्फ्रीज, गेविन होए, मैथ्यू होलार्ड, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, रूबेन विल्सन।

पहली बार टीम इंडिया की जर्सी मिलने पर बोले वैभव सूर्यवंशी

‘अपनी खुशी बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं’

नई दिल्ली। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरी दुनिया में तहलका मचा देने वाले वैभव सूर्यवंशी ने उस भावनात्मक पल को याद किया है, जब उन्हें पहली बार भारतीय टीम की जर्सी दी गई। वैभव ने कहा है कि उस पल उन्हें लगा कि सबसे पहली बार उन्होंने बैट क्यों उठाया था। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में वैभव ने कहा, ‘इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैंने जिस वजह से पहले दिन से बल्ला उठाया और अभ्यास के लिए मैदान पर गया। वह सपना अब पूरा हो गया है। उस सफर का सबसे बड़ा कदम आज पूरा हुआ। मैं सच में इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।’ वैभव ने कहा, ‘मैंने जब वह टी–शर्ट देखी तो मुझे ऐसा लगा जैसे यह एक सपना हो। मैं मुस्कुराना बंद नहीं कर सका। कभी–कभी ऐसी चीजें हो जाती हैं जिनके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। हमें उस समय प्रतिक्रिया देने किए शब्द नहीं मिलते। मुझे भी बिल्कुल ऐसा ही लगा।‘ बीसीसीआई ने वीडियो का कैप्शन दिया है, ‘लेडीज एंड जेंटलमेन, जिस पल का देश इंतजार कर रहा था, वो आ गया है। वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया की जर्सी में, इस बहुत खास पल के गवाह बनें।‘

वैभव सूर्यवंशी को 15 साल और 71 दिन की उम्र में आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय सीनियर टीम में चुना गया था। वैभव ने अपने चयन के साथ ही सबसे कम उम्र में चुने जाने का सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। तेंदुलकर ने 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ इंडिया के लिए डेब्यू किया था। अगर सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू का मौका मिलता है, तो वह भारतीय सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे।

सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की तरफ से आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करने और ऑरेंज कैप का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम में शामिल किया गया। वैभव ने आईपीएल 2026 में आरआर के लिए 16 मैचों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए 776 रन बनाए थे।

38 साल के लियोनल मेसी ने रचा इतिहास

FIFA वर्ल्ड कप में बने सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

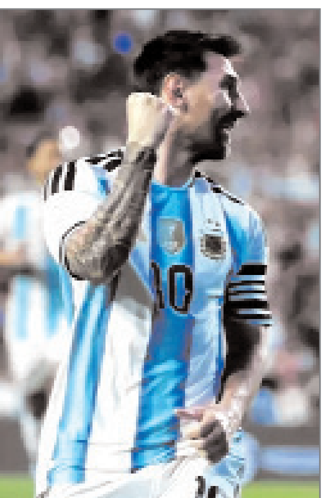

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने सोमवार (22 जून) को फुटबॉल विश्व कप में सबसे ज्यादा 17 गोद दागने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि ऑस्ट्रिया के खिलाफ मुकाबले में पेनल्टी किक में गोल दागने में असफल होने के लगभग आधे घंटे बाद हासिल की। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रिया के बीच विश्व कप मुकाबले के 38वें मिनट में मेसी ने यह गोल दागा। यह लगातार छठा विश्व कप मुकाबला है, जिसमें मेसी गोल करने में सफल रहे हैं।

इससे पहले, मेसी ने कंसास सिटी में पिछले मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ खेले गए ग्रुप-जे के शुरुआती मुकाबले के दौरान टूर्नामेंट में अपनी पहली हैट्रिक लगाकर विश्व कप में सबसे ज्यादा 16 गोल दागने के जर्मनी के स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली थी।

पेनल्टी किक में गोल दागने में चूके मेसी

मेसी के पास ऑस्ट्रिया के खिलाफ मैच के नौवें मिनट में ही विश्व कप में सबसे ज्यादा 17 गोद दागने का रिकॉर्ड बनाने का मौका था। हालांकि, वह पेनल्टी किक में गोल दागने में चूक गए। मेसी अपने करियर का छठा फुटबॉल विश्व कप खेल रहे हैं।

मेसी–एम्बाप्पे का डबल धमाल

अर्जेंटीना और फ्रांस की लगातार दूसरी जीत; हालैंड के सामने सेनेगल बेबस

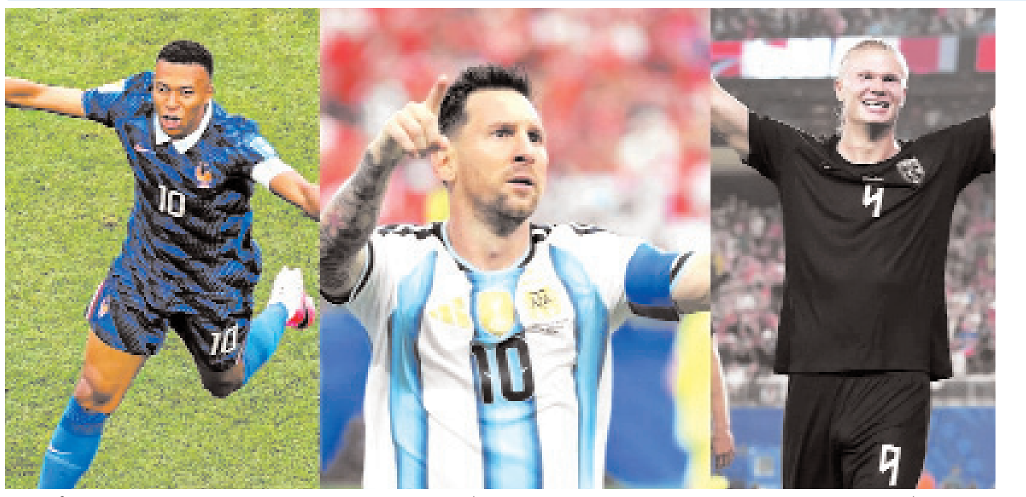

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 22 जून की रात लियोनल मेसी का जलवा देखने को मिला। फिर अगले मुकाबले में फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे का भी जादू दिखा। तीसरे मैच में नॉर्वे के स्टार एर्लिंग हालैंड का कमाल सेनेगल पर भारी पड़ गया। अर्जेंटीना ने मेसी के दो गेल के दम पर ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया। जबकि फ्रांस ने भी इराक को हराते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। वहीं दिन के तीसरे मुकाबले में नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से मात दी। यह मुकाबला रोमांचक था लेकिन नॉर्वे के स्टार एर्लिंग हालैंड के जादू ने सेनेगल की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सेनेगल को लगातार दूसरी हार इस फीफा वर्ल्ड कप में झेलनी पड़ी है। जबकि नॉर्वे की यह दूसरी जीत थी। पहले मैच में टीम ने इराक को मात दी थी।

किलियन एम्बाप्पे का चला जादू

अर्जेंटीना बनाम ऑस्ट्रिया मैच में मेसी के जादू के बाद दूसरे मुकाबले में किलियन एम्बाप्पे का जादू देखने को मिला। इराक के खिलाफ फ्रांस ने 3 गोल दागे और एक भी गोल नहीं होने दिया। किलियन एम्बाप्पे ने मैच में फ्रांस को बढ़त दिलाई और 14वें मिनट में शानदार गोल दागा। उसके बाद पूरे हाफ में कोई भी गोल नहीं हुआ। 54वें मिनट में एम्बाप्पे ने इराक के नेट में वापस से गेंद को भेजा और फ्रांस की लीड 2–0 हो गई। फिर 66वें मिनट में ओसमाने डेम्बेले के गोल से लीड 3–0 हुई और अंत में फ्रांस ने मुकाबला जीत लिया। इस जीत के बाद फ्रांस की टीम ग्रुप ढ्ढ में 6 अंकों के साथ टॉप पर है। वहीं इसी ग्रुप के दूसरे मुकाबले में नॉर्वे और सेनेगल की भिड़ंत हुई। नॉर्वे ने 3–2 से जीत दर्ज की।

लियोनल मेसी ने रचा इतिहास

मेसी ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ दो गोल दागे। उन्होंने पहला गोल करते ही इतिहास रचा। वह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उसके बाद उन्होंने मैच के अंतिम क्षणों में एक गोल और किया।

मौजूदा फीफा वर्ल्ड कप में मेसी के नाम इसी के साथ 5 गोल हो गए हैं। दो मैचों में ही मेसी ने कमाल कर दिया है और अभी तो आने वाले दिनों में कई मुकाबले खेले जाएंगे। अर्जेंटीना की टीम भी लगातार दूसरी जीत के बाद ग्रुप छ्व में 6 अंक लेकर टॉप पर है।

तिलक वर्मा का तूफान

56 गेंद पर कूटे 136 रन, 259 का लक्ष्य किया चेज

- अमन राव की 142 रन की पारी हुई बेकार

नई दिल्ली। तिलक वर्मा ने अपनी कप्तानी में 21 जून को इंडिया ए को वनडे ट्राई नेशन सीरीज का चैंपियन बनाया था। उसके तुरंत बाद वह तेलंगाना लीग में अपनी टीम मेडक फाल्कन्स के लिए खेलने हैदराबाद पहुंच गए। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक ने आयरलैंड दौरे से पहले अपनी टी20 की तैयारियों का प्रदर्शन किया और 56 गेंद पर 136 रन कूट दिए। इसी के साथ मेडक की टीम ने 259 रन का लक्ष्य चेज कर लिया।

इसी मुकाबले में वारंगल वॉरियर्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी अमन राव पेराला ने 48 गेंद पर 142 रन ठोके थे, जिसमें 32 गेंद पर ऐतिहासिक शतक भी आया था। उसके बाद तिलक के तूफान में अमन की यह पारी बेकार हो गई। पहले खेलते हुए वारंगल की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 258 रन बनाए थे। जवाब में मेडक फाल्कन्स ने 19.4 ओवर में 7 विकेट खोकर 259 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

तिलक वर्मा के स्ट्राइक रेट पर उठ रहे थे सवाल

हाल ही में खत्म हुई वनडे ट्राई सीरीज में तिलक वर्मा इंडिया ए के टॉप स्कोरर थे, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सवालों के घेरे में था। उससे पहले आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा था। अब तिलक ने आयरलैंड दौरे पर पहली बार उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालने से पहले ऐलान कर दिया है फॉर्म में वापसी का। तिलक वर्मा ने 43 गेंद पर इस पारी में शतक जड़ा। उन्होंने इसके बाद सेलिब्रेशन नहीं किया लेकिन अंत में जब टीम को उन्होंने 259 के लक्ष्य तक पहुंचाया तब वह खुशी से उछल पड़े। तिलक ने 56 गेंद में 136 रन की पारी खेली जिसमें 14 चौके 7 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 242.86 का रहा।

IPL 2027: नहीं बदलेगा CSK का कोच

लगातार 2 खराब सीजन के बाद भी फ्लेमिंग रहेंगे बरकरार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 और 2026 में खराब प्रदर्शन के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग सेटअप में बदलाव की संभावना नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग मुख्य कोच बने रहेंगे। वह आईपीएल 2008 से ही चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। 2009 में वह कोच बने थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स को अभी भी स्टीफन फ्लेमिंग पर भरोसा है, जिनके कोच रहते टीम 5 बार खिताब जीती है। चेन्नई सुपर किंग्स का फैनबेस टीम को जूझते हुए देखकर बदलाव चाह रहा था। सोशल मीडिया पर फ्लेमिंग को हटाने को लेकर कैंपेन भी चले। इसके बाद भी फ्रैंचाइजी में बदलाव की उम्मीद नहीं है। फ्लेमिंग कम से कम अगले सीजन तक हेड कोच बने रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

असोला भाटी अभयारण्य में रोपे जाएंगे 10 लाख देशी पौधे, संवरेगी अरावली की जैव विविधता

नई दिल्ली, एजेंसी। असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में व्यापक स्तर पर पारिस्थितिक इको-रिस्टोरेशन पौधरोपण कार्यक्रम एवं वन्यजीव संरक्षण संबंधी कार्य चल रहे हैं। इनका उद्देश्य दिल्ली की पारिस्थितिकीय क्षमता को मजबूत करना, क्षतिग्रस्त भूमि का पुनर्स्थापन करना तथा देशी जैव विविधता का संरक्षण करना है। दिल्ली सरकार के वन एवं वन्यजीव विभाग दक्षिण रिज क्षेत्र में 10 लाख से अधिक देशी पौधों का रोपण कराएगा। यह पौधे दिल्ली के हरित आवरण को मजबूत करेगा और अरावली क्षेत्र के प्राकृतिक स्वरूप को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए अभयारण्य में 218 जलस्रोत (वाटरहोल) विकसित किए गए हैं, ताकि गर्मी में वन्यजीवों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। हाल ही में कैमरा ट्रैप और फील्ड सर्वेक्षणों के माध्यम से अभयारण्य में अनेक वन्यजीव प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की गई है। इनमें भारतीय तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, चीतल, साही, विभिन्न सरीसृप तथा अनेक पक्षी प्रजातियां शामिल हैं।

सीबीआई ने सीनियर आईएएस पंकज अग्रवाल को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा सरकार में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे पंकज अग्रवाल को बड़े स्तर पर फंड के गबन के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। वे स्कूल शिक्षा विभाग और कृषि विभाग में प्रधान सचिव रह चुके हैं। सीबीआई उन्हें मंगलवार को अदालत में पेश कर सकती है। इन खातों में अनियंत्रित तरीके से फंड ट्रांसफर किए गए और धोखाधड़ी वाले लेन-देन के जरिए 60.54 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन कर लिया गया। मामले में उनके खिलाफ मजबूत सबूत मिले हैं। यह कार्रवाई हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (एचएसएसपीपी) और हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड (एचएसएएमबी) के चंडीगढ़ में खोले गए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सेक्टर-32 ब्रांच में खोले गए खातों से सरकारी धन के गबन के मामले में हुई है। सीबीआई की जांच में पाया गया कि वित विभाग के नियमों का उल्लंघन करते हुए इन खातों को पंकज अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान खोला गया था।

पूर्वी दिल्ली में प्रतिबंधित मार्गों पर बेलगाम ई-रिक्शा, जाम और हादसों का बढ़ता खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुनापार के कई प्रतिबंधित मार्गों पर ई-रिक्शा का संचालन लगातार जारी है। यातायात व्यवस्था को

सुचारु बनाए रखने के लिए जिन सड़कों पर इनके संचालन पर रोक लगाई गई है, वहां भी नियमों की अनदेखी हो रही है। इसके प्रमुख मार्गों पर भीषण जाम लगने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि सड़कों पर प्रशासन के सामने नियमों का उल्लंघन होता है, फिर भी कार्रवाई नहीं की जाती। पटपड़गंज रोड, स्वामी दयानंद सरस्वती मार्ग, जीटी रोड, विकास मार्ग समेत कई व्यस्त मार्गों पर प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। सड़क किनारे ही इनके अस्थायी और अवैध स्टैंड बन गए हैं। चालक सवारी के इंतजार में वाहनों को सड़क पर खड़ा कर देते हैं। लोगों का कहना है कि सड़क पर बेतरतीब दौड़ते वाहन यातायात को प्रभावित कर रहे हैं। सुबह और शाम के व्यस्त समय में इन मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और लोगों को जाम से जूझना पड़ता है। यह है कि प्रशासन और यातायात पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ई-रिक्शा का संचालन और सड़क पर बने अवैध स्टैंड बदस्तूर जारी हैं।

मानसून की सुस्त रफ्तार के बीच 'अल-नीनो' ने बढ़ाई टेंशन, अब दिल्ली-एनसीआर में कब होगी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम एक पहेली सा बनने लगा है। सर्दी सिकुड़ रही है, जबकि गर्मी का लगातार विस्तार हो रहा है। कभी मानसून समय पर नहीं आता और आ जाता है तो वर्षा ठीक से नहीं होती।

कहीं बारिश रिकॉर्डतोड़ हो जाती है और कहीं सूखे के हालात बन जाते हैं। इस साल भी मानसून और वर्षा को लेकर फिलहाल अनिश्चितता सी बनी हुई है। इसी को लेकर दैनिक जागरण के संजीव गुप्ता ने स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत से लंबी बातचीत की।

मानसून के आगे बढ़ने के लिए बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर एरिया बनना जरूरी होता है, जो इस बार शुरुआती दौर में नहीं बना। हिंद महासागर से आने वाली 'सोमालिया जेट स्ट्रीम' हवाएं भी कमजोर हैं। अब उम्मीद है कि 28-29 जून के आसपास बंगाल की खाड़ी में सिस्टम सक्रिय होगा। ऐसे में दिल्ली में जुलाई के प्रथम सप्ताह से पूर्व मानसून आने की संभावना काफी कम है। इसकी उम्मीद कम है। इस बार का अल-नीनो अब तक के सबसे मजबूत अल-नीनो में से एक है। इसका असर मानसून के आगे बढ़ने पर दिखेगा, जिससे जुलाई, अगस्त और सितंबर में भी वर्षा में कमी आ सकती है। हालांकि बीच-बीच में वर्षा के अच्छे दौर आएंगे। हो सकता है कि जुलाई-अगस्त में वर्षा सामान्य के आसपास पहुंच जाए, लेकिन जून की कमी की पूरी भरपाई नहीं हो पाएगी। इसकी वजह क्या है? यह केवल दिल्ली नहीं, बल्कि पूरे विश्व में हो रहा है।

दिल्ली में सर्दियां सिकुड़ती जा रही हैं और मानसून अनिश्चित होने लगा है। इसका बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ के पैटर्न में बदलाव है। जो विक्षोभ पहले अक्टूबर-नवंबर में आते थे, वे अब दिसंबर-जनवरी में आ रहे हैं और गर्मियों के महीनों (अप्रैल-मई) तक खिंच रहे हैं। यह जलवायु परिवर्तन का सीधा असर है।

कहां कमी है?

दिल्ली में बहुत सा विकास बिना किसी प्लानिंग के हुआ है। हमारी सीवेज लाइनें ब्लाक हैं, उनमें प्लास्टिक कचरा भरा रहता है। 40 मिमी वर्षा में ही पूरी दिल्ली जाम हो जाती है। मई में ही ड्रेनेज की सफाई हो जानी चाहिए। जब मौसम विभाग या स्काईमेट वेदर 'रेड अलर्ट' जारी करते हैं, तो एमसीडी को पहले से वाटर-पंप तैनात रखने चाहिए। लेकिन प्रशासन और मौसम विभाग या एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की भारी कमी के चलते ऐसा हो नहीं पाता।

क्या स्काईमेट वेदर प्रशासन को कोई विशेष इनपुट देता है?

जब भी तीन दिशाओं (उत्तर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर) से आने वाली हवाएं आपस में टकराती है तो अचानक भारी वर्षा (बादल फटने जैसी स्थिति) का खतरा बनता है। इस तरह के सिस्टम का पता हमें 24 से 48 घंटे पहले चल जाता है और हम तुरंत इसकी चेतावनी प्रशासन को दे देते हैं। प्रशासन को भी इस आपदा से बचने के लिए हमारी वार्निंग पर तुरंत एक्शन को हमेशा तैयार रहना चाहिए।

लीज का झंझट खत्म!

दिल्ली में कई कॉलोनियों को मिला मालिकाना हक

नईदिल्ली, एजेंसी। 1947 में पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को जिन कालोनियों में बसाया गया था, अब वहां रहने वाले अधिकतर लोगों के मकान फ्रीहोल्ड कर दिए गए हैं। केंद्र की भाजपा सरकार ने उन्हें मालिकाना अधिकार भी दे दिए हैं।

इन कॉलोनियों में किंग्जवे कैंप, लाजपत नगर, मालवीय नगर, कालकाजी, जंगपुरा, मोतीनगर, राजेंद्र नगर और पटेल नगर आदि हैं। इसके अलावा जिन 23 नजुल एसेस्टस यानी पुरानी दिल्ली के करोल बाग, पहाड़गंज, दरियागंज सदर बाजार, बेला रोड और यमुनापार में झिलमिल ताहिरपुर आदि कॉलोनियों में शरणार्थियों को बसाया गया था, उनमें से अधिकतर की लीज खत्म हो गई है। डीडीए जल्द ही उनके बारे में नया प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजेगा। यह मुद्दा दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लोकसभा में नियम-377 के तहत उठाया था। उन्होंने कहा था कि विभाजन के समय आए हजारों शरणार्थियों को दिल्ली में कई स्थानों पर मकान और प्लाट देकर बसाया गया था। सभी शरणार्थियों को प्लॉट और मकान लीज पर दिए गए थे। अब इन मकानों की लीज की अवधि खत्म हो चुकी है। इसके कारण वे न तो मकान का रेनोवेशन करा सकते हैं, न ही मरम्मत। संपत्ति उनके बच्चों के नाम पर ट्रांसफर भी नहीं हो सकती। उन्होंने आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री से अनुरोध किया था कि प्लॉटों और मकानों की लीज की अवधि बढ़ाकर इन हजारों लोगों को तुरंत राहत दी जाए। साथ ही प्लाट एवं मकानों को फ्रीहोल्ड करने की प्रक्रिया भी तुरंत ही शुरू की जाए। मामले में अब आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री तोखन साहू ने बिधूड़ी को पत्र भेजकर सूचित किया है कि इन सभी कॉलोनियों में अधिकतर प्रार्पटी को फ्रीहोल्ड कर दिया गया है। साथ ही यहां रहने वालों को मालिकाना अधिकार भी दे दिए गए हैं।

पश्चिमी दिल्ली में गरजा निगम का बुलडोजर, नाले पर बने अवैध निर्माण ध्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के तहत सोमवार को नगर निगम के पश्चिमी जोन द्वारा वार्ड संख्या 97 स्थित सुभाष नगर के श्याम नगर पुनर्वासित कॉलोनी में निगम ने बड़ी कार्रवाई की। इसके तहत पैसेफिक मॉल के पीछे विकास कार्यों में बाधा बन रहे

भारी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सोमवार को प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। पुलिस बल की मौजूदगी में चले इस अभियान के तहत नाले के ऊपर बने अस्थायी इमारतों को ढहा दिया गया, जिससे लगभग 300 वर्ग मीटर का क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त हो गया है। निगम अधिकारी ने बताया कि राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में विधायक फंड से होने वाले वर्षा जल निकासी के लिए नाले का निर्माण और आरएमसी सड़क के सुदृढ़ीकरण का काम होना है। लेकिन, मौजूदा नाले के ऊपर अवैध कब्जे के कारण यह विकास कार्य लंबे समय से रुका हुआ था। निगम को कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान नाले पर बनी कुल 25 इमारतों को पूरी तरह या आंशिक रूप से हटा दिया गया।

अब बेखौफ स्कूल जाएंगे नौनिहाल! दिल्ली में बच्चों की सुरक्षा के लिए 'री-डिजाइन' होंगी सड़कें

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चों की सुरक्षा के लिए सड़कें होंगी री-डिजाइन। इस योजना का मकसद दिल्ली में स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। इसके तहत दिल्ली सरकार ने मॉडल स्कूल सेफ ज़ोन परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दक्षिण दिल्ली के आश्रम क्षेत्र में हरि नगर स्थित सर्वोदय को-एड स्कूल के आसपास की सड़कों का आधुनिक मानकों के अनुरूप पुनः डिजाइन करेगा। परियोजना के लिए एक निजी परामर्शदाता (कंसल्टेंट) नियुक्त किया जाएगा, जो भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों के अनुरूप विस्तृत सड़क डिजाइन तैयार करेगा। इसमें स्कूल क्षेत्र की सभी सड़कों का जियोमेट्रिक अलाइनमेंट, सुरक्षित पैदल मार्ग, बाधारहित फुटपाथ तथा समर्पित साइकिल ट्रैक का प्रस्ताव शामिल होगा। पीडब्ल्यूडी ने सलाहकार की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार कार्यादेश जारी होने के बाद लगभग दो महीने

में विस्तृत डिजाइन तैयार कर लिया जाएगा। यह सरकारी स्कूल व्यस्त आश्रम चौराहे के निकट रिंग रोड पर स्थित है, जहां प्रतिदिन भारी यातायात का दबाव रहता है। इस कारण इस क्षेत्र को पायलट परियोजना के रूप में चुना गया है। इस परियोजना में सड़क को सुरक्षित बनाने के साथ-साथ आम जनता की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा। सड़क पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। वर्षा का पानी सड़क पर न भरे, इसके लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था होगी। रात में रोशनी के लिए आधुनिक स्ट्रीट लाइटें और सुरक्षित ट्रैफिक के लिए सिग्नल लगाए जाएंगे।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी: हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी।

अतिरिक्त रक्षा बजट को लेकर सांसदों में संशय

ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के मुकाबले लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा, तब हम इस पर विचार करेंगे और देखेंगे कि इसे कितना समर्थन मिलता है।' थ्यून ने कहा कि अमेरिका को अपने हथियारों और सैन्य सामग्री के भंडार को फिर से भरना होगा, जो न केवल ईरान से जुड़े घटनाक्रमों बल्कि उससे पहले की परिस्थितियों के कारण भी काफी हद तक कम हो चुके हैं। विश्लेषकों का मानना है कि इस फंडिंग प्रस्ताव को उन सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है जो ट्रंप के युद्ध संबंधी फैसले का समर्थन नहीं करते और बढ़ती महंगाई के बीच रक्षा बजट में और वृद्धि के पक्ष में नहीं हैं।

● घोड़ा-गाड़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने से मौत हो गई थी

यूएस में मां को बचाते जान गंवाने वाले भारतीय के नाम पर बनेगा कानून, विधेयक का नाम बदलकर रखा रोमांच्स लॉ

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में घोड़ा-गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने के लिए पेश किए गए एक विधेयक का नाम बदलकर, सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी से जुड़े एक दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय किशोर के नाम पर रखा जाएगा। पिछले सप्ताह 18 वर्षीय भारतीय युवक रोमांच महाजन की सेंट्रल पार्क में घोड़ा-गाड़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने से मौत हो गई थी। दरअसल महाजन की मां अचानक घोड़े के बेकाबू होने से घोड़ा-गाड़ी से गिर गई थीं, जिसके बाद महाजन ने अपने मां को बचाने के लिए गाडी से छलांग लगा दी थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और बुधवार को उसकी मौत हो गई थी। महाजन की मां को

मामूली चोटें आई हैं। इस हादसे के बाद सोमवार को सेंट्रल पार्क में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल के सदस्य क्रिस्टोफर मार्टे ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान मार्टे ने घोषणा की कि उन्होंने न्यूयॉर्क शहर में घोड़ा-गाड़ी पर प्रतिबंध लगाने के लिए राइडर्स लॉ नामक विधेयक पेश किया है और अब उसका नाम बदलकर दिवंगत किशोर के सम्मान में रोमांच्स लॉ किया जाएगा। उन्होंने पहले इस विधेयक का नाम 26 वर्षीय घोड़े राइडर के नाम पर रखा था। इस घोड़े को अगस्त 2022 में जबरन गाड़ी खींचने के लिए मजबूर किया जा रहा था और इस दौरान वह गिर पड़ा था।

ईरान को 300 अरब डॉलर कौन देगा? मार्को रुबियो के दौरे को लेकर खाड़ी देशों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते ने खाड़ी देशों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल खाड़ी देशों में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है कि समझौते के तहत ईरान को कितना पैसा मिलने वाला है और वो पैसा कौन देगी? अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम एशिया पहुंचने वाले हैं। जहां वे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कुवैत के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी प्रशासन पश्चिम एशिया में अपने सहयोगी देशों को यह यकीन दिलाने की कोशिश कर रहा है कि ईरान के साथ हुआ समझौता उनके हित में है।

हालांकि खाड़ी देशों की चिंता बनी हुई है। अधिकांश देशों ने अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष को समाप्त करने

की कोशिशों का स्वागत किया है। हालांकि, उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि अगर बातचीत सफल होती है तो ईरान को क्या-क्या रियायतें मिल सकती हैं और क्या यह समझौता ईरान की सैन्य महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने में सफल हो सकेगा या नहीं।

सबसे अधिक चर्चा ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए दिए जाने वाले 300 अरब डॉलर के पैकेज को लेकर हो रही है। शांति समझौते के ज्ञापन में कहा गया है कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर देगा। इस योजना को लागू करने की रूपरेखा अंतिम समझौते के तहत अगले 60 दिनों में तय की जाएगी।

खाड़ी देशों को आशंका है कि इतनी बड़ी राशि ईरान को युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई करने के साथ-साथ उसकी सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने में भी मदद कर सकती है।

इसके अलावा, कई देशों को इस बात पर भी आपत्ति है कि हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

ये चिंताएं उन देशों के लिए और भी ज्यादा अहम हैं जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं। सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, बहरीन और कतर, अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुख साझेदार हैं। ईरान के साथ हुए संघर्ष के दौरान इन देशों को भी ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा था, जिनमें नागरिक ढांचे को भी निशाना बनाया गया था। रुबियो का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब खाड़ी देशों के नेता अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन वे यह भी जानना चाहते हैं कि वॉशिंगटन आखिर ईरान को क्या देने जा रहा है और बदले में तेहरान से क्या मिलेगा? अभी तक किसी भी खाड़ी देश ने ईरान को आर्थिक मदद देने की सहमति नहीं दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान को आर्थिक मदद नहीं देने की बात कह चुके हैं। शांति समझौते के तहत अमेरिका, ईरान की जब्त संपत्तियों को भी जारी करेगा। हालांकि ईरान इस पैसे का इस्तेमाल सिर्फ मानवीय और कृषि जरूरतों के लिए ही कर पाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य भी होगी बात

रुबियो की बातचीत केवल आर्थिक मुद्दों तक सीमित नहीं रहेगी। उनके दौरे का एक प्रमुख विषय होर्मुज जलडमरूमध्य भी होगा, जो दुनिया के तेल और गैस आपूर्ति मार्गों में सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। ईरान संघर्ष के दौरान यह मार्ग तनाव का केंद्र बन गया था और अब तक यहां समुद्री यातायात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है।

कतर धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल, 66 अन्य घायल

कतर एजेंसी। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में एक फैक्टरी में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कतर के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार रात रास लाफान में हुए हादसे में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। पोस्ट में कतर के अधिकारियों के हवाले कहा गया है कि धमाके में घायल लोगों का उचित इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। इसमें कहा गया है, दूतावास इस घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि मृतकों के शव जल्द से जल्द भारत भेजे जाएं। इससे पहले, कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन शेरिदा अल-काबी ने संवाददाताओं से कहा था कि धमाके में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के 13 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, कतर के गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रास लाफान औद्योगिक शहर में रविवार शाम बरजान स्थानीय गैस आपूर्ति संयंत्र में परिचालन के दौरान आई तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुए धमाके और उसके बाद लगी आग में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 66 अन्य घायल हो गए।

बीएसएल दे रहा सर्कुलर इकोनॉमी को नई गति

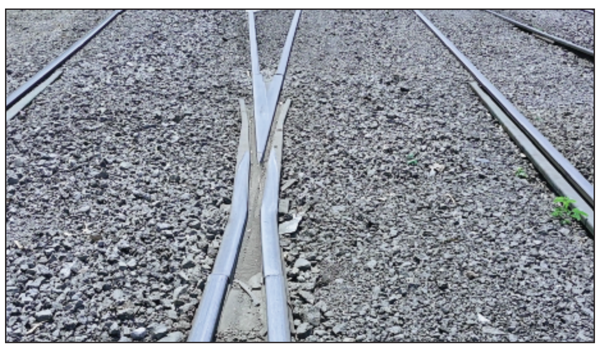

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने भारत सरकार की सर्कुलर इकोनॉमी की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संसाधनों के कुशल उपयोग, अपशिष्ट न्यूनीकरण तथा सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयंत्र द्वारा संचालित विभिन्न 'वेस्ट टू वेल्थ' (अपशिष्ट से संपदा) पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। इन प्रयासों ने न केवल आर्थिक लाभ सृजित किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। बीएसएल ने पहली बार बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीओएफ) स्लज का सिंटर प्लांट में सफलतापूर्वक उपयोग किया है, जिससे लौह अयस्क फाइन्स की खपत में कमी आई है। इसी प्रकार, डीकैंटर टार स्लज का मिश्रित कोयले में पुनर्चक्रण कर उत्पादन लागत को कम करने के साथ-साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी लाने में सफलता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, अपशिष्ट लाइमस्टोन फाइन्स के सिंटर निर्माण में प्रभावी उपयोग से उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित हुई है तथा फ्लक्स की खरीद पर होने वाले व्यय में भी कमी आई है। बीएसएल ने ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का ग्रेनुलेशन सुनिश्चित करते हुए सीमेंट उद्योग को बड़े पैमाने पर इसकी आपूर्ति की है। इससे सीमेंट निर्माण में क्लिंकर की खपत कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। संयंत्र ने प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) एलडी स्लैग का भी लगभग पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया है। इसका उपयोग सिंटर निर्माण, इस्पात उत्पादन में बॉक्साइट एवं अन्य फ्लक्सों के विकल्प के रूप में, संयंत्र के लगभग 250 किलोमीटर लंबे आंतरिक रेलवे नेटवर्क में रेलवे बैलास्ट के रूप में तथा सड़क निर्माण परियोजनाओं में किया गया है। इसके अतिरिक्त, संयंत्र ने मिल स्केल, ब्लास्ट फर्नेस फ्ल्यू डस्ट, ईएसपी डस्ट, कोक ब्रीज तथा फेरस स्लज जैसे उपोत्पादों और अपशिष्ट सामग्रियों का पुनर्चक्रण कर उन्हें मूल्यवान द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चे माल के रूप में उपयोग में लाया है। इन पहलों ने संसाधनों की पुनर्प्राप्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्राथमिक कच्चे माल पर निर्भरता को भी कम किया है। बोकारो इस्पात संयंत्र ने ब्लास्ट फर्नेस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कास्ट हाउस ग्रेनुलेटेड स्लैग, कोल टार, अमोनियम सल्फेट, पिच, नैफ्थलीन उत्पाद, मिल स्केल स्लज, प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) स्लैग तथा पिग आयरन जैसे बाइ-प्रोडक्ट्स की बिक्री के माध्यम से भी उल्लेखनीय आर्थिक मूल्य सृजित किया है। जो सामग्री कभी अपशिष्ट मानी जाती थी, वही आज राजस्व सृजन के साथ-साथ विभिन्न उद्योगों को किफायती द्वितीयक (सेकेंडरी) कच्चा माल उपलब्ध करा रही है। संयंत्र के इन पहलों के परिणामस्वरूप अपशिष्ट उत्पादन तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई है, वहीं विभिन्न डाउनस्ट्रीम उद्योगों को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण सेकेंडरी कच्चा माल उपलब्ध कराने में भी सहायता मिली है। निरंतर नवाचार, संसाधन संरक्षण और अपशिष्ट के प्रभावी पुनःउपयोग के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र सतत इस्पात निर्माण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है तथा भारत को लो-कार्बन और संसाधन-कुशल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की ये उपलब्धियां सर्कुलर इकोनॉमी, 'वेस्ट टू वेल्थ' तथा सतत विकास के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं। नवाचार, संसाधन दक्षता एवं बाइ-प्रोडक्ट्स के अधिकतम उपयोग के माध्यम से बीएसएल राष्ट्र के लिए आर्थिक एवं पर्यावरणीय दोनों प्रकार के मूल्य सृजन की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

धान की सीधी बुआई कम लागत में बंपर पैदावार पाने का बेहतर विकल्प

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन, मजदूरों की कमी एवं बढ़ती उत्पादन लागत किसानों के सामने बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इन समस्याओं से निपटने के लिए किसानों को धान की सीधी बुआई तकनीक अपनानी चाहिए। यह तकनीक कम लागत में अधिक लाभ एवं बेहतर उत्पादन देने में सहायक है। जिला कृषि पदाधिकारी, बोकारो मो. शाहिद ने बताया कि परंपरागत धान रोपाई पद्धति में बिचड़ा तैयार करने से लेकर रोपाई एवं कटाई तक काफी श्रम और खर्च की आवश्यकता होती है। वहीं धान की सीधी बुआई तकनीक से पानी, श्रम, ऊर्जा एवं समय की बचत होती है। बदलते जलवायु परिदृश्य एवं गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए यह तकनीक किसानों के लिए अधिक उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि सीधी बुआई के लिए खेत का समतलीकरण आवश्यक है। खेत में पर्याप्त नमी की स्थिति में सीड ड्रिल के माध्यम से बुआई की जानी चाहिए। यदि खेत में खरपतवार की समस्या अधिक हो तो पहले सिंचाई कर खरपतवार उगा लें तथा बाद में जुताई कर नमी की अवस्था में सीड ड्रिल द्वारा बुआई करें। इस विधि में प्रति हेक्टेयर लगभग 30 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है तथा बीज की गहराई 2 से 3 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। मो. शाहिद ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि धान की सीधी बुआई तकनीक अपनाकर वे उत्पादन लागत में कमी ला सकते हैं तथा समय पर फसल स्थापित कर बेहतर उपज प्राप्त कर सकते हैं। कम खर्च और अधिक लाभ के कारण यह तकनीक वर्तमान समय में किसानों के लिए एक प्रभावी एवं लाभकारी विकल्प बनकर उभर रही है।

संक्षिप्त समाचार

तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पर्यटन, कला-संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, राँची, झारखण्ड तथा जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर तीरंदाजी (बालक/बालिका) प्रतियोगिता - 2026 आज दिनांक 23/06/2026 को चंदनकियारी, बोकारो में आयोजित किया गया, जिसमे कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के कंपाउंड बालक वर्ग में प्रथम स्थान रूद्राक्ष पाण्डेय, द्वितीय स्थान विजय महतो एवम तृतीय स्थान नीरज रजवार वही कंपाउंड बालिका वर्ग में प्रथम स्थान आरती कुमारी , द्वितीय स्थान अपूर्वा बांडों एवम तृतीय स्थान प्रियंका मधु ने हासिल किया। रिकर्व बालक वर्ग में प्रथम स्थान राहुल सूत्रधार, द्वितीय स्थान शिवम भगत एवम तृतीय स्थान अनमोल उरांव वही इंडियन राउंड बालक वर्ग में प्रथम स्थान आकाश सूत्रधार , द्वितीय स्थान विष्णु बावरी एवम तृतीय स्थान अमित बावरी ने हासिल किया। प्रतियोगिता के उपरांत उपस्थित प्रशिक्षको ने उपस्थित खिलाड़ियों को ओलंपिक दिवस के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 23 जून को ही ओलंपिक दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन आधुनिक ओलंपिक आंदोलन की शुरूआत हुई थी। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में बढ़- चढ़कर भाग लेने से जीवन में अनुशासन, ऊर्जा और मार्गदर्शन मिलता है। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी, जिला खेल समन्वय, तीरंदाजी प्रशिक्षक मोहन साहू , हेमंत कुमार, महेंद्र करमाली सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पर्यटन, कला-संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, राँची झारखण्ड तथा जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर बास्केटबॉल प्रतियोगिता - 2026 आज दिनांक 23/06/2026 को चिन्मया विद्यालय, सेक्टर 5, बोकारो इस्पात नगर,बोकारो में आयोजित किया गया जिसमे कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा:- बालक वर्ग बास्केटबॉल प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान, तृतीय स्थान प्रतियोगिता के उपरांत उपस्थित आई ए एस प्रशिक्षु अरविंद राधाकृष्णन ने उपस्थित खिलाड़ियों को ओलंपिक दिवस के महत्व की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा "आज के दिन हमें केवल यह नहीं सोचना चाहिए कि कौन जीता, बल्कि यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने दैनिक जीवन में खेलों और शारीरिक गतिविधियों को अवश्य शामिल करेंगे। चाहे हम किसी भी स्तर पर खेलें, महत्वपूर्ण यह है कि हम सक्रिय रहें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं"। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में बढ़- चढ़कर भाग लेने से जीवन में अनुशासन, ऊर्जा और मार्गदर्शन मिलता है।

मुखिया ने किया नये ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव एवं पसस अजीत पाण्डेय ने पी एच ई डी के पास 200 केवीए के नए विद्युत ट्रांसफार्मर का संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। तेनुघाट की पंचायत की मुखिया नीलम श्रीवास्तव के पहल पर 24घंटे के अंदर तेनुघाट पी एच ई डी के समीप 200केवी का ट्रांसफार्मर को लगवाया गया। श्रीमती श्रीवास्तव नए बताया की पी एक ई डी के पा रह रहे ग्रामीणों के द्वारा बताया गया की हमलोगो का ट्रांसफार्मर जल गया है और भीषण गर्मी भी है साथ ही इसी ट्रांसफार्मर से पानी की भी सप्लाई है जिससे पुरे पंचायत में पानी की समस्या उत्पन्न हो जायेगी इस लिये इसे जल्द से जल्द सुचारु रूप से चलु किया जाये। ग्रामीणों की समस्या को सुनते ही पंचायत की मुखिया श्रीमती श्रीवास्तव नए पहल की और मात्र 24घंटे में ट्रांसफार्मर बदलवाने का काम किया।

बीएसल एवं सुपरवाइजरों का विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे दिन की प्रथम पाली में 33-डुमरी विधानसभा (बोकारो जिला अंतर्गत) (ग्रामीण) क्षेत्र, 35- बेरमो विधानसभा (ग्रामीण) क्षेत्र, 36-बोकारो विधानसभा (ग्रामीण) क्षेत्र एवं 37-चंदनकियारी (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत सभी बीएसल एवं सुपरवाइजरों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण संबंधित प्रखंड कार्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप स्क्रप्रक्रिया के प्रत्येक चरण की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसमें मतदाता सत्यापन, प्रपत्रों का सही ढंग से भरना, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, अपात्र प्रविष्टियों की पहचान, अभिलेखों का संधारण तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों के निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की जिज्ञासाओं और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।

बोकारो के लाइन होटलों में की गई हुक्काबार, ई-सिगरेट एवं मादक पदार्थों की जांच की उपलब्धता: जिला परामर्शी

बोकारो के लाइन होटलों में धूम्रपान निषेध संबंधी सूचना पट्ट की जांच की गई : खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के लाइन होटलों में ई-सिगरेट की उपलब्धता की जांच की गई। औषधि निरीक्षक उपायुक्त, बोकारो के आदेशानुसार तथा डॉ. अभय भूषण प्रसाद, सिविल सर्जन, बोकारो के निर्देशन में आज दिनांक 23 जून 2026 को बोकारो जिले के लाइन होटलों में हुक्काबार, ई-सिगरेट एवं मादक पदार्थ निषेध से संबंधित विशेष जांच एवं छापामारी अभियान चलाया गया। साथ ही तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 की धारा 4, 6(क), 6(ख) एवं 6(ग) के अनुपालन की भी जांच की गई। अभियान के दौरान औषधि निरीक्षक, बोकारो श्रीमती पुतली बिलुंग, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, बोकारो श्रीमती गुलाब लकड़ा तथा जिला छापामारी दल के सदस्य एवं जिला परामर्शी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो. असलम द्वारा आईटीआई मोड़ से कुर्रा तक कुल 7 लाइन होटलों की जांच की गई। जांच के क्रम में किसी भी होटल में हुक्काबार अथवा ई-सिगरेट की उपलब्धता नहीं पाई गई। हालांकि कई प्रतिष्ठानों में कोटपा-2003 की धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर अनिवार्य 'धूम्रपान निषेध' सूचना पट्ट का अनुपालन नहीं किया जा रहा था। इस उल्लंघन के कारण संबंधित होटल संचालकों से कुल ₹4,300 का अर्थदंड वसूला गया। जिला परामर्शी मो. असलम ने बताया कि झारखंड राज्य में हुक्काबार एवं ई-सिगरेट पूर्णतः प्रतिबंधित हैं। यदि किसी होटल, रेस्टोरेंट अथवा अन्य प्रतिष्ठान में इनके संचालन की जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल निकटवर्ती थाना अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर औषधि निरीक्षक, बोकारो श्रीमती पुतली बिलुंग, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्रीमती गुलाब लकड़ा, जिला परामर्शी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो. असलम तथा आनंद कुमार उपस्थित थे। अधिकारियों ने आमजन से तंबाकू एवं नशे से दूर रहने तथा तंबाकू नियंत्रण संबंधी कानूनों का पालन करने की अपील की।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक : उपायुक्त

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त हुए शामिल, दिए कई आवश्यक निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे दिन की प्रथम पाली में 36-बोकारो विधानसभा (ग्रामीण) क्षेत्र एवं 37-चंदनकियारी (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के चास प्रखंड अंतर्गत कार्यरत सभी बीएसओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन को पुनरीक्षण 2026 से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा, अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांढा, भूमि सुधार उप समाहर्ता चास शामिल हुए ।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक है-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों तथा बूथ स्तर के पदाधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों के सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों का नाम किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा अपात्र नामों को नियमानुसार हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाए।

प्रशिक्षण इन पदाधिकारियों के द्वारा दिया गया-

प्रशिक्षक प्रखंड विकास पदाधिकारी चास श्री प्रदीप कुमार, अंचल अधिकारी चास श्री सेवाराम द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप स्क्र प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिसमें मतदाता सत्यापन, प्रपत्रों का सही ढंग से भरना, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, अपात्र प्रविष्टियों की पहचान, अभिलेखों का संधारण तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों के निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही इछड एवं सुपरवाइजरों की जिज्ञासाओं और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान उपायुक्त अजय नाथ झा करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्युत आपूर्ति आज सुबह 10 बजे से संध्या 5 बजे तक बाधित रहेगी

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहायक विधुत अभियंता राजेश बिरुवा के कार्यालय के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति प्रेसित कर सर्व साधारण को सूचित किया गया है की 24जुन 2026 को कथारा विधुत शक्ति उपकेंद्र से जुड़े सही क्षेत्र जैसे कथारा, फुसरो, गोमिया, कंचकीरो, साडम, तेनुघाट और ललपनिया में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। वहीं प्रेस विज्ञप्ति में ये भी बताया गया है की विद्युत वाधित होने का मुख्य कारण ये है की 24जुन को क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पेड़ की कटिंग के साथ साथ डी वी सी से आने वाले 33केवी इन कमिंग फीडर संख्या 1 एवं फीडर संख्या 2 पर कथारा विधुत शक्ति उपकेंद्र में अवश्य मेंटेनेन्स कार्य तथा फीडर संख्या 2 के सामने नए 33केवी फीडर की स्थापना हेतु पोल गाड़ने का भी कार्य किया जायेगा। वहीं 24जुन को सुबह 10 बजे से संध्या 5बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

विद्यालयों के आसपास तंबाकू बेचने वालों का काटा गया चालान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कसमार डॉ. मो. नवाब, डॉ. पवन कुमार एवं कसमार थाना की संयुक्त टीम द्वारा तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के तहत छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 34 दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 13 दुकानदार/व्यक्तियों को कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया। उल्लंघनकर्ताओं से अर्थदंड के रूप में कुल 2,400 रुपये की वसूली की गई। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक बंकीमचंद्र महतो ने दुकानदारों को झारखंड संशोधन अधिनियम-2021 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने अथवा तंबाकू उत्पादों का सेवन एवं थूकने पर 1,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पाद बेचना या उनसे बिकवाना प्रतिबंधित है तथा उल्लंघन करने पर 1,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। वहीं, धारा 6(बी) के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों, सार्वजनिक कार्यालयों एवं न्यायालयों की 100 मीटर की परिधि के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है।

लड़की चढ़ी मोबाईल टावर पर, प्रेमी से मिलने की जिद

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले से प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक अनोखा और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. गोमिया प्रखंड के ललपनिया-गोमिया मुख्य मार्ग स्थित ढेढ़ें गांव में मंगलवार की सुबह एक युवती अपने प्रेमी से मिलने की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती की इस हरकत से इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। युवती का कहना है कि जब तक मैं अपने प्रेमी का चेहरा नही देख लुंगी,तब तक टावर से नही उतरूंगी। वहीं पुलिस के साथ साथ ग्रामीणों ने युवती को समझाने का काफी प्रयास किया , लेकिन युवती के जिद के आगे किसी की नही चली। कुछ देर बाद युवती के परिजन भी मौकास्थल पर पहुंचकर युवती को समझाने लगे,लेकिन युवती अपने जिद पर अड़े रही। युवती ललपनिया थाना क्षेत्र के तिलैया गांव की रहने वाली बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवती मंगलवार की सुबह अचानक मोबाइल टावर पर चढ़ गई और ऊपर से घोषणा करने लगी कि जब तक उसका प्रेमी वहां नहीं पहुंचेगा और वह उसका चेहरा नहीं देख लेगी, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगी. युवती की जिद सुनकर स्थानीय लोग भी हैरान रह गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने युवती को समझाने और सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ी रही। युवती के टावर पर चढ़ने की खबर पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए और घंटों तक तमाशबीनों की भीड़ लगी रही। कई लोग इस घटना का वीडियो बनाते नजर आए, जबकि कुछ लोग युवती को समझाने का प्रयास करते रहे। आखिरकार बेरमो के एसडीओ मनोज कुमार, एसडीपीओ रविंद्र कुमार सिंह, गोमिया बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, बोकारो जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, ललपनिया थानाप्रभारी जयप्रकाश एक्का, समाजसेवी चितरंजन साव सहित अन्य लोग घटनास्थल पर पहुंचकर युवती को समझाया, और आश्वासन देने के बाद लगभग आठ घन्टे के पश्चात युवती को टावर से नीचे उतारा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं अक्सर फिल्मों या अन्य राज्यों में देखने-सुनने को मिलती हैं, लेकिन गोमिया में पहली बार ऐसा नजारा देखने को मिला है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया

जैनामोड/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी, बोकारो जिला के अध्यक्ष सुरेन्द्र राज की अध्यक्षता में जैनामोड स्थित भाजपा किसान मोर्चा कार्यालय में डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। बलिदान दिवस पर मुख्य रूप से उपस्थित मुख्यवक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, बोकारो के निवर्तमान विधायक बिरंची नारायण, गिरिडीह के पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पाण्डे, बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बारे मे कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे" का उद्घोष करते हुए राष्ट्र की अखंडता के लिए संघर्ष किया तथा अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका जीवन देशभक्ति, राष्ट्रसेवा एवं जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। आज के कार्यक्रम में किसान मोर्चा प्रदेशमहामंत्री अर्जुन सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष जयदेव राय,जिला महामंत्री रामलाल सोरेन, जिला कार्यालय मंत्री जयनारायण मरांडी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद महतो, वीरभद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष बिक्रम गोस्वामी, बालीडीह उत्तरी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गोस्वामी, बालीडीह दक्षिणी मंडल अध्यक्ष अविनाश सिंह, चिलगड्डा मंडल अध्यक्ष दिनेश महतो, सुनील मंडल, मदन कुमार महतो, केदार महतो, बालेश्वर मुर्मू, कमल सिंह, सुनील स्वर्णकार,कुमार प्रकाश, दरबारी हेंब्रम, पवन कुमार महतो, मनोज सिंह, वकील रजक, सहित अन्य भाजप कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन विभाग द्वारा टेंच काटने पर ग्रामीणों का विरोध, बेरंग लौटी टीम

पेटरवा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल स्थित पेटरवार प्रखंड के तेनु डैम पुनर्वास क्षेत्र पंचायत पतकी के मिजार्पुर और नावाडीह गांव के पास नदी के सटे भाग में वन विभाग के द्वारा जेसीबी लेकर ट्रेंच काटने और पौधारोपण करने गए वन विभाग के अधिकारी व कर्मियों को ग्रामीणों का भारी विरोध झेलना पड़ा है। इस दौरान उपस्थित महिला-पुरुष ग्रामीणों का वन विभाग के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा और ग्रामीणों ने तेनु डैम से पुनर्वास में मिले जमीन छीने जाने को लेकर वन विभाग के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। वहीं ग्रामीणों ने एकजुट होकर वन विभाग का खिलाफत करते हुए अपने पूर्वजों की जमीन को बचाने का निर्णय लिया और पौधारोपण के लिए ट्रेंच काटने नहीं दिया। जिसके कारण वन विभाग के कर्मियों को बगैर ट्रेंच काटे ही वापस आ जाना पड़ा। मालूम हो कि बोकारो डीएफओ के आदेश पर पेटरवार के वनपाल मो. तोबीद के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मंगलवार को वन विभाग सुरक्षा बल के साथ जेसीबी लेकर मिजार्पुर गांव जा धमकी। इसके बाद वन विभाग की टीम में शामिल लोग जेसीबी से ट्रेंच कटवाने का काम शुरू करते ही भारी संख्या में महिला और पुरुष ग्रामीण वहां पहुंचे और वन विभाग का विरोध करने लगे। जिसके कारण वन विभाग को ट्रेंच कटवाने का काम बंद कर देना पड़ा। ग्रामीणों द्वारा विरोध किए जाने के बाद वन विभाग की टीम को बैरंग वापस लौटना पड़ा। वहीं वन विभाग से आये मो तोबीद ने बताया की हमारे पास जो नक्शा है उसी के अनुसार ट्रेंच कटिंग का काम किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि तेनु डैम पुनर्वास क्षेत्र पतकी पंचायत में कई वर्षो से हमारे पूर्वज उक्त जमीन पर खेती करते आए हैं। इस जमीन पर किसी कीमत पर पौधरोपण नहीं होने देंगे वन विभाग अपनी जमीन पर ट्रेंच नहीं काट हमें पुनर्वास में मिली खेती योग्य जमीन पर ट्रेंच कटिंग और पौधरोपण कर रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पौधरोपण के नाम पर बड़े पेड़ो को काटा जा रहा है यहां वन विभाग वन को उजाड़ कर कटीले बांस का लगा रही है जिससे हमारे मवेशी कटीले बांस में फंस कर मर रहे हैं। मौके पर उप मुखिया मधुसूदन साव, पंसस प्रतिनिधि संजय रजवार, राजेश भोगता, लालू यादव, कमलनाथ नायक, परमेश्वर ठाकुर, फूलचंद यादव, सूरज कुमार, मुकेश सिंह, रामेश्वर साव, फुटुचंद यादव, मनोज विश्कर्मा, उमाशंकर नायक, श्यामसुंदर, नरेश साव, निर्मल कुमार, सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com